ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

श्रीरामुलु का भाजपा छोड़ने का सवाल ही नहीं: राजूगौड़ा @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 25 जनवरी, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-24

पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के प्रमुख पहुंचे बांग्लादेश

अमन को कर रहे पामाल... दो फटेहाल

ढाका, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विस इंटेलिजेंस (आईएसआई) के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक पिछले दिनों बांग्लादेश में थे। उन्होंने बांग्लादेश सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस से भी मुलाकात की और बांग्लादेश सेना और सरकार के सलाहकारों और आला अफसरों से मंत्रणाएं कीं। आईएसआई के प्रमुख असीम मलिक दुबई के रास्ते ढाका पहुंचे थे, जहां उनका स्वागत बांग्लादेश सेना के क्वार्टर मास्टर जनरल ले. जनरल मोहम्मद फैजुर रहमान ने किया। उल्लेखनीय है कि पिछले हफ्ते ही बांग्लादेश सेना के शीर्ष अफसरों में से एक लेफ्टिनेंट जनरल

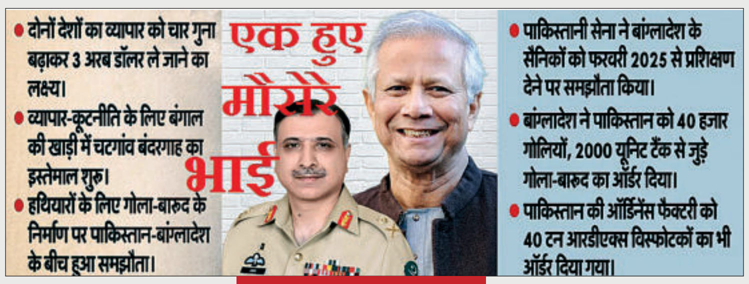

कमरुल हसन भी पाकिस्तान गए थे, जहां उन्होंने पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर से मुलाकात की थी।

बांग्लादेश सेना के दोनों लेफ्टिनेंट जनरल हसन

बांग्लादेश को हथियारों का जखीरा दे रहा पाकिस्तान

और रहमान का पाकिस्तान के कट्टरपंथियों से गहरा नाता है और दोनों देशों के रिश्तों को नए सिरे से बढ़ाने में ये बड़ी भूमिका अदा कर रहे हैं। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर बीते कुछ दिनों में बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच रिश्तों में अप्रत्याशित बदलाव क्यों देखने को मिला है? दोनों ही देश मौजूदा समय में किन-किन क्षेत्रों में संपर्क बढ़ा रहे हैं? इसके अलावा बांग्लादेश की मौजूदा यूनुस सरकार और पाकिस्तान इस वक्त चाहते क्या हैं? इससे भारत के हित किस तरह प्रभावित होते हैं? आप जानते हैं कि हिंदी दैनिक शुभ-लाभ बांग्लादेश में हिंदुओं और वहां के अल्पसंख्यक समुदाय पर हो रहे हमलों, बांग्लादेश सरकार के बदलते चरित्र. उसके इस्लामिक आतंकवादी रुझान और पाकिस्तान के साथ हो रही उसकी साठगांठ पर लगातार खबरें प्रकाशित कर रहा है। ▶10पर

दुर्गा माता मंदिर और शीतला मंदिर पर हमला, प्रतिमा जलाई

ढाका, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

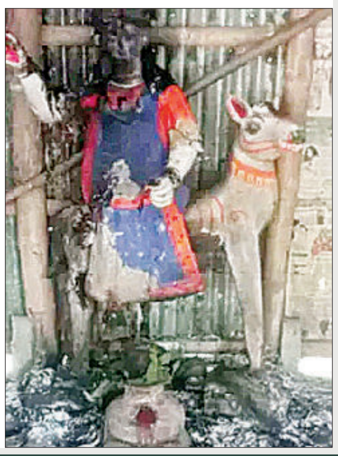

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर अत्याचार और उनके धार्मिक स्थलों पर हमले लगातार जारी हैं। ताजा मामले में गोपालगंज जिले के काशियानी उपजिला के तराइल नॉर्थपारा गांव में दुर्गा मंदिर और शीतला मंदिर को गुरुवार 21 जनवरी की सुबह आग के हवाले कर दिया गया। इस आगजनी में दोनों मंदिरों को भारी नुकसान हुआ।

दुर्गा मंदिर की पूजा सामग्री जलकर खाक हो गई और शीतला देवी की मूर्ति को पुआल जलाकर खंडित कर दिया गया। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल बन गया है। रोजाना मंदिर में पूजा करने वाले तराइल गांव के निवासी प्रमोथ विश्वास ने बताया कि जब वे सुबह पूजा के लिए पहुंचे तो दुर्गा मंदिर का बांस का दरवाजा खुला हुआ था। ▶10पर

वक्फ संशोधन बिल पर जेपीसी की बैठक में हंगामा

वक्फ विधेयक में बाधा डालने पर विपक्ष आमादा

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

वक्फ संशोधन विधेयक पर संसदीय समिति की बैठक में शुक्रवार को जमकर हंगामा हुआ। हंगामा करने वाले 10 सांसदों को पूरे दिन के लिए कमेटी की सदस्यता से निलंबित कर दिया गया। इससे पहले बैठक के दौरान विपक्षी सदस्यों ने दावा किया कि उन्हें मसौदा कानून में प्रस्तावित बदलावों का अध्ययन करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया जा रहा है। आज भाजपा सांसद जगदंबिका पाल की अध्यक्षता वाली जेपीसी कश्मीर के मीरवाइज

उमर फारूक के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल के विचार सुनने वाली थी। बैठक में हुए हंगामे के बाद वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति की बैठक से सभी 10 विपक्षी

10 विपक्षी सांसद दिनभर के लिए निलंबित रहे

सांसदों को दिनभर के लिए निलंबित कर दिया गया। निलंबित विपक्षी सांसदों में कल्याण बनर्जी, मोहम्मद जावेद, ए राजा, असदुद्दीन ओवैसी, नासिर हुसैन, मोहिबुल्लाह, एम अब्दुल्ला, अरविंद सावंत, नदीमुल हक, इमरान मसूद शामिल हैं।

भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने विपक्षी सदस्यों को निलंबित करने का प्रस्ताव पेश किया। इसे समिति ने स्वीकार कर लिया। भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी ने दावा किया कि विपक्षी सदस्यों का आचरण शर्मनाक था, क्योंकि वे बैठक के दौरान लगातार हंगामा कर रहे थे और असंसदीय भाषा का इस्तेमाल कर रहे थे। मीरवाइज को बुलाने से पहले समिति के सदस्यों ने आपस में चर्चा की और इसी दौरान विपक्षी नेताओं के साथ बैठक में हंगामा हो गया। ▶10पर

प्रशासन की नाक के नीचे सरकारी जमीनों पर हुए अवैध कब्जे

पीएम के संसदीय क्षेत्र में अवैध मस्जिदों मजारों का जाल

वाराणसी, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में अवैध मस्जिदों, मजारों और इमामबाड़ों की कतार लगी है। प्रशासन के रहते हुए सरकारी जमीनों पर कब्जा करके ये अवैध निर्माण कैसे बन गए? इस सवाल का जवाब वाराणसी प्रशासन या योगी सरकार के पास नहीं है। जब इन अवैध कब्जे को लेकर जनता में विरोध शुरू हुआ, तब प्रशासन को होश आया और प्रशासन ने अवैध कब्जों को लेकर एक सर्वे कराया। सर्वे में अनगिनत अवैध निर्माण का मामला उजागर हुआ, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में बेखौफ जारी था। वाराणसी के महत्वपूर्ण और व्यस्त इलाके नदेसर में बनी चर्चित जामा मस्जिद भी सरकारी जमीन पर कब्जा कर बनाई गई अवैध मस्जिद निकली। यह मस्जिद तालाब की जमीन पर बनी है। खूबी यह है कि इन अवैध सम्पत्तियों को भी वक्फ बोर्ड ने अपने रजिस्टर में दर्ज किया हुआ है।

वाराणसी की एडीएम (वित्त एवं राजस्व) वंदिता श्रीवास्तव ने बताया कि वक्फ बोर्ड वाराणसी में सरकार की 406 सम्पत्तियों को अपना बता रहा है। अवैध कब्जों का गाटावार सर्वे 2024 के अक्टूबर से दिसंबर माह के बीच कराया गया था।

सरकारी सर्वे में 406 सरकारी सम्पत्तियों पर मिला अवैध कब्जा

सर्वे में तहसील प्रशासन के साथ राजस्व कर्मी शामिल थे। जिला प्रशासन ने पूरी सर्वे रिपोर्ट राज्य शासन के अलावा हाईकोर्ट के आदेश पर गठित कमेटी के पास भी भेजी है। इसमें बताया गया है कि इन सम्पत्तियों का विवरण खतौनी में गाटा संख्या के नाम पर है। सर्वे के दौरान दस्तावेजों के आधार पर वक्फ बोर्ड की सम्पतियों की जानकारी जुटाई गई। इसमें खास तौर पर कितनी सरकारी सम्पत्ति को वक्फ बोर्ड ने अपनी सम्पत्ति बताई है। ▶10पर

महाकुंभ अग्निकांड: खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स ने ली जिम्मेदारी

प्रयागराज, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में हाल ही में लगी आग की जिम्मेदारी खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स (केजेएफ) ने ली है। इस संगठन के ही तीन आतंकी हाल में पीलीभीत में पुलिस ने मार गिराए थे। केजेएफ ने अग्निकांड को एनकाउंटर का बदला करार दिया है। इस अग्निकांड की जांच अब एनआईए और यूपी एटीएस कर रही हैं। कई संदिग्धों को इस मामले में पकड़ा भी गया है। उल्लेखनीय है कि 19 जनवरी को प्रयागराज महाकुंभ के कुछ शिविरों में आग लग गई थी। अब उसमें खालिस्तानी एंगल सामने आया है। लंदन और ग्रीस से चलने वाले केजेएफ आतंकी समूह ने इस आग का कारण ब्लास्ट बताया था और दावा किया था कि उसने ही यह काम किया है।

केजेएफ ने दावा किया है कि वह किसी को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहते थे और केवल यह दिखाना चाहते थे कि क्या करने की क्षमता रखते हैं। यह पूरी बात उन्होंने मीडिया संस्थानों को भेजे गए एक ईमेल में लिखी है। उन्होंने इसे एक शुरुआत बताया है और पीलीभीत एनकाउंटर को फर्जी करार दिया है। पुलिस अभी इस खालिस्तानी एंगल को नकार रही है।

हालांकि, एनआईए और एटीएस ने आग लगने के दौरान आसपास मौजूद 1000 लोगों पर जांच चालू की है। यह भी बताया गया है कि इन 1000 में से लगभग 900 हिंदू नहीं हैं। ▶10पर

आयुध फैक्टरी में विस्फोट में आठ की मौत, सात घायल

मुंबई, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र के भंडारा जिले में शुक्रवार को सुबह एक आयुध फैक्टरी में विस्फोट हो गया। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि सात को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आयुध फैक्टरी में विस्फोट के कारण एक इकाई की छत गिरने से कई श्रमिक फंस गए। उन्होंने विस्फोट में जान गंवाने वालों के लिए शोक भी व्यक्त किया।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भंडारा में आयुध फैक्ट्री में बड़ा ▶10पर

छत्तीसगढ़ में 13 महीनों में हुई 10 बड़ी मुठभेड़

कुख्यात कमांडरों समेत 240 नक्सली मारे गए

जगदलपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित इलाकों में पिछले 13 महीनों में हुई मुठभेड़ों में 240 नक्सली मारे गए। इनमें 25 लाख से एक करोड़ तक के इनामी नक्सली और उनके शीर्ष कैडर्स शामिल हैं जबकि आंध्र प्रदेश, ओड़ीशा, तेलंगाना और महाराष्ट्र में मारे गए नक्सलियों की संख्या इनके अतिरिक्त है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि बस्तर संभाग के सुकमा, बीजापुर और नारायणपुर जिले आबूझमाड़ में सर्वाधिक नक्सल प्रभावित जिले हैं जहां पर सुरक्षाबलों बड़े

25 लाख से एक करोड़ तक के इनामी नक्सली शामिल

अभियान चलाए हैं।

पिछले 13 महीनों में छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों की नक्सलियों की दस बड़ी मुठभेड़ हुईं। इनमें अब तक सीसीएम, एससीएम, डीकेएसजेडसी कैडर के नक्सली मारे जा चुके हैं। इन पर 25 लाख से लेकर 1 करोड़ तक का इनाम घोषित था। हाल ही में मारे गये कुख्यात नक्सली नेता एक करोड़ का इनामी नक्सली जयराम उर्फ चलपती सहित रामचन्द्र उर्फ कार्तिक उर्फ दसरू उर्फ जीवन पद (एस.सी.एम.) ओड़ीशा स्टेट कमेटी सदस्य, सचिव पश्चिम ब्यूरो मारा गया है। बीजापुर जिले के जंगल में तेलंगाना सीमा पर 16 जनवरी को हुई मुठभेड़ में 50 लाख रुपए के इनामी नक्सली दामोदर को भी मुठभेड़ में ढेर कर दिया गया है। इसी तरह रणधीर, नीति उर्फ निर्मला, जोगन्ना, दसरू, रूपेश, शंकर राव जैसे डीकेएसजेडसी (दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी), टीएससी कैडर के नक्सली मारे गए हैं। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0

न्यूनतम : 19^0

तमिलनाडु में मिले 5300 साल पुराने साक्ष्य

तुर्की नहीं, भारत से शुरू हुआ था लौह युग

चेन्नई, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

मानव सभ्यता द्वारा लोहे का उपयोग सबसे पहले भारत में हुआ था। तमिलनाडु से मिले लोहे के औजारों और बर्तनों से इस बात की पुष्टि हुई है। लैब में की गई जांच से यह 5 हजार साल से अधिक पुराने पाए गए हैं। इससे पहले माना जाता था कि तुर्की में सबसे पहले लोहे का उपयोग चालू हुआ। लौह युग का जनक अब भारत को माना जा सकता है।

तमिलनाडु में लौह युग के प्रमाण देने वाली रिपोर्ट मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने जारी की है। उन्होंने लिखा, मैं बड़े गर्व के सामने विश्व के सामने यह घोषणा करता हूँ कि लौह युग की शुरुआत तमिल धरती पर हुई। विश्व-प्रसिद्ध संस्थानों के परिणामों के आधार पर, तमिलनाडु में लोहे का उपयोग ईसा पूर्व 4000 वर्ष की शुरुआत से होता है, जिससे यह स्थापित हो गया है कि दक्षिण भारत में लोहे का उपयोग 5,300 साल पहले जोरशोर से हो रहा था।

तमिलनाडु के थूथुकोड़ी जिले में सिवागालाई समेत कई

लोहा गला कर बना था चाकू-तलवार, जांच में पुष्टि

इलाकों में 2019 से 2022 के बीच आठ अलग-अलग जगह खुदाई की गई थी। यह खुदाई एक कब्रिस्तान के आसपास हुई थी। यहां खुदाई में तमिलनाडु पुरातत्व विभाग को 160 बड़े मिट्टी के कलश मिले थे। इनमें से एक कलश पूरी तरीके से बंद मिला, जिसमे सदियों के बाद भी मिट्टी नहीं गई थी। इस कलश के भीतर एक मानव कंकाल, कुछ लोहे के औजार और धान के बीज भी मिले थे। सबसे पहले पुरातात्विकों ने धान की जांच करवाई जो लगभग 3 हजार साल पुराना निकला। इसके बाद इस कलश और बाकी जगह से इकट्ठा हुए लोहे के सामान की जांच हुई। यह सभी 2953 ईसा पूर्व से 3345 ईसा पूर्व (लगभग 5000 साल पुराने) के निकले। इन कलश से इनमें चाकू, तलवार, छेनी, अंगूठी और कुल्हाड़ी जैसे सामान मिले हैं। यह लोहे को गला कर बनाए गए थे। इनकी जांच एक्सेलरेटर मास स्पेक्ट्रोमेट्री (एएमएस) तकनीक से करवाई गई। यह तकनीक कार्बन डेटिंग का एक हिस्सा है। ▶10पर

अमूल ने एक लीटर दूध पर एक रुपए कम की कीमत

अहमदाबाद, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

अमूल दूध की कीमतों में कमी की गई है। गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर जयन मेहता ने इस बारे में जानकारी दी। कंपनी ने कहा है कि उसके तीन प्रमुख दूध उत्पादों की कीमत में एक रुपए की कमी की गई है। इनमें अमूल गोल्ड, अमूल टी स्पेशल और अमूल फ्रेश शामिल है। इनके एक लीटर वाले पाउच की कीमत में एक रुपए की कमी की गई है।

अमूल दूध की कीमतों में एक रुपए प्रति लीटर की कटौती के बाद दूध से बनने वाले उत्पादों की कीमतों में भी कटौती होने की उम्मीद है। ▶10पर

लीग ऑफ लेडी लेजेंड्स, बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए नीलामी सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ ने आगामी लीग ऑफ लेडी लेजेंड्स, बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए नीलामी का आयोजन जीतो कार्यालय चमराजपेट में किया। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र के जाप से हुई, जिससे संपूर्ण शाम के लिए एक आध्यात्मिक वातावरण बना। इसके बाद समिति के सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया, जो इस रोमांचक यात्रा की शुरुआत का प्रतीक था। विंग की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि हम यहां सिर्फ टीमों की बोली लगाने नहीं आए हैं, बल्कि हम एक बड़े उद्देश्य के लिए नींव रख रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यहां प्रत्येक प्रतिभागी अपनी एक अनूठी कहानी, जुनून और इस आयोजन को यादगार बनाने के लिए प्रतिबद्धता लेकर आया है। उन्होंने आगे कहा कि बॉक्स क्रिकेट सिर्फ एक खेल नहीं है, यह एक ऐसा मंच है जहाँ हम एक-दूसरे से जुड़ते हैं, एक-दूसरे को प्रेरित करते हैं, और अपनी सीमाओं को पार करते हैं। यह हमें याद दिलाता है कि जब हम एक साझा दृष्टिकोण के साथ एकजुट होते हैं, तो बड़ी चीजें होती हैं।

संयोजक साक्षी नाहर ने नियम और शर्तों को समझाया और कहा कि इस यात्रा की शुरुआत करते हुए, हमें यह याद रखना चाहिए कि जीतना ही उद्देश्य नहीं है, बल्कि दिल, ईमानदारी और आनंद के साथ खेलना है। इससे एक दोस्ताना और उत्साही वातावरण बन गया। शाम का मुख्य आकर्षण रोमांचक नीलामी था, जिसमें आठ जोशीली टीमों ने हिस्सा लिया। ट्रैवर्जी टाइटन्स, जिनका नेतृत्व अंगिका बाफना ने किया। जस्ट रैपरर्स की कप्तान निधि पालरेचा, सिंबायोसिस स्ट्राइकर की कप्तान अर्पिता लाधानी, मनोरणजन स्टार्स की कप्तान नीलम शांड, मैक्स राइडर्स की लीडर जयश्री बागरेचा, कल्टिवेटेड कराट्स की लीडर सुप्रिया सम्पथ, सव्वी वारियर्स की सविता पोरवाल और चोकडी टीम की संयुक्त नेतृत्व स्वेता लुनिया, मीनाक्षी बेगवानी, मनीषा बेगवानी और उत्साह छिंडालिया ने किया। टीम के मालिक, अपने आइकन खिलाड़ियों के साथ, नीलामी में जबरदस्त ऊर्जा लेकर आए। इस जीवंत कार्यक्रम का संचालन कुशलता से अवधी चौहान और तक्ष नाहर ने किया, जिन्होंने इसे अत्यंत सजीव और जोशीला बनाया। प्रत्येक खिलाड़ी पर उत्साह के साथ बोली लगाई गई, जिससे नीलामी का एक रोमांचक अनुभव बन गया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जो सह-संयोजका सोमना सिसोदिया ने दिया। नीलामी ने न केवल आगामी टूर्नामेंट की नींव रखी, बल्कि जीतो समुदाय के भीतर संबंधों को भी मजबूत किया, जिससे सभी क्रिकेट मैचों का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। यह बहुप्रतीक्षित बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट 1 फरवरी को जीटी मॉल में आयोजित किया जाएगा। नीलामी में मुख्य सचिव निधि पालरेचा, कोषाध्यक्ष संगीता पारख, समिति सदस्य राशि जैन, प्रिया गांधी, संगीता सियाल, अस्मिता चौहान, अंगीका बाफना, निशा कोठारी और वनिता बचावत ने भाग लिया।

किसानों के नाम पर शपथ लेकर रामनगर विधायक ने 67 एकड़ जमीन हड़प ली: निखिल कुमारस्वामी

रामनगर/शुभ लाभ ब्यूरो।
जेडीएस युवा विंग के अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने रामनगर विधायक पर जमीन हड़पने का आरोप लगाते हुए कहा है कि उन्होंने किसानों के नाम पर शपथ लेकर उनके साथ विश्वासघात किया है।

निखिल कुमारस्वामी ने रामनगर के दासेगौड़ानडोड्डी गांव में श्री अंजनेयास्वामी महाद्वारा के उद्घाटन समारोह में भाग लिया और नए नागा स्थापना समारोह में पूजा की।

बाद में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह कानून का उल्लंघन है कि जमीन का मालिक हल चलाने वाला होता है। यह बात प्रकाश में आई है कि रामनगर के विधायकों ने 67 एकड़ जमीन का गबन किया है। वहां के किसानों ने लोकायुक्त के पास शिकायत दर्ज कराई है। वे किसानों के नाम पर शपथ लेकर किसानों के साथ विश्वासघात कर रहे हैं। उन्होंने विधायकों पर निशाना साधते हुए कहा कि आने वाले दिनों में जनता खुद इसका जवाब देगी। आपने देखा है कि राज्य की आर्थिक स्थिति कैसी है। ऐसी समस्याएं सिर्फ इसी जिले में नहीं, बल्कि सभी जिलों में बढ़ी हैं। सरकार ने इस पर कोई कार्रवाई नहीं की है। निखिल कुमारस्वामी ने सरकार पर लोगों की समस्याओं का समाधान करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

पत्नी से सुलह की कोशिश विफल होने पर व्यक्ति ने की आत्महत्या

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु के नगरभावी इलाके में 39 वर्षीय एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को तलाक की याचिका वापस लेने के लिए मनाने में विफल रहने के बाद उसके घर के बाहर खुद को आग लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना गुरुवार की है। मृतक, कुनिगल शहर का एक कैब मालिक मंजूनाथ, 2013 से नयना से विवाहित था। दंपति का एक नौ साल का बेटा भी है, लेकिन वैवाहिक कलह के कारण पिछले दो सालों से वे अलग रह रहे थे। नयना ने 2022 में तलाक के लिए अर्जी दी थी और तब से रिश्ते और खराब हो गए थे। पुलिस ने बताया कि सुलह के बार-बार प्रयासों के बावजूद, नयना को तलाक की याचिका वापस लेने के लिए मनाने के मंजूनाथ के प्रयास असफल रहे। 23 जनवरी को, मंजूनाथ सुबह करीब 8.30 बजे नयना के घर गया और उससे एक बार फिर विनती की, लेकिन उसका अनुरोध अस्वीकार कर दिया गया।

कथित तौर पर नयना ने उसे बताया कि उसने अपनी शादी के दौरान काफी भावनात्मक उथल-पुथल झेली है और अपने फैसले पर अडिग है। मंजूनाथ सुबह करीब 11.30 बजे लौटा और नयना के घर के बाहर खुदकुशी कर ली। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मंजूनाथ की मां नंजम्मा ने नयना, उसके माता-पिता और उसकी बहन पर अपने बेटे की मौत के लिए जिम्मेदार होने का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

उसने गलत साजिश का आरोप लगाया और अपने बेटे को भावनात्मक रूप से प्रताड़ित करने के लिए उन पर आरोप लगाया। ज्ञानभारती पुलिस ने सार्वजनिक लड़ाई में शामिल होकर सार्वजनिक शांति भंग करने के लिए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 194 के तहत मामला दर्ज किया है। जांच चल रही है।

माइक्रोफाइनेंस कंपनियों की मनमानी से निपटने में मौजूदा कानून अप्रभावी: परमेश्वर

कांग्रेस सरकार कानून में संशोधन करेगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
माइक्रोफाइनेंस संस्थानों (एमएफआई) द्वारा कथित तौर पर प्रताड़ित किए जाने के कारण आत्महत्या की घटनाओं के बीच, कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में ऐसी कंपनियों की अत्याचारिता से निपटने के लिए मौजूदा कानून प्रभावी नहीं है। बेंगलूरु में मीडिया को संबोधित करते हुए परमेश्वर ने कहा पूरे राज्य में एमएफआई द्वारा उत्पीड़न के बारे में शिकायतें की गई हैं। हमारी जानकारी में आया है कि मौजूदा कानून प्रभावी नहीं हैं। उन्होंने रेखांकित किया कि कांग्रेस सरकार कानून में संशोधन करेगी। परमेश्वर ने आगे कहा बैंक मानदंडों के अनुसार, ऋण की वसूली और उनकी सुरक्षा के लिए एक कानून है। हमें अपने विभाग से रिपोर्ट मिली है कि कानून प्रभावी नहीं हैं और वे इस खतरे को रोकने के लिए कड़े नहीं हैं। उन्होंने बताया कि भविष्य में एमएफआई को विनियमित करने के लिए सख्त कानून बनाने की आवश्यकता है और कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार इस संबंध में कानून बनाने की दिशा में काम करेगी। इस बीच, चल रहे उत्पीड़न के संबंध में, हमने अधिकारियों को कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। वसूली में क्या होता है, लोगों से अंडरटेकिंग लेने के बाद उन्हें लोन दिया जाता है। आप सभी जानते हैं कि अगर आप बैंक से लोन ले रहे हैं, तो वे कई हस्ताक्षर लेते हैं। उन हस्ताक्षरों को लेने का उद्देश्य ग्राहकों को पता नहीं होगा। यह एक प्रतिबद्धता होगी और उस आधार पर, कंपनियां घरों में जाएंगी, छापे मारेंगी, घरों को जब्त करेंगी और अन्य कार्रवाई करेंगी। इस संबंध में कानून के तहत समाधान खोजने की जरूरत है। उन्होंने कहा कानून मंत्री एच.के. पाटिल ने भी इस घटनाक्रम पर ध्यान दिया है और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने भी इस संबंध में बयान दिया है। आने वाले दिनों में मौजूदा कानून में संशोधन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बैठक बुलाई है। हम राज्य में दर्ज मामलों पर चर्चा करेंगे और स्थिति से निपटने के लिए प्रभावी कानून की कमी पर भी चर्चा करेंगे। सूत्रों ने पुष्टि की है कि सिद्धरामैया ने इस मुद्दे पर 25 जनवरी को बेंगलूरु में बैठक बुलाई है। रिपोर्ट बताती है कि राज्य भर के डिप्टी कमिश्नरों के कार्यालयों में माइक्रोफाइनेंस कंपनियों द्वारा उत्पीड़न को रोकने के लिए सरकारी हस्तक्षेप की मांग करने वाली याचिकाओं की बाढ़ आ गई है। केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी, विपक्ष के नेता आर. अशोक और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर एमएफआई पर नियंत्रण खोने का आरोप लगाया था, जिसके कारण कमजोर नागरिकों का व्यापक उत्पीड़न हो रहा है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। नम्मा कर्नाटक जनसेना नेलमंगला द्वारा बसवा देवर मठ में आयोजित सांस्कृतिक हब्बा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत को सम्मानित किया गया। इस मौके पर सेना के अध्यक्ष नरसिंम्हया, विद्यार्थी एवं अन्य लोग मौजूद थे।

गौशालाओं हेतु सहयोग प्रदान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक बेंगलूरु द्वारा गौशालाओं हेतु सहयोग प्रदान किया गया। समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल, अध्यक्ष किरणचंद बोहरा, महामंत्री उगमराज चोपड़ा, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बाफना एवं अशोक नागोरी ने विश्व प्राणी कल्याण मंडल गोत्र द्वारा संचालित भगवान महावीर की रक्षा धाम के संचालक स्वामी दयानंद स्वामी एवं जीवदया गौशाला होसकोटे के संचालक दीपक भंडारी को समिति द्वारा सहयोग राशि के चेक प्रदान किये। अशोक नागोरी ने दयानंदस्वामी द्वारा कानूनी रूप से पशु बलि रुकवाने हेतु किये जा रहे कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पिछले 35 वर्षों में दयानंद स्वामी ने पुलिस विभाग का साथ लेकर पूरे भारत में अबतक लगभग 3 करोड़ से अधिक पशुओं को बलि होने से बचाया है। चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल ने समिति की ओर से सहयोग राशि प्रायोजक समाज गौरव ललित कानूंगा परिवार का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर हेमंत बाफना, अनिल मेहता आदि की उपस्थिति रही।

पंजाब के राज्यपाल ने सुमेरु पर्वत का किया अवलोकन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
वरुर स्थित नवग्रह तीर्थ पर राष्ट्रसंत आचार्य श्री 108 गुणधरनंदी महाराज जी व अन्य पूज्य साधु भगवन्तों के दिव्य सान्निध्य में गत 15 से 26 जनवरी तक आयोजित हो रहे भगवान पार्श्वनाथजी के महा मस्तकाभिषेक समारोह व सुमेरु पर्वत के उद्घाटन समारोह के दौरान पंजाब के राज्यपाल व राजस्थान के कद्दावर नेता गुलाबचंद कटारिया ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस दौरान राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया, धर्मसेन भट्टारक पट्टाचार्य महास्वामी, जैन मिलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र हेगड़े, अनीता कटारिया, महा मस्तकाभिषेक समिति के महामंत्री व समाजसेवी महेन्द्र सिंघी ने आठवें दिन के कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर कटारिया व उनकी धर्म पत्नी अनीता कटारिया का समिति द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर हजारों की संख्या में भक्त उपस्थित थे। कटारिया ने सुमेरु पर्वत का भी अवलोकन किया। राष्ट्रसंत आचार्य ने 405 फीट ऊँचे निर्मित सुमेरु पर्वत के बारे में कटारिया को विस्तृत रूप से बताया।

सूर्य सप्तमी महोत्सव चार फरवरी को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शाकद्वीपीय मग ब्राह्मण समाज के मुख्य आराध्य भगवान भुवन भास्कर का प्राकट्योत्सव सूर्य सप्तमी महामहोत्सव हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी माघ शुक्ला सप्तमी आगामी चार फरवरी को शहर के जे.पी.नगर स्थित सूर्य मंदिर में समाज प्रमुख सुनील शर्मा के नेतृत्व में भव्यरूप से मनाई जायेगी। इस दिन प्रातः भगवान भास्कर का महाभिषेक, सूर्य हवन, वरघोड़ा, भजन संध्या, बहुमान एवं महाप्रसादी का आयोजन होगा। इस वार्षिक महापर्व को लेकर तैयारियां जोरों पर है, जिसमें शुभ मुहूर्त में पत्रिका लेखन कर निमंत्रण पत्रिका वितरण का शुभारंभ हो गया।

प्रेक्षा प्रवाह, शांति एवं शक्ति की ओर कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार टी.दसरहल्ली तेरापंथ महिला मंडल द्वारा स्वस्थ परिवार स्वस्थ समाज के अंतर्गत प्रेक्षा प्रवाह- शांति एवं शक्ति की ओर का आयोजन स्थानीय तेरापंथ भवन में हुआ। जिसका विषय कायोत्सर्ग था- द बेस्ट रेमेडी टू रिलीफ स्ट्रेस। कार्यशाला का शुभारंभ सामूहिक नमस्कार महामंत्र के साथ हुआ। तत्पश्चात प्रेक्षा गीत का संगान किया गया। अध्यक्ष नेहा चावत ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया। मुख्य वक्ता के रूप में प्रेक्षा ध्यान प्रशिक्षक ट्रेनर पूनम दुगड़ ने कायोत्सर्ग का अर्थ बताते हुए इससे होने वाले आध्यात्मिक लाभ व वैज्ञानिक लाभ बताया। इस कायोत्सर्ग से वैराग्य की भावना मतलब आत्मसाक्षात्कार की भावना का लक्ष्य बनाने को कहा। कायोत्सर्ग श्वास से शुरुआत होती हैं जैसे बॉक्स ब्रीथिंग जैसे उदाहरण दिया। जिससे शुरुआत आसानी से कर इस प्रेक्षा की ओर कदम बढ़ाया जा सकता हैं। प्रेक्षा ध्यान ऐप के बारे में भी बताया। तत्पश्चात सम्पूर्ण कायोत्सर्ग (ध्यान) का प्रयोग भी करवाया गया। अंत में महिलाओं को उनका अनुभव पूनम दूगड़ द्वारा पूछा गया। कुशल संचालन मंत्री नम्रता पितलिया ने किया व आभार ज्ञापन कन्या मंडल प्रभारी पूर्णिमा कठोतिया ने व्यक्त किया। इस कार्यशाला में संगठन मंत्री सरोज मारू, कार्यकारिणी इन्द्रा देवी कठोतिया, सुनीता भटेवरा एवं अन्य समाज की महिलाओं ने भी सहभागिता दर्ज कराई।

उत्तर प्रदेश सेवा मंडल का रामोत्सव व अन्नदान सेवा कल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश सेवा मंडल द्वारा अयोध्या में श्री रामलला मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के पहली वर्षगांठ के उपलक्ष्य में रविवार को शहर के गांधी नगर स्थित वैष्णव समाज भवन में राम उत्सव एवं अन्नदान सेवा का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मंडल के अध्यक्ष के.के. दूबे एवं सचिव वी.के. पटेल ने बताया कि गणतंत्र दिवस के दिन राम उत्सव मनाया जाएगा। प्रात: 11.30 बजे से मंडल की ओर से अन्नदान सेवा का कार्यक्रम प्रारंभ होगा। सायंकाल 4 बजे राम दरबार में प्रभु श्री रामलला की पूजा-अर्चना के पश्चात भजन संध्या शुरू होगी, जिसमें मंडल के उपाध्यक्ष एवं भजन गायक प्रवीण मिश्रा एंड पार्टी द्वारा सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। शाम 8 बजे महाप्रसादी के साथ कार्यक्रम सम्पन्न होगा। यह जानकारी उत्तर प्रदेश सेवा मंडल की एक विज्ञप्ति में दी गयी।

श्रीरामुलु का भाजपा छोड़ने का सवाल ही नहीं: राजूगौड़ा

जनार्दन रेड्डी और श्रीरामुलु बचपन से ही अच्छे दोस्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्व विधायक राजूगौड़ा ने कहा कि पूर्व मंत्री बी. श्रीरामुलु भाजपा नहीं छोड़ेंगे और वह कांग्रेस पार्टी में शामिल होने पर भी विचार नहीं करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया है कि वह भाजपा में ही रहेंगे और पार्टी को मजबूत बनाने के लिए काम करेंगे। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि श्रीरामुलु भाजपा के एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में काम करेंगे। मीडिया में ऐसी खबरें हैं कि बी. श्रीरामुलु कांग्रेस में शामिल होंगे। इस पर खूब चर्चा हो रही है। मैंने पहले रामुलु से बात की थी। वह बहुत दुखी थे।

श्रीरामुलु हमारे समाज में एक निर्विवाद नेता हैं। उन्होंने कहा कि इसमें कोई दूसरी बात नहीं है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि किसी ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को गलत संदेश दे दिया। हम सब एक समान ही हैं। जब बात पार्टी नेताओं की आती है तो यह थोड़ा ज्यादा या कम हो जाता है। उन्होंने कहा कि उन्हें शांत रहने को कहा गया था और उन्होंने इस पर सहमति जताई।

जनार्दन रेड्डी और श्रीरामुलु बचपन से ही अच्छे दोस्त हैं। यहां तक कि दोस्तों के बीच भी कभी-कभी झगड़े और मतभेद उत्पन्न हो जाते हैं। वे उस विवाद को स्वयं सुलझा लेंगे। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई जल्द ही सुलझ जाएगी।

उन्होंने कहा कि जब तक पति-पत्नी लड़ते हैं और साथ सोते हैं, उनका झगड़ा जल्दी सुलझ जाता है। पार्टी नेता भी इस बारे में बातचीत कर रहे हैं। दोनों ही पार्टी के नेता हैं और यह व्यक्तिगत लड़ाई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कोई पार्टी विवाद नहीं है। यदि ये दोनों एक हो जाएं तो वह शक्ति है। यदि दोनों अलग-अलग होंगे तो शक्ति नहीं रहेगी। इसलिए, हम सभी उन्हें एकजुट करने के लिए मिलकर काम करेंगे। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से भ्रम में न पड़ने की अपील की। भाजपा में एक ही गुट है। आलाकमान पार्टी के भीतर समस्या को सुलझाने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने सवाल के जवाब में कहा कि यदि यह मतभेद जल्दी सुलझ जाए तो इससे जिला पंचायत और तालुक पंचायत चुनावों में आम कार्यकर्ताओं को लाभ मिलेगा। इससे पहले पूर्व मंत्री बी. श्रीरामुलु ने अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि फिलहाल मेरी पार्टी छोड़ने की कोई योजना नहीं है। अगर ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है तो वह केंद्रीय अधिकारियों के साथ इस पर चर्चा करेंगे और अगला निर्णय लेंगे। इससे पहले उन्होंने कहा था कि यदि पार्टी ने मेरे साथ सही व्यवहार नहीं किया तो मैं अपमान बर्दाश्त नहीं करूंगा। उन्होंने घोषणा की थी कि यदि जरूरत पड़ी तो वे भाजपा छोड़ने को तैयार हैं। इसी बीच गुरुवार को बल्लारी स्थित अपने आवास पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए यह स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा फिलहाल मेरी पार्टी छोड़ने की कोई योजना नहीं है। भाजपा मेरे लिए मां की तरह है। दशकों तक उसने मुझे सबकुछ दिया और मेरा पालन-पोषण किया। उन्होंने कहा कि वह मां-बेटे के रिश्ते को इतनी जल्दी नहीं खोना चाहते। हम भी एक राजनीतिक पृष्ठभूमि वाला परिवार हैं। हम सड़कों से नहीं हैं। मैं 40 वर्षों से राजनीति में हूं और मैंने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। हार-जीत कोई नई बात नहीं है। रेड्डी के इस बयान पर कि उन्होंने बी. श्रीरामुलु का पालन-पोषण किया है, उन्होंने कहा मेरे पीछे कार्यकर्ताओं की एक टीम है। गली जनार्दन रेड्डी झूठ पर किला बनाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोग इतने मूर्ख नहीं हैं कि इस बात पर विश्वास कर लें। मैं बल्लारी या राज्य में किसी के आशीर्वाद से नहीं पला-बढ़ा। मैं बल्लारी में दमनकारी परिवारों के खिलाफ सड़कों पर लड़ते हुए बड़ा हुआ हूं। मैंने पार्टी को जमीनी स्तर से संगठित किया है। उन्होंने कहा कि इसी तरह पार्टी ने मुझे मान्यता दी। भाजपा ने मुझे एक आम आदमी के रूप में पहचाना और आगे बढ़ाया। अगर कुछ नहीं था तो उन्होंने मुझे मोलकालूर और बादामी में एक ही समय में टिकट क्यों दिए? भाजपा जानती है कि श्रीरामुलु की ताकत क्या है। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के भी संपर्क में हूं।

रेणुकास्वामी हत्या मामला

सुप्रीम कोर्ट ने जमानत आदेश पर अभिनेता दर्शन से मांगा जवाब

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को 33 वर्षीय फार्मासिस्ट रेणुकास्वामी की हत्या के मामले में कन्नड़ अभिनेता दर्शन, पवित्रा गौड़ा और पांच अन्य को नोटिस जारी किया। ये नोटिस तब जारी किए गए जब कर्नाटक सरकार ने कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा आरोपियों को दी गई जमानत को चुनौती दी। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने आरोपियों को चार सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। सुनवाई से पहले कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा हमने अपना काम कर दिया है। पुलिस ने अधिवक्ता के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट को संबंधित दस्तावेज और सामग्री सौंप दी है। हम देखेंगे कि कर्नाटक पुलिस की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में क्या फैसला आता है और फिर हम भविष्य की कार्रवाई पर विचार करेंगे। अभिनेता दर्शन और उनकी साथी पवित्रा गौड़ा पर चित्रदुर्ग के फार्मासिस्ट रेणुकास्वामी की हत्या की साजिश रचने का आरोप है। रेणुकास्वामी का शव बेंगलूरु में एक नाले के पास मिला था। पुलिस का आरोप है कि रेणुकास्वामी ने पवित्रा गौड़ा को अपमानजनक संदेश भेजे थे, जिसके कारण कथित साजिश रची गई। 13 दिसंबर को कर्नाटक उच्च न्यायालय ने दर्शन, पवित्रा और पांच अन्य सह-आरोपियों को जमानत दे दी। एकल न्यायाधीश के रूप में अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति एस विश्वजीत शेट्टी ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपियों को गिरफ्तारी के विशिष्ट आधार प्रदान करने में विफल रहा है। प्रबीर पुरकायस्थ मामले से सुप्रीम कोर्ट के एक उदाहरण का हवाला देते हुए न्यायमूर्ति शेट्टी ने गिरफ्तारी के आधार और कारणों के बीच अंतर पर जोर दिया। रेणुकास्वामी हत्या मामले में, उच्च न्यायालय ने कहा कि सभी आरोपियों को गिरफ्तारी के समान आधारों के विलंबित प्रावधान ने निष्पक्ष बचाव और जमानत आवेदनों के लिए आवश्यक मामले-विशिष्ट विवरणों की आवश्यकता को पूरा नहीं किया।

कर्नाटक सरकार ने 6 जनवरी को जमानत आदेश को चुनौती देते हुए सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया। दर्शन को नियमित जमानत मिलने से पहले सर्जरी कराने के लिए अंतरिम चिकित्सा जमानत पर रिहा किया गया था।

वन क्षेत्रों में फिल्मांकन के लिए सरकारी अनुमति लेना अनिवार्य: मंत्री ईश्वर खंड्रे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पर्यावरण मंत्री ईश्वर खंड्रे ने कहा कि कर्नाटक के वनों में फिल्मांकन शुरू करने से पहले सरकारी अनुमति लेना अनिवार्य है। वन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को 20 जनवरी को लिखे पत्र में खंड्रे ने कहा है कि वन क्षेत्रों में फिल्मांकन की किसी भी गतिविधि, जिसमें फिल्में, वृत्तचित्र और टेलीविजन धारावाहिक शामिल हैं, के लिए सरकारी अनुमति लेना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि फिल्मांकन की अनुमति देने से पहले संबंधित उप वन संरक्षण अधिकारी (डीसीएफ) द्वारा निर्धारित शुल्क लिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हाल ही में यह देखा गया है कि स्थानीय स्तर के अधिकारी अनुमति दे रहे हैं। उन्होंने कहा इससे वन क्षेत्रों के बारे में गोपनीय जानकारी सार्वजनिक होने की संभावना है और इससे पर्यावरण और जैव विविधता को खतरा है। मंत्री ने फिल्म क्रू द्वारा फिल्मांकन के दौरान कथित रूप से वन भूमि का दुरुपयोग करने की पृष्ठभूमि में यह आदेश जारी किया है। खंड्रे ने कहा कि इस सप्ताह की शुरुआत में कंतारा चैप्टर 1 के फिल्म क्रू ने हासन जिले के सकलेशपुर में हेरुरू गांव के गवी बेट्टा और येसलूर रेंज के आसपास के इलाकों में फिल्मांकन के दौरान शूटिंग की शर्तों का कथित तौर पर उल्लंघन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले साल यश-स्टारर टॉक्सिक के निर्माताओं ने पीन्या में हिंदुस्तान मशीन टूल्स (एचएमटी) परिसर में वन भूमि पर सैकड़ों पेड़ों को काट दिया था।

मल्लिकार्जुन खड़गे का केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से आग्रह

कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय के लिए महत्वपूर्ण प्रस्तावों को तेजी से आगे बढ़ाया जाए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मांग की कि वे कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय, कलबुर्गी से संबंधित महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी देने में तेजी लाएं, जो वर्तमान में केंद्र के समक्ष लंबित हैं। मंत्री को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय न केवल कलबुर्गी और कल्याण कर्नाटक क्षेत्र के सात जिलों के छात्रों के लिए बल्कि पूरे कर्नाटक और पड़ोसी राज्यों के कई क्षेत्रों के छात्रों के लिए शिक्षा का केंद्र है। राज्यसभा में विपक्ष के नेता खड़गे ने कहा कि विश्वविद्यालय शैक्षिक असमानताओं को दूर करने और विकास के अवसरों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि ऐसे संस्थानों के विकास और वृद्धि के लिए केंद्र सरकार के निरंतर वित्तीय और संस्थागत समर्थन की आवश्यकता होती है, खड़गे ने कहा कि नए स्नातकोत्तर विभागों, शिक्षण पदों और हेफा फंडिंग प्रस्ताव की मंजूरी जो विश्वविद्यालय और क्षेत्र की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण हैं, भारत सरकार से मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। पत्र में खड़गे ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने सांख्यिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग, पादप और पशु विज्ञान, आनुवंशिकी और जीनोमिक्स, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान, और बीए/एलएलबी कार्यक्रम सहित विभिन्न स्नातकोत्तर विभागों की स्थापना की सिफारिश की है। मामला फिलहाल विचाराधीन है। उन्होंने कहा प्रस्तावित विभागों को चालू करने के लिए 55 शिक्षण पदों की मंजूरी जरूरी है। यह प्रस्ताव भी प्रक्रिया के अंतिम चरण में है और मंजूरी का इंतजार कर रहा है। खड़गे ने यह भी उल्लेख किया कि विश्वविद्यालय ने अन्य आवश्यक बुनियादी ढांचे के साथ-साथ लड़कों और लड़कियों के लिए छात्रावासों के निर्माण के लिए उच्च शिक्षा वित्तपोषण एजेंसी के तहत एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। यह मामला भी विचाराधीन है। उन्होंने कहा कल्याण कर्नाटक क्षेत्र के विकास के लिए इन पहलों के महत्व और वंचित और अविकसित क्षेत्रों के छात्रों पर उनके महत्वपूर्ण प्रभाव को देखते हुए, मैं आपसे इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने का अनुरोध करता हूं। मैं आपसे संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर उक्त प्रस्तावों के अनुमोदन में तेजी लाने और उनका पालन करने का निर्देश देने का आग्रह करता हूं।

कर्नाटक में एक और प्रसूति की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के अथानी तालुक अस्पताल में बच्चे को जन्म देने के बाद एक महिला की मौत हो गई। मुथव्वा संतोष गोलासांगी (21) की सिजेरियन ऑपरेशन के बाद भारी रक्तस्राव के कारण मौत हो गई। उसकी डिलीवरी 31 जनवरी को होनी थी। लेकिन डॉक्टरों ने उसके रक्तचाप में उतार-चढ़ाव का हवाला देते हुए डिलीवरी की तारीख आगे बढ़ा दी। उसके परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया है कि डॉक्टरों की लापरवाही के कारण उसकी मौत हुई। प्रसव के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उसे बहुत तकलीफ हो रही थी और डॉक्टरों ने उसे दूसरे अस्पताल ले जाने की सलाह दी। लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि शव को परिवार को सौंप दिया गया है।

कन्नड़ के संघर्ष में सारा गोविंदु की भूमिका यादगार: मंत्री शिवराज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग के मंत्री शिवराज थंगदागी ने राष्ट्रभाषा और भूजल की रक्षा में कन्नड़ समर्थक संगठनों के संघर्ष की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे संगठनात्मक कार्यों में सारा गोविंदु की भूमिका अमूल्य है। कन्नड़ नायक डॉ. राजकुमार के प्रशंसक संघ के अध्यक्ष सा. रागोविन्दु के अभिनंदन समारोह के अवसर पर शहर के रवींद्र कलाक्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि अभिनेता डॉ. राजकुमार देश की अद्भुत ताकत हैं। अपने नाम पर किसी संगठन का नेतृत्व करना एक साहसिक कार्य है।

उन्होंने कहा कि सारा गोविंदु ने उस जिम्मेदारी को सफलतापूर्वक संभाला है। सारा गोविंदु लगातार सभी संगठनों को एकजुट करके कन्नड़ के लिए लड़ रही हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. राजकुमार को गोकाक आंदोलन में लाने में सा.रा. गोविंदु की भूमिका महत्वपूर्ण थी। राज्य का नाम कर्नाटक रखे हुए 50 वर्ष हो गये हैं। यह आयोजन पूरे वर्ष मनाया जाता है।

रायचूर में आयोजित एक कार्यक्रम में गोकाक आंदोलन में भाग लेने वालों को सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि वह इस अवसर पर देश के कल्याण के लिए काम करने वाले सभी सेनानियों को बधाई देना चाहते हैं। कार्यक्रम में सा.रा. गोविंदु, वरिष्ठ लेखक बरगूरू रामचंद्रप्पा, अभिनंदन समिति के मानद अध्यक्ष के.सी. राममूर्ति, महासचिव सी.के. रामेगौड़ा और अन्य लोग मौजूद थे।

कार्यक्रम के तहत सुबह लालबाग के पश्चिमी द्वार से रवींद्र कलाक्षेत्र तक पूर्ण कुंभ स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। जुलूस में विभिन्न लोक कला समूहों, प्रशंसकों, ऑटो चालक संघों और विभिन्न कन्नड़ समर्थक संगठनों ने भाग लिया। इस अवसर पर फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष नरसिम्हा सहित फिल्म उद्योग के वरिष्ठ अभिनेता और कलाकार तथा कन्नड़ संगठनों के सदस्य उपस्थित थे। रवींद्र कलाक्षेत्र के परिसर में फिल्म उद्योग में सारा गोविंदु के संघर्ष और उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाली एक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों की समीक्षा करें राज्यपाल: अरुण शाहपुर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्व विधान परिषद सदस्य अरुण शाहपुर ने मांग की है कि सभी विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम की समीक्षा की जाए। राज्यपाल को विश्वविद्यालयों के समग्र पाठ्यक्रम की समीक्षा करने के लिए इस पर एक रिपोर्ट लानी चाहिए। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने मांग की कि उच्च शिक्षा परिषद विवादास्पद विषय-वस्तु वाले पाठों की समीक्षा करे। विवादास्पद तत्वों वाले ग्रंथों के माध्यम से समाज को विभाजित करने वाली मानसिकताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि आपराधिक मामला दर्ज किया जाए।

कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ से बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के लेख संग्रह की कन्नड़ पाठ्यपुस्तक में, रामलिंगप्पा टी. बेगुरू के लेखों में राष्ट्रवाद के अभ्यास के परिवेश विषय का उल्लेख है। उन्होंने बताया कि इसमें अत्यधिक विवादास्पद तत्व शामिल थे। लेखक ने इसमें बहुत पूर्वाग्रही विचारों को शामिल किया है। राष्ट्रवाद के आचरण के इर्द-गिर्द विषय के अंतर्गत, उन्होंने स्वयं राष्ट्रवाद को बदनाम करने का काम किया है। उन्होंने हिंदुओं को गलत रूप में चित्रित किया है और कहा कि भारत माता एक मिथक है। उन्होंने यह भी बताया कि वह एक काल्पनिक मां थी जो हिंदू थी। उन्होंने बोलो भारत माता की जय नारे का विरोध करने के लिए भी उनकी आलोचना की।

अरुण शाहपुर ने कहा कि यह विश्वविद्यालय में बौद्धिक आतंकवाद है, और पूछा कि पुलिस ने अब तक इस मामले में मामला क्यों नहीं दर्ज किया है? उनके खिलाफ कार्रवाई करें। उन्होंने मांग की कि विश्वविद्यालय पाठ्यपुस्तक वापस करने के लिए कार्रवाई करे। उन्होंने कुलाधिपति, राज्यपाल से अपील की कि यदि सरकार ने कार्रवाई नहीं की है तो वे कार्रवाई करें। उन्होंने कई ऐसी बातें कही हैं जो संविधान की मंशा के विपरीत हैं। उन्होंने भारत माता और माता भुवनेश्वरी (कन्नड़ अम्मन) के बारे में बुरी बातें कही हैं। इसे सांप्रदायिकता के रूप में चित्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि यह इस बात का सबूत है कि विश्वविद्यालय द्वारा पाठ्यपुस्तक का दुरुपयोग किया जा रहा है। राज्य के मुख्यमंत्री और उच्च शिक्षा मंत्री को वर्तमान पाठ्य पुस्तकों की समीक्षा करनी चाहिए। उन्होंने पूछा कि राज्य में उच्च शिक्षा परिषद क्यों है और उसने पाठ की विवादास्पद सामग्री पर प्रतिक्रिया क्यों नहीं दी है। उन्होंने कहा कि युवा मन में शिक्षा की ऐसी विकृति भरी जा रही है, जो खतरनाक है। इसमें भाषाई क्षेत्रों की संरचना पर प्रश्न उठाया गया है। उन्होंने खुद को विभाजनकारी मुद्दों के लिए समर्पित कर दिया है। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म की काल्पनिक राष्ट्रीय प्रभुता भी वह कारण है जिसके कारण हाल ही में भारत में मुसलमान कर्मठ बन गए हैं, और उन्होंने शिकायत की कि उन्होंने युवा मन में यह बात बैठाने का काम किया है। उन्होंने उसके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की। पूर्व विधान परिषद सदस्य कैप्टन गणेश कार्णिक ने इस विषय पर बोलते हुए आपत्ति जताई कि इस लेख से अलगाव और घृणा की भावना भड़क रही है। लेखक के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि इस लेख को यथाशीघ्र पाठ्यक्रम से हटा दिया जाए। प्रेस कॉन्फ्रेंस में विधान परिषद सदस्य हनुमंत निरानी भी मौजूद थे।

रायचूर की महिला ने परमेश्वर को भेजा मंगलसूत्र, पति के लिए मांगा न्याय

माइक्रोफाइनेंस कंपनी के कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

रायचूर/शुभ लाभ ब्यूरो।

आत्महत्या करने वाले एक व्यक्ति की पत्नी ने गुरुवार शाम को गृह मंत्री जी. परमेश्वर को अपना मंगलसूत्र भेजा, जिसमें एक माइक्रोफाइनेंस कंपनी के कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है, जिन्होंने कथित तौर पर उसके पति को आत्महत्या करने के लिए मजबूर किया। मंगलसूत्र विवाहित हिंदू महिलाओं द्वारा पहना जाने वाला पवित्र धागा है, जो उनकी वैवाहिक स्थिति और उनके पति के साथ बंधन का प्रतीक है। विधवा पार्वती ने दावा किया है कि माइक्रोफाइनेंस कंपनी के कर्मचारियों ने उसके पति शरणबसवा को परेशान और प्रताड़ित किया, जिसके कारण उनकी मौत हो गई। उसने जिम्मेदार लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय संगठन भी उसके समर्थन में आगे आए हैं। उन्होंने रायचूर जिले के पुलिस अधीक्षक से भी मुलाकात की और घटना के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा। शरणबसवा ने कथित तौर पर 17 जनवरी को रायचूर जिले के मानवी शहर के पास कपागल गांव में जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी। उनके परिवार ने आरोप लगाया कि माइक्रोफाइनेंस कंपनी के कर्मचारियों द्वारा उन्हें रोजाना परेशान

किया जाता था। मृतक कैब चालक और मजदूर के रूप में काम करता था, उसने निजी माइक्रोफाइनेंस कंपनियों से 8 लाख रुपये का ऋण लिया था। कुछ ईएमआई का भुगतान करने में असमर्थ होने के कारण, उसे कथित तौर पर उनके कर्मचारियों द्वारा परेशान किया गया था। स्थानीय लोगों ने कहा कि माइक्रोफाइनेंस ऋणदाताओं द्वारा इसी तरह के उत्पीड़न के कारण क्षेत्र के कई व्यक्ति फरार हैं। माइक्रोफाइनेंस कंपनियों द्वारा उत्पीड़न के मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए, गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने गुरुवार को उडुपी में कहा कि माइक्रोफाइनेंस कंपनियां ग्राहकों पर दबाव बना रही हैं, शारीरिक हमला कर रही हैं और संपत्तियों को जब्त कर रही हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि ऐसी हरकतों के लिए कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। अगर पुलिस में शिकायत दर्ज की जाती है, तो कार्रवाई की जाएगी। केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार से इस मामले में उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया है। सूत्रों ने पुष्टि की है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने 25 जनवरी को बेंगलूरु में इस मुद्दे पर एक बैठक बुलाई है। रिपोर्ट बताती है कि राज्य भर के डिप्टी कमिश्नरों के कार्यालयों में माइक्रोफाइनेंस कंपनियों द्वारा उत्पीड़न को रोकने के लिए सरकारी हस्तक्षेप की मांग करने वाली याचिकाओं की बाढ़ आ गई है। अकेले बेलगावी जिले में 2.71 लाख आवेदन जमा किए गए हैं। महत्वपूर्ण याचिका संख्या वाले अन्य जिलों में बागलकोट (89,037), विजयपुरा (75,000), मांड्या (42,500), गदग (41,116), धारवाड़ (36,489), रामनगर (33,326), हासन (24,556) और चिक्काबल्लापुर (22,054) शामिल हैं। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा सांसद बसवराज बोम्मई ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर माइक्रोफाइनेंस संस्थानों (एमएफआई) पर नियंत्रण खोने का आरोप लगाया है, जिससे कमजोर नागरिकों का व्यापक उत्पीड़न हो रहा है।

माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के बारे में पूरी जानकारी नहीं

इस बीच, कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने पहले इस मुद्दे को स्वीकार करते हुए कहा कि वित्त विभाग को उचित लाइसेंस के बिना काम करने वाले एमएफआई के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। परमेश्वर ने कहा हमें राज्य में बिना लाइसेंस वाली माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के बारे में पूरी जानकारी नहीं है, लेकिन वित्त विभाग को हस्तक्षेप करना चाहिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रभावित लोगों की शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई और जांच की जाएगी। मंत्री ने एमएफआई उत्पीड़न से जुड़ी हाल की घटनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा तुमकुरु जिले के टिपटूर शहर में एक महिला ने एमएफआई द्वारा उत्पीड़न के कारण आत्महत्या कर ली। तुमकुरु और उसके आसपास भी इसी तरह के मामले सामने आए हैं। हमने मामले दर्ज किए हैं और कानूनी कार्रवाई शुरू की है। परमेश्वर ने निवारक उपायों की आवश्यकता पर जोर दिया, लेकिन स्वीकार किया कि सक्रिय निगरानी चुनौतीपूर्ण है।

कर्नाटक कांग्रेस में कोई गुटबाजी नहीं

मेरे और उपमुख्यमंत्री शिवकुमार के बीच कोई मतभेद नहीं: सिद्धरामैया

चित्रदुर्ग/शुभ लाभ ब्यूरो।

कांग्रेस पार्टी में अंदरूनी कलह की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि उनकी पार्टी में कोई गुटबाजी नहीं है और उनके और उपमुख्यमंत्री शिवकुमार के बीच कोई मतभेद नहीं है। चित्रदुर्ग जिले के हिरियूर कस्बे में वाणीविलास जलाशय में बगिना चढ़ाने के बाद आयोजित एक समारोह में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा मैं और शिवकुमार यहीं साथ हैं। पार्टी में कोई खेमेबाजी नहीं है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार पांच साल का अपना कार्यकाल पूरा करेगी और 2028 में फिर से सत्ता में आएगी। भाजपा में अंदरूनी कलह का जिक्र करते हुए सिद्धरामैया ने आरोप लगाया कि भाजपा पार्टी में और भी गुटबाजी है। उन्होंने कहा हमारी पार्टी में कोई गुटबाजी नहीं है। भाजपा के सदस्य आपस में झगड़ रहे हैं। कांग्रेस एकजुट है और कर्नाटक में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार स्थिर है। उन्होंने दावा किया कि हम पांच साल तक शासन करेंगे और 2028 में विधानसभा चुनाव जीतकर सत्ता में वापस आएंगे। सिद्धरामैया ने सिंचाई पर सरकार के फोकस पर भी जोर दिया। उन्होंने रेखांकित

किया कि 1,274 करोड़ रुपये की योजना कार्यान्वयन के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि एक बार लागू होने के बाद यह योजना सुनिश्चित करेगी कि क्षेत्र के अंतिम एकड़ खेत तक पानी पहुंचे। भाजपा पर कटाक्ष करते हुए सिद्धरामैया ने कहा कि भाजपा सांसद गोविंद करजोल ने ऊपरी भद्रा परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना बनाने के बारे में खोखले वादे किए लेकिन बाद में लोगों को धोखा दिया। उन्होंने आरोप लगाया भले ही केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट में परियोजना के लिए 5,300 करोड़ रुपये की घोषणा की हो, लेकिन एक भी रुपया जारी नहीं किया गया है। यह केंद्र सरकार और भाजपा द्वारा लोगों के साथ विश्वासघात है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय वित्त मंत्री को परियोजना के लिए 5,300 करोड़ रुपये जारी करके अपना वादा पूरा करने की चुनौती भी दी। भाजपा के विपरीत, जो लोगों को खोखले शब्दों से धोखा देती है, हम अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करते हैं। उन्होंने दावा किया कि हमारी सरकार ने पांच गारंटी को सफलतापूर्वक लागू किया है और गरीब तथा मध्यम वर्ग के नागरिकों का विश्वास जीता है। वाणीविलास जलाशय के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कर्नाटक में बना पहला बांध है, जिसका इतिहास 115 साल पुराना है। उन्होंने कहा महारानी केंपराजमन्नी के शासनकाल में उनके आभूषण बेचकर तथा 45 लाख रुपये खर्च करके बनाया गया यह बांध अब 30,000 एकड़ कृषि भूमि की सिंचाई करता है। हम उनकी दूरदर्शिता तथा बलिदान को याद करते हैं तथा उनके प्रति आभार व्यक्त करते हैं।

26 जनवरी गणतंत्र दिवस के मद्देनजर बेंगलूरु में सुरक्षा बढ़ाई

विभिन्न सड़कों पर यातायात प्रतिबंध

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गणतंत्र दिवस पर बेंगलूरु के माणिक शाह परेड ग्राउंड में कार्यक्रम होने हैं, इसलिए शहर में विभिन्न मार्गों पर वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है और अन्य मार्गों पर पार्किंग की अनुमति दी गई है। राज्यपाल 26 जनवरी को सुबह 9 बजे ध्वजारोहण करेंगे। पत्रकारो से वार्ता में बेंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने कहा कि इस बार गणतंत्र दिवस के लिए सभी तैयारियां कर ली गई हैं।

राज्योत्सव को बिना किसी परेशानी के मनाने की तैयारी की गई है। सुरक्षा के लिए 8 डीसीपी, 17 एसीपी, 44 पीआई, 114 पीएसआई, 58 एएसआई, 80 कर्मचारी और 30 कैमरा क्रू समेत कुल 1051 अधिकारी तैनात रहेंगे। सुरक्षा के लिए 10 केएसआरपी दस्ते, 2 दमकल गाड़ियां और एक रैपिड एक्शन टीम होगी। मैदान के चारों ओर 103 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। पास वितरित

किए जाएंगे और रंग कोड के जरिए प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। कार्यक्रम में आने वालों को गुलाबी रंग के पास दिए जाएंगे। वीआईपी पास गेट-2 से प्रवेश कर सकते हैं। मुख्य अतिथि और गणमान्य व्यक्ति गेट-3 से प्रवेश कर सकते हैं। गेट-4 पर सफेद पास दिए जाते हैं, जहाँ मीडियाकर्मियों को प्रवेश की अनुमति है। 26 जनवरी को सुबह 8.30 बजे से 10.30 बजे तक कब्बन रोड, कामराज रोड और बीआरवी रोड पर वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित कर दिया गया है। शहर की यातायात पुलिस ने वैकल्पिक सड़कों का उपयोग करने का निर्देश दिया है। सेंट्रल स्ट्रीट, अनिल कुंबले सर्किल, शिवाजीनगर बस स्टैंड, कब्बन रोड, सीटीओ सर्किल से के.आर. रोड, कब्बन जंक्शन, एम.जी. रोड, अनिल कुंबले सर्किल से क्वींस सर्किल तक पार्किंग प्रतिबंधित है।

राम सेना द्वारा सैलून पर हमला करने का मामला

एमसीसी उल्लंघनों की जांच के लिए टीमें बनाएगी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मेयर मनोज कुमार ने कहा है कि मेंगलूरु सिटी कॉरपोरेशन (एमसीसी) शहर की सीमा में सैलून और ब्यूटी पार्लरों द्वारा लाइसेंस के उल्लंघन का निरीक्षण करने के लिए अधिकारियों की टीमें गठित करेगा।

यह राम सेना नेता प्रसाद अत्तावर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं द्वारा 23 जनवरी को बेजई में केएसआरटीसी बस स्टैंड के पास एक यूनिसेक्स सैलून कलर्स में घुसने और फर्नीचर को नुकसान पहुंचाने, कांच तोड़ने, महिला कर्मचारियों पर हमला करने और उन्हें धमकी देने के बाद आया है। मेयर ने कहा कि अधिकांश सैलून, ब्यूटी पार्लर, स्पा, मसाज सेंटरों ने शहरी स्थानीय निकाय से लाइसेंस प्राप्त किया है। यह सत्यापित करना हमारा कर्तव्य है कि अवैध गतिविधियों में शामिल होकर लाइसेंस की शर्तों का कोई उल्लंघन हुआ है या नहीं। अधिकारियों की टीम दस्तावेजों का सत्यापन करेगी और परिसर की

जांच करेगी कि लाइसेंस की शर्तों का पालन किया गया है या नहीं। उन्होंने कहा कि सैलून और ब्यूटी पार्लर के नाम पर अवैध गतिविधियों के खिलाफ पुलिस को कार्रवाई करनी होगी। अधिकारी इस बात की जांच करेंगे कि लाइसेंस किस उद्देश्य से जारी किया गया था। क्या लाइसेंस धारक लाइसेंस का उल्लंघन कर रहे हैं? अगर टीमों के दौरे के दौरान कोई उल्लंघन पाया गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि 2017 में मेंगलूरु की मेयर के तौर पर कविता सानिल ने कई अवैध मसाज सेंटर, स्किल गेम सेंटर पर छापेमारी की थी और उन्हें सील कर दिया था। मासिक फोन-इन कार्यक्रम के दौरान बॉन्डेल से एक कॉलर ने कहा कि इलाके में एक होमस्टे चल रहा है और इससे निवासियों को असुविधा हो रही है, जिस पर मेयर ने कहा कि अधिकारी इस मुद्दे पर गौर करेंगे। मेयर ने कहा कि एमसीसी केवल होमस्टे के लिए बिल्डिंग लाइसेंस जारी करती है। अन्य लाइसेंस और मंजूरी पर्यटन विभाग द्वारा जारी की जाती है।

धोखाधड़ी में माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के कर्मचारियों की संलिप्तता की जांच होगी: जारकीहोली

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

लोक निर्माण विभाग और जिला प्रभारी मंत्री सतीश जारकीहोली ने कहा कि ऋण लेने वालों के साथ धोखाधड़ी में कर्मचारियों और

बिचौलियों की संलिप्तता की भी जांच की जाएगी। जारकीहोली ने शुक्रवार को यहां संवाददाताओं से कहा कि माइक्रोफाइनेंस कंपनियों से ऋण लेने वालों में से कई ने शिकायत की है कि बिचौलियों ने 50 प्रतिशत सब्सिडी का आश्वासन देकर उन्हें धोखा दिया, जो कि थी ही नहीं। अब उन्हें ऋण चुकाने के लिए परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दो घटनाएं मेरे संज्ञान में आई हैं, जिनमें से एक में यमनापुर के पास एक महिला ने उत्पीड़न सहन न कर पाने के कारण आत्महत्या कर ली और दूसरे मामले में एक युवा मां को एक शिशु के साथ बेलगावी के तारिहाल में घर से निकाल दिया गया। जारकीहोली ने कहा पुलिस ने धोखाधड़ी के मामलों की जांच शुरू कर दी है। ऋण की वसूली और उत्पीड़न अलग-अलग चीजें हैं। अगर उत्पीड़न की शिकायत मिलती है, तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। यह पूछे जाने पर कि भाजपा नेता बी श्रीरामुलु को उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार द्वारा कांग्रेस में शामिल करने का प्रलोभन दिया जा रहा है, जारकीहोली ने कहा मुझे घटनाक्रम की जानकारी नहीं है और मुझे बेंगलूरु में इसकी कुछ भनक लगी है।

कर्नाटक में मुस्लिम समूह धर्म आधारित बजट की मांग कर रहे: भाजपा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा ने मुस्लिम समुदाय के नेताओं और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के बीच हुई बैठक पर गंभीर आपत्ति जताई है, जिसमें प्रतिनिधिमंडल ने अल्पसंख्यकों के लिए बजटीय आवंटन बढ़ाने की मांग की थी। भाजपा का आरोप है कि इस तरह की मांगें धर्म आधारित बजट बनाने के समान हैं। भाजपा के राष्ट्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख और पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस कदम की आलोचना की।

उन्होंने कहा इस तरह के मुस्लिम दावे और धर्म आधारित मांगों के कारण 1947 में धार्मिक आधार पर भारत का विभाजन हुआ। हम इसे दोबारा बर्दाश्त नहीं कर सकते।

अमित मालवीय ने कहा मंत्री रहीम खान, जमीर अहमद खान

और मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव नसीर अहमद सहित मुस्लिम समुदाय के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से मुलाकात की और राज्य के बजट में अल्पसंख्यकों के लिए धन बढ़ाने का अनुरोध किया। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के एक बयान का हवाला देते हुए मालवीय ने आरोप लगाया पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, जिन्होंने 10 साल तक कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार का नेतृत्व किया था, ने कहा था कि भारत के संसाधनों पर मुसलमानों का पहला अधिकार है। कर्नाटक में मुस्लिम समुदाय अब कांग्रेस का समर्थन करने के बदले में अपना हिस्सा मांग रहा है। मालवीय ने इसे अल्पसंख्यकों के तुष्टीकरण का खुला प्रदर्शन बताया। वक्फ और आवास मंत्री जमीर अहमद खान के कार्यालय ने कथित तौर पर मीडिया को बैठक का विवरण प्रसारित किया। भाजपा और जद (एस) ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार पर अल्पसंख्यकों के तुष्टीकरण और हिंदुओं को दरकिनार करने का आरोप लगाया है। हालांकि, कांग्रेस अपने आवंटन का बचाव करते हुए तर्क देती है कि उनका उद्देश्य कल्याण और विकास है। 2024-25 के राज्य बजट में, कांग्रेस सरकार ने मुस्लिम समुदाय के कल्याण के लिए 3,000 करोड़ रुपये आवंटित किए, जिसकी विपक्षी दलों ने आलोचना की। तुष्टीकरण के आरोपों का जवाब देते हुए उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा 3.71 लाख करोड़ रुपये के बजट में, क्या हम मुसलमानों के लिए 1 प्रतिशत भी आवंटित नहीं कर सकते? हमने स्कूलों और विकास के लिए 3,000 करोड़ रुपये प्रदान किए हैं। इसमें क्या गलत है? आगे की बात करें तो मुख्यमंत्री सिद्धरामैया मार्च में 2025-26 का बजट पेश करने वाले हैं, जिसके 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने की उम्मीद है। यह वित्त मंत्री के रूप में सिद्धरामैया का 16वां बजट होगा।

ऋण विवाद को लेकर यक्षगान कलाकार पर हमला

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक यक्षगान कलाकार पर तीन व्यक्तियों द्वारा कथित रूप से ऋण चुकाने में विफल रहने पर शारीरिक हमला करने के बाद पदुबिद्री पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। पीड़ित, ससिहितलु मेला के नितिन कुमार, पदुबिद्री के निवासी हैं। आरोपियों में उदयवारा के सचिन अमीन, उनके पिता कुशलन्ना और एक अन्य फाइनेंसर शामिल हैं। सचिन और नितिन दोनों यक्षगान कलाकार हैं और कथित तौर पर दोस्त थे। विवाद तब हुआ जब नितिन कथित रूप से सचिन से लिया गया ऋण चुकाने में विफल रहा। 21 जनवरी को, आरोपी - सचिन, जो पहले पावंजे मेला से जुड़ा था, ने अपने पिता और एक फाइनेंसर के साथ उदयवार में एक घर में नितिन पर हमला किया। हमला कंबाला आयोजनों में इस्तेमाल होने वाली एक पट्टी का उपयोग करके किया गया था,

जिससे नितिन की पीठ, सिर और पैरों में चोटें आईं। आरोप है कि उन्होंने नितिन को एक खाली बॉन्ड पेपर पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया और उसे लात-घूंसों और थप्पड़ों से पीटा। बाद में उस शाम, आरोपियों ने कथित तौर पर नितिन को पदुबिद्री वापस भेज दिया। चोटों के बावजूद, नितिन ने 21 जनवरी की रात को पुत्तूर में एक यक्षगान कार्यक्रम में प्रदर्शन किया। 22 जनवरी को, उन्होंने पदुबिद्री के एक निजी अस्पताल में इलाज करवाया और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। घटना की जांच चल रही है।

आपा सरकार को दिल्ली हाईकोर्ट का सख्त निर्देश

दिल्ली के दंगा पीड़ितों को शीघ्र दें मुआवजा

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

दिल्ली दंगों के पीड़ितों को जल्द से जल्द मुआवजा दिलाने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार को निर्देश दिए हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि क्लेम कमीशन की सिफारिश के मुताबिक दिल्ली सरकार उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के पीड़ितों को सहायता राशि जारी करे। 20 याचिकाओं के समूह का यह मामला जस्टिस सचिन दत्ता की पीठ के समक्ष सुना गया। इसमें याचिकाकर्ताओं ने दंगा पीड़ितों की सहायता के लिए सहायता योजना के अनुसार मुआवजा मांगा गया था। कुछ याचिकाकर्ता इसमें बढ़ाकर मुआवजा देने की मांग भी कर रहे थे।

15 जनवरी को इन याचिकाओं के बाबत कोर्ट को जानकारी देते हुए बताया गया कि उत्तर-पूर्वी दंगा दिल्ली आयोग ने बैच में से 14 याचिकाओं के संबंध में दावों के संबंध में सिफारिशें की हैं। अदालत को ये भी बताया गया कि उत्तर-पूर्वी दंगा दिल्ली आयोग द्वारा निर्धारित और अनुशंसित राशि याचिकाकर्ताओं के हक की राशि का एक अंश थी। फिर भी जल्द से जल्द अनुशंसित राशि जारी करने के लिए दिल्ली सरकार को निर्देश जारी किए जाने चाहिए।

हाईकोर्ट में जब दिल्ली सरकार के वकील द्वारा इस मांग का विरोध नहीं किया गया तो अदालत ने इस संबंध में आदेश पारित किया।

कोर्ट ने कहा कि प्रतिवादी नंबर 2 यानी दिल्ली सरकार को वर्तमान मामलों के समूह में याचिकाकर्ताओं के लिए उत्तर पूर्व दंगा दिल्ली आयोग द्वारा अनुशंसित राशि जारी करने का निर्देश दिया जाता है।

यह आदेश यह सुनिश्चित करता है कि मुआवजे की राशि याचिकाकर्ताओं के अधिकारों और तर्कों को ध्यान में रखते हुए दी जाएगी। इस मामले की अगली सुनवाई 29 मई को होगी। इससे पहले, अदालत ने स्पष्ट किया था कि वह कोई नई योजना नहीं बनाएगी, बल्कि केवल यह देखेगी कि क्या दिल्ली सरकार ने पहले से बनाई गई योजना के अनुसार काम किया है या नहीं।

गौरतलब है कि दिल्ली के उत्तर पूर्वी इलाके में साल 2020 में हिंदू विरोधी दंगे हुए थे। इस दौरान 53 लोगों की मौत हुई थी। पुलिस की जांच में सामने आया था कि ये दंगा पूर्व नियोजित था। दंगों को लेकर करीबन 750 एफआईआर दर्ज हुई थी और कई आरोपी गिरफ्तार हुए थे। ताहिर हुसैन उन्हीं आरोपियों में से एक है।

टीडीएस के खिलाफ दाखिल याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट जाने को कहा

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स (टीडीएस) के खिलाफ दाखिल याचिका खारिज कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट जाने की सलाह दी है। वरिष्ठ वकील और भाजपा नेता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने टीडीएस के खिलाफ जनहित याचिका दाखिल की थी। अपनी याचिका में उपाध्याय ने टीडीएस को मनमाना, तर्कहीन और असंवैधानिक बताया था। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने याचिका खारिज करते हुए याचिकाकर्ता को उच्च न्यायालय जाने को कहा। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा कि हम इस याचिका पर सुनवाई नहीं कर सकते। इसे बहुत खराब तरीके से तैयार किया गया है। आप उच्च न्यायालय जा सकते हैं। कुछ फैसलों में इसे बरकरार रखा गया है। हम इस पर विचार नहीं करेंगे।

टीडीएस या सोर्स पर टैक्स कटौती (टीडीएस) की शुरुआत कर-चोरी रोकने के लिए की गई थी। यह एक ऐसा तरीका है जिससे सरकार सीधे आय के स्रोत से कर लेती है। यह कर का ऐसा प्रकार है, जिसमें किसी व्यक्ति या संगठन को मिलने वाली सैलरी, ब्याज, किराया या कंसल्टेंसी फीस देने से पहले ही तय राशि टैक्स के रूप में काट ली जाती है और इसे तुरंत सरकार को भेज दिया जाता है। टीडीएस सरकार के लिए टैक्स इकट्ठा करने की प्रक्रिया को सरल बनाता है और टैक्स चोरी को रोकने में भी मदद करता है। टीडीएस राशि की वापसी बाद में तब की जाती है जब करदाता अपना आयकर रिटर्न दाखिल करते हैं।

याचिका में उपाध्याय ने तर्क दिया कि टीडीएस एक जटिल प्रक्रिया है, जिसे समझने के लिए कानूनी और वित्तीय विशेषज्ञता की जरूरत है। कई करदाताओं को इसकी समझ नहीं है। अशिक्षित या आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों को इस तकनीकी ढांचे को समझने में मुश्किल होती है और इसके चलते उनका उत्पीड़न होता है। यह समानता के संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन है। कई करदाता, विशेष रूप से ग्रामीण या आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि के लोग, अक्सर रिफंड से वंचित रह जाते हैं, जिससे सरकार को अनुचित लाभ होता है।

हिंदू नाम से ढाबा चलाने वाले 27 मुस्लिमों के परमिट रद्द किए गए

अहमदाबाद, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

गुजरात में मुस्लिम मालिक हिंदू नामों से ढाबा लाइसेंस लिए हुए थे। वह इन हिंदू नामों के आधार पर गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम से अनुबंध भी कर चुके थे। यहां गुजरात की सरकारी बसें आकर रुकती थीं। यात्री इन्हें हिंदू ढाबा समझ कर खाना खाते थे। अब इस मामले में सरकार ने कार्रवाई की है। परिवहन निगम ने राज्य के ऐसे 27 ढाबों के साथ अपना अनुबंध रद्द कर दिया है। इन ढाबों पर अब सरकारी बसें नहीं रुका करेंगी। इनमें से कुछ ढाबे ऐसे थे, जिनके मालिक मुस्लिम हैं लेकिन ढाबों के नाम हिंदू देवी-देवताओं पर रखे गए थे। यह ढाबे वडोदरा, राजकोट, गोधरा, मेहस-णा, भुज, भरूच, अहमदाबाद, नाडियाड और पालनपुर जैसे डिवीजन में हैं। इस लिस्ट में भुज-ध्रगंधरा-अहमदाबाद रोड पर स्थित होटल शिवशक्ति भी है। इस होटल का नाम हिंदू देवता के नाम पर रखा गया है और इसका लाइसेंस भी हिंदू के नाम पर है, लेकिन इसके मालिक और प्रबंधक मुसलमान हैं। यही कारनामा सूरत-अहमदाबाद रोड पर स्थित होटल तुलसी ने भी किया। इसके अलावा भरूच डिवीजन में आने वाले सूरत-अहमदाबाद रोड पर स्थित होटल मारुति का परमिट भी रद्द कर दिया गया है। वडोदरा-गोधरा-मोडासा रोड पर स्थित होटल वृंदावन का परमिट भी रद्द हो गया है।

इसके अलावा अहमदाबाद-राजकोट रूट पर होटल सर्वोदय, अहमदाबाद-बालासिनोर-गोधरा-झालोद रूट पर होटल श्रीजी, अहमदाबाद-सूरत रोड पर होटल सहयोग, होटल गैलेक्सी, होटल रौनक, अहमदाबाद-ध्रगंधा-भुज रूट पर होटल सर्वोदय, सूरत-अहमदाबाद रोड पर बने होटल सतीमाता का भी परमिट रद्द हुआ है। गौरतलब है कि परिवहन निगम के पास 8 हजार से ज्यादा बसें हैं। इनमें से तमाम बसें लम्बे रूट पर चलती हैं। यह लम्बी रूट की बसें रास्ते में कुछ जगह ढाबों पर रुकती हैं ताकि यात्री ब्रेक ले सकें। यह ढाबे परिवन निगम तय करता है और इसके लिए टेंडर निकलते हैं। इन्हीं में मुस्लिमों ने गड़बड़ी की। इससे पहले भी मुस्लिम मालिकों द्वारा हिंदू नामों से चलाए जा रहे होटलों-ढाबों की जांच की मांग लगातार उठती रही है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने किया प्रहार

वक्फ बोर्ड में आप दा सरकार ने किया 100 करोड़ का घोटाला

यमुना की सफाई के नाम पर करोड़ों का भ्रष्टाचार हुआ : कांग्रेस

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

आम आदमी पार्टी ने 10 साल में घोटालों और भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड्स को ध्वस्त कर दिया है। इस पार्टी ने वक्फ बोर्ड में 100 करोड़ रुपए का घोटाला किया और मुसलमानों तक को नहीं बख्शा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने ये आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल इतनी सफाई के साथ झूठ बोलते हैं कि अगर झूठ बोलने का कंपटीशन होता तो वे इसमें नंबर वन होते।

दिल्ली विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा नेता पश्चिमी दिल्ली के उत्तम नगर में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उसी दौरान उन्होंने ये बातें कही। उन्होंने आम आदमी पार्टी के 10 साल के कार्यकाल के दौरान किए गए घोटालों का जिक्र किया और आरोप लगाया कि अपनी जेब भरने के लिए इस पार्टी ने हर किसी की जेब काटी है। आप-दा ने 10 साल में केवल शिक्षा की बात की, लेकिन उसकी आड़ में जल बोर्ड घोटाला करके दिल्ली को जल माफियाओं को सौंप दिया, मोहल्ला क्लीनिक में 300 करोड़ का घोटाला किया और 2800 करोड़ रुपए का शराब घोटाला किया।

यहीं नहीं भाजपा नेता ने ये भी आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री रहते हुए दिल्ली में सीसीटीवी लगाने के नाम पर 571 करोड़ रुपए और बस खरीद के नाम पर 4500 करोड़ रुपए का घोटाला किया गया। साथ ही जिस शिक्षा की बात करते अरविंद केजरीवाल नहीं थकते हैं, उसमें भी क्लासरूम के निर्माण में भी आप-दा सरकार ने 1300 करोड़ रुपए का घोटाला किया। केवल यमुना की सफाई का वादा करके 7000-8000 करोड़ रुपए की गड़बड़ी की गई है। अरविंद केजरीवाल ने सफाई कर्मचारियों को भी धोखा दिया और केंद्र सरकार की योजनाओं को लागू करने में बाधा डाली। उल्लेखनीय है कि 5 फरवरी को दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों के लिए वोटिंग होनी है। उससे पहले सभी पार्टियां जोरों-शोरों से चुनाव प्रचार में लगी हुई हैं।

कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी अलका लांबा ने कहा, सच्चाई यह है कि यमुना को साफ करने का कभी काम ही नहीं हुआ। उसपर राजनीति खूब हुई। यमुना की सफाई के नाम पर करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार हुआ। आम आदमी पार्टी की सरकार एक दशक से सत्ता में है, लेकिन हमने कभी नहीं देखा कि यमुना की सफाई के लिए कोई काम हुआ हो।

नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार संदीप दीक्षित ने कहा, गंगा जी की सफाई के लिए राजीव गांधी गंगा एक्शन प्लान लेकर आए थे। उसके बाद उत्तर प्रदेश में जितनी भी सरकारें रहीं, सभी इस पर काम करती रहीं। पिछले 5-6 महीनों को छोड़कर आज तक ये सवाल (यमुना सफाई) क्यों नहीं उठाया गया? शीला दीक्षित के समय 7 इंटरसेप्टर लगने थे जो नजफगढ़ और शाहदरा नाले के पानी को साफ करते। दिल्ली की बर्बाद यमुना के लिए सीधे तौर पर अरविंद केजरीवाल जिम्मेदार हैं। मुझे नहीं लगता कि जब तक नई सरकार यमुना की सफाई के लिए युद्ध स्तर पर काम नहीं करेगी, तब तक सब ठीक होगा।

आम आदमी पार्टी सरकार खुलेआम कर रही नाफरमानी

अदालती आदेश के बाद भी पेश नहीं हुई सीएजी रिपोर्ट

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार पर सीएजी रिपोर्ट पेश करने के लिए राज्य विधानसभा की बैठक बुलाने का निर्देश देने से शुक्रवार को इन्कार कर दिया। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने कहा कि मामले में दिल्ली सरकार की ओर से अत्यधिक देरी हुई है। अदालत ने रेखांकित किया कि संविधान के तहत ऑडिट रिपोर्ट को सदन के पटल पर रखना अनिवार्य है।

अदालत ने कहा कि अदालत विधानसभा की विशेष बैठक बुलाने की याचिकाकर्ता की प्रार्थना को स्वीकार करने के लिए इच्छुक नहीं है। विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता और भाजपा विधायकों मोहन सिंह बिष्ट, ओम प्रकाश शर्मा, अजय कुमार महावर, अभय वर्मा, अनिल कुमार बाजपेयी और जीतेंद्र महाजन ने पिछले साल याचिका दाखिल की थी और स्पीकर को सदन की बैठक बुलाने का निर्देश देने की मांग की थी।

सीएजी रिपोर्ट पेश करने के लिए बैठक याचिकाकर्ताओं ने वकील नीरज और सत्य रंजन स्वैन के माध्यम से याचिका दाखिल की।

हरियाणा का मेवात बना दूसरा जामताड़ा

साइबर ठगी का अड्डा बना मेवात

134 फीसदी मामले बढ़े, 15 गांव हॉट-स्पॉट

चंडीगढ़, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

हरियाणा का मेवात इस्लामिक कट्टरपंथी की हरकतों में कुख्यात होने के बाद अब साइबर ठगी का गढ़ भी बनता जा रहा है। हरियाणा में हर माह 60 करोड़ रुपए की साइबर ठगी हो रही है। हरियाणा में मात्र एक साल में ही साइबर ठगी 134 फीसदी तक बढ़ गई है। हरियाणा का मेवात जिला दूसरा जामताड़ा बनता जा रहा है। यहां के युवा गैंग बनाकर दूसरे राज्यों के लोगों को ठग रहे हैं। तीन दिन पहले ही मेवात की पुलिस ने विशेष अभियान चला कर 15 अपराधियों को गिरफ्तार किया।

उनसे जब पूछताछ की गई तो चौंकाने वाले खुलासे हुए। ये साइबर ठग कर्नाटक, केरल तमिलनाडु के अलावा अन्य कई राज्यों में लोगों को इंटरनेट के माध्यम से फर्जी विज्ञापन देकर ठग चुके हैं। मेवात में अलग-अलग गांवों से पकड़े गए साइबर ठगों के विरुद्ध पुलिस ने 12 मामले दर्ज किए हैं। आरोपियों से पुलिस ने 20 मोबाइल और 29 फर्जी सिम बरामद किए हैं। इन सभी आरोपियों की आयु 30 से कम है और सभी अंगूठा टेक हैं, लेकिन साइबर ठगी के एक्सपर्ट हैं। ऐसे एक नहीं दर्जनों मामले सामने आ चुके हैं।

हरियाणा के सामने साइबर ठगी को लेकर दोहरी चुनौती है। क्योंकि औसतन हर साल 1 हजार करोड़ रुपए की साइबर ठगी खुद हरियाणा के लोगों से हो रही है। ऐसे में पहली चुनौती हरियाणा के लोगों को साइबर ठगी से बचाना है। दूसरा, दूसरे राज्यों से मेवात में बैठकर साइबर ठगी करने वाले गैंग पर शिकंजा कसना है। 2023 में जहां प्रदेश में 602 करोड़ रुपए का साइबर फ्रॉड किया गया था, जबकि वर्ष 2024 में यह संख्या बढ़कर 980 करोड़ तक पहुंच गई है। औसतन हरियाणा में एक हजार लोगों के साथ साइबर ठगी होती है। हरियाणा में ठगी के अधिकतर मामले एन-सीआर जिलों में हो रहे हैं। खासकर पलवल, फरीदाबाद, गुरुग्राम और मेवात में साइबर अपराध का प्रतिशत अधिक है। साइबर अपराधियों में मेवात के युवक अधिक शामिल हैं। मेवात के 15 ऐसे बदनाम गांव हैं, जहां से साइबर ठगी के गैंग ऑपरेट हो रहे हैं।

मेवात में औसतन हर साल साइबर ठगी के 500 केस दर्ज होते हैं। इन मामलों में करीब 300 लोग हर साल गिरफ्तार किए जाते हैं। मेवात के युवाओं का साइबर ठगी में शामिल होने के पुलिस कई कारण मानती है। पहला यहां पर शिक्षा दर कम है, दूसरा विशेष वर्ग के जुड़े लोग इस काम में संलिप्त हैं। दूसरा, आय के लिए कोई रोजगार नहीं है, न ही कोई दूसरा आय का साधन है। भूल जल कृषि भूमि के योग्य नहीं है। इसके अलावा, ठगों की लाइफस्टाइल देखकर दूसरे गरीब तबके के युवा उनके प्रति आकर्षित होते हैं। मेवात के 15 गांव साइबर ठगी के बड़े हॉट स्पाट हैं। जैसे-जैसे हरियाणा पुलिस अपराधियों की तरकीब पकड़ती है, उससे पहले ही साइबर चोर ठगी का नया तरीका अपनाते हैं। साइबर विशेषज्ञ बताते हैं कि फिलहाल खुद को ज्वेलरी शॉप के मालिक बताकर, रिश्तेदार बताकर या लिंक पर क्लिक करने से पैसे और गिफ्ट के लालच दिए जा रहे हैं। पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती डिजिटल अरेस्ट की है। इस प्रकार के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है।

साइबर ठगों से रिकवरी में हरियाणा पुलिस देशभर में नंबर वन है। साल 2024 में पुलिस ने साइबर ठगों के चंगुल से लगभग 268.40 करोड़ रुपए की राशि बचाई गई है, जबकि वर्ष-2023 में 76.85 करोड़ रुपए की राशि बचाई थी। इस प्रकार साइबर अपराधियों से तीन गुना अधिक राशि बचाई गई। साइबर हेल्पलाइन 1930 पर तैनात तकनीकी रूप से मजबूत पुलिसकर्मियों की संख्या को 12 से बढ़ाकर 70 कर दिया गया।

इनके साथ दस बैंकों के 15 नोडल अधिकारी भी यहां पर तैनात हैं। साल 2022 में साइबर अपराधियों के खिलाफ 2165 मुकद्दमें दर्ज किए गए, वही वर्ष-2023 में 2747 मुकद्दमें और 2024 में 5511 मुकद्दमे दर्ज किए गए। इसी प्रकार, वर्ष 2022 में हरियाणा पुलिस द्वारा 1078, वर्ष-2023 में 1909 और 2024 में 5156 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। वर्ष-2024 में गिरफ्तार किए गए अपराधियों में से 70 प्रतिशत (3555 अपराधी) अन्य राज्यों के रहने वाले हैं। वर्ष-2024 में हरियाणा पुलिस द्वारा रोजाना औसतन 14 साइबर अपराधी गिरफ्तार किए गए हैं। वर्ष-2024 में साइबर ठगी में इस्तेमाल किए गए 2,83,589 बैंक खातों और 1,24,565 मोबाइल नंबरों को बंद करवाया गया है जो कि देशभर में सर्वाधिक है।

करोड़ों रुपए की ड्रग्स के साथ पांच लोग गिरफ्तार

आनंद, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

गुजरात में आनंद जिले के खंभात में एक ड्रग निर्माण फैक्टरी पर छापेमारी की गई। डीआईजी एटीएस सुनील जोशी ने बताया कि एटीएस की कार्रवाई में करोड़ों रुपए की ड्रग्स बरामद की गई है। इसके साथ ही पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दरअसल, गुजरात आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने आनंद जिले में अल्प्राजोलम बनाने वाली एक फैक्टरी का भंडाफोड़ किया है। यहां से 107 करोड़ रुपए की प्रतिबंधित दवा के साथ छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि आरोपियों ने खंभात शहर के पास एक फैक्टरी किराए पर ली थी।

यहां नींद की गोलियों में इस्तेमाल होने वाले पदार्थ अल्प्र-ाजोलम का उत्पादन किया जा रहा था। सहायक पुलिस आयुक्त (एटीएस) हर्ष उपाध्याय ने बताया कि अल्प्राजोलम एक तरह का मादक पदार्थ है। इसके दुरुपयोग की वजह से यह नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंसेस (एनडीपीएस) अधिनियम के दायरे में आता है।

उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर एटीएस ने गुरुवार शाम को फैक्टरी पर छापा मारा और 107 करोड़ रुपए मूल्य का 107 किलोग्राम अल्प्राजोलम के साथ छह लोगों को गिरफ्तार किया। उपाध्याय ने बताया कि केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) अल्प्राजोलम के उत्पादन के लिए लाइसेंस जारी करता है। यह दवा भी एनडीपीएस अधिनियम के दायरे में आती है। उन्होंने बताया कि छापे के समय आरोपियों के पास कोई लाइसेंस नहीं था। पांच आरोपी यूनिट का संचालन कर रहे थे, जबकि छठा व्यक्ति रिसीवर था। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि पांचों आरोपियों ने साइकोट्रोपिक पदार्थ बनाने के लिए फैक्ट्री किराए पर ली थी। आगे की जांच जारी है।

भव्य महाकुंभ का दिव्य ड्रोन शो, श्रद्धालु मनमुग्ध हुए

__महाकुंभनगर, 24 जनवरी (एजेंसियां)।__ महाकुंभ को भव्य और दिव्य बनाने के योगी सरकार के संकल्प को साकार करते हुए शुक्रवार को सेक्टर 7 में अद्भुत ड्रोन शो का आयोजन किया गया। यूपी पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित इस शो में सैकड़ों ड्रोन की मदद से आसमान में जीवंत आकृतियों का प्रदर्शन किया गया। ड्रोन शो में श्रद्धालुओं ने देवताओं को अमृत कलश पीते हुए देखा। इसके साथ ही समुद्र मंथन की दिव्य झांकी ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यूपी दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक झांकी ने शोभा बढ़ाई। ड्रोन के जरिए आसमान में महाकुंभ और उत्तर प्रदेश सरकार का लोगो उकेरा गया, जिसने सभी को आकर्षित किया। शंख बजाते हुए साधु और संगम में स्नान करते हुए संन्यासी की छवि भी बेहद आकर्षक रहीं। ड्रोन शो का मुख्य आकर्षण विधानसभा भवन पर लहराता तिरंगा रहा। यह दृश्य देशभक्ति और गर्व से भरा हुआ था। इस ड्रोन शो के माध्यम से महाकुंभ के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व को भी बड़ी खूबसूरती से प्रदर्शित किया।

उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस पर उपराष्ट्रपति का हुआ संबोधन

महाकुंभ देख कर पूरी दुनिया आश्चर्यचकित : धनखड़

उप राष्ट्रपति 1 फरवरी को सपरिवार संगम में लगाएंगे डुबकी

लखनऊ, 24 जनवरी (एजेंसियां)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि आठ साल में यूपी उत्तम प्रदेश बन चुका है और अब यह उद्यम प्रदेश बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। उन्होंने इसके लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए कहा कि वे दृढ़ संकल्प के साथ उत्तर प्रदेश के विकास के लिए समर्पित हैं। उप राष्ट्रपति ने महाकुंभ की चर्चा करते हुए कहा कि पूरी दुनिया आश्चर्यचकित है कि प्रयागराज में इतना बड़ा आयोजन आखिर कैसे इतने सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो रहा है। उन्होंने प्रदेश में अपराध में आई गिरावट की तारीफ की और कहा कि इससे ईज ऑफ डुइंग बिजनेस में उल्लेखनीय उछाल आया है। उन्होंने योगी आदित्यनाथ के नारे 'बंटेंगे तो कटेंगे' का समर्थन करते हुए कहा कि उनके इस विचार को पूरे देश ने अपना समर्थन दिया है। उप राष्ट्रपति ने देश में अवैध शरणार्थियों की मौजूदगी पर भी चिंता व्यक्त की।

उप राष्ट्रपति शुक्रवार को राजधानी के अवध शिल्पग्राम में आयोजित उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है और आगामी एक फरवरी को परिवार के साथ महाकुंभ में डुबकी लगाउंगा। ये मेरे लिए गौरव की बात होगी। उन्होंने प्रदेश की जनता को राज्य के स्थापना दिवस की बधाई दी। कहा कि सीएम योगी ने इस बात को चरितार्थ किया है कि यूपी अनलिमिटेड पोटेंशियल वाला प्रदेश है। उन्होंने कहा कि 2018 से राज्य स्थापना दिवस मनाने की परंपरा सराहनीय कदम है। हर स्थापना दिवस पर एक योजना प्रारंभ की गई है। आज मुख्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान का शुभारंभ किया गया है। इसके अंतर्गत 10 लाख उद्यमी ही नहीं बनेंगे, बल्कि ये उद्यमी औरों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित करेंगे।

उप राष्ट्रपति ने कहा कि यूपी की पहचान इसकी तीव्र और ऐतिहासिक प्रगति के रूप में झलक रही है। ये आसान काम नहीं था। किसी ने सोचा नहीं था ऐसा होगा, इसके लिए योगी आदित्यनाथ साधुवाद के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि विश्वस्तरीय संस्थागत ढांचे के निर्माण में यूपी सबसे आगे है।

पूरी दुनिया के लिए ये एक उदाहरण है। तकनीकी और व्यापार के विस्तार में भारत की लंबी छलांग में यूपी की भागीदारी महत्वपूर्ण है। एक जमाना था जब यूपी की पहचान कानून व्यवस्था की चिंता से होती थी। उससे निकलने का रास्ता नहीं दिखता था। प्रांत एक चक्रव्यूह में फंस गया था। संभावनाएं कुंठित हो गई थी। योगी जी ने इसे सुशासन वाले प्रदेश की पहचान दी है। इस प्रगति की चर्चा देश-विदेश में है। इस प्रदेश पर श्रीराम, श्रीकृष्ण, काशी विश्वनाथ और संकटमोचन बजरंगबली का आशीर्वाद प्राप्त है। गोरखनाथ मठ के महंत इसका नेतृत्व कर रहे हैं। जब नेतृत्वकर्ता मजबूत होता है तो विकास गुणात्मक होता है। इस प्रदेश में योगियों की लंबी शृंखला रही है।

आज इस प्रदेश का नेतृत्व एक योगी के हाथ में है। भगवान बुद्ध ने यहां प्रथम संदेश दिया। उत्तर प्रदेश स्वतंत्रता आंदोलन की गाथाओं से ओत प्रोत है।

उप राष्ट्रपति ने कहा कि 26 साल की उम्र में और बीते 26 साल से योगी आदित्यनाथ ने जनसेवा के लिए खुद को दृढ़ संकल्प के साथ समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें महंत अवैद्यनाथ के साथ सांसद बनने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर मिला था। उन्होंने कहा कि लगातार दो बार मुख्यमंत्री बनने वाले इस प्रांत में केवल योगी आदित्यनाथ हैं। इनका कार्यकाल किसी भी पहले के मुख्यमंत्री से ज्यादा रहा है। कहा कि देश और व्यक्ति के जीवन में ऐसे मौके आते हैं जब हालात चुनौतीपूर्ण हों, तब बात असरदार और धारदार होनी चाहिए। बात से संकेत नहीं स्पष्ट संदेश देना होता है। योगी जी ने एक संदेश दिया कि हम एक नहीं होंगे तो दुष्परिणाम क्या हो सकते हैं। इस विचार को पूरे देश ने समझा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश राजधर्म और जन केंद्रित शासन की प्रयोगशाला बन गया है। एक समय था जब इस प्रदेश की पहचान बीमारू राज्य की थी। आज कोई इसका जिक्र भी नहीं करता क्योंकि परिवर्तन का पहिया 180 डिग्री घूम चुका है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का आकलन करें तो इस प्रदेश ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में लंबी छलांग लगाई है। यह 19वें से दूसरे स्थान आ गया हैं। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि केवल एक मामले में मुख्यमंत्री जी 'दोषी' हैं। वह ये कि यूपी में अपराध के मामले में गति कम हो गई है। अपराध पर कुठाराघात का संदेश पूरे देश में गया है। बीते सात-आठ वर्ष में प्रदेश का निर्यात दोगुना हो चुका है। एयरपोर्ट, मेट्रो की संख्या बढ़ी है। प्रयागराज महाकुंभ देख पूरी दुनिया आश्चर्यचकित है। विश्व की कई संस्थाएं इसका अध्ययन कर रही हैं, कि इतना बड़ा आयोजन हो कैसे रहा है। प्रदेश ने जो लक्ष्य 1 ट्रिलियन डॉलर इकोनामी का रखा है, वो पूरा होते दिखाई दे रहा है।

संभल में मिला प्राचीन कुआं, टोंक के राजा का लगता था दरबार

संभल, 24 जनवरी (एजेंसियां)। संभल के जामा मस्जिद के नजदीक कुएं की खोदाई बृहस्पतिवार को पूरी हो गई है। यह खोदाई पालिका द्वारा कराई गई है। जामा मस्जिद के नजदीक स्थित दुकानों के नजदीक वर्षों पहले इस कुएं को बंद कर दिया गया था। अब पालिका की ओर से इसकी खोदाई कराई गई है और संवारने का काम भी कराया जाएगा।

संभल और उसके आसपास के तीर्थ, कूप और कुएं संवारने के लिए संभल कल्कि देवतीर्थ समिति का भी सहयोग रहा। यह समिति प्राचीनकाल की तरह ही इनको संवारने के लिए अपनी राय देगी। उसके बाद पालिका और ग्राम पंचायत द्वारा संवारा जाएगा। इस समिति के अध्यक्ष डीएम हैं। सह अध्यक्ष एसपी व अन्य पदों पर प्रशासनिक और अन्य लोग शामिल किए गए हैं। इसी क्रम में कूप, तीर्थ और कुएं संवारने की योजना तैयार की है। डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि अभी तक 41 तीर्थ और 19 कूप को चिह्नित कर लिया गया है। जो समिति की निगरानी में संवारे जाएंगे। उसके अलावा जो कुएं खोले गए हैं इनको भी प्राचीन रूप में ही बदला जाएगा।

सरायतरीन के मोहल्ला दरबार में स्थित जिस प्राचीन कुएं का निरीक्षण एएसआई की टीम ने बुधवार को किया था। वह कुआं जिले का सबसे बड़ा कुआं है। इसकी बनावट भी अन्य कुएं से अलग है। प्रशासन को स्थानीय लोगों ने जानकारी दी है कि यह टोंक के राजा जो नवाब हुआ करते थे उनका दरबार लगता था। इस इलाके में बने भवन भी इसकी पुष्टि करते हैं कि किसी समय में इस इलाके में राजा का निवास स्थान रहा होगा। डीएम ने बताया कि सरायतरीन में मिला कुआं सबसे बड़ा कुआं है। इसको भी पुराने स्वरूप में लाया जाएगा।

प्रदेश के 42 टोल पर चल रहा था फर्जीवाड़ा

120 करोड़ के घोटाले के तीन आरोपी जेल गए

मिर्जापुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। साफ्टवेयर के माध्यम से देश के 42 टोल प्लाजा से 120 करोड़ रुपए का घोटाला करने के मामले में गिरफ्तार किए गए तीन आरोपियों को पुलिस ने जेल भेज दिया। चौथे और मुख्य आरोपी से पूछताछ कर रही है। उसे बुधवार की रात वाराणसी के बाबतपुर से गिरफ्तार किया गया था।

टोल प्लाजा पर टैक्स वसूली में अनियमितता की शिकायत पर एसटीएफ लखनऊ के निरीक्षक दीपक सिंह के नेतृत्व में मंगलवार की देर रात अतरैली शिवगुलाम टोल प्लाजा पर छापा मारा था। पुलिस और एसटीएफ ने टोल प्लाजा के कर्मचारी जौनपुर के फरीदाबाद सिद्धिकपुर सराय ख्वाजा निवासी आलोक कुमार सिंह, प्रयागराज के परानीपुर मेजा यमुनानगर निवासी राजू मिश्रा और मध्य प्रदेश के सीधी मझौली कचवर निवासी मनीष मिश्रा को गिरफ्तार किया था। ज्ञानपुर भदोही निवासी चौथा आरोपी पंकज शुक्ला मौके पर नहीं मिला। बाद में उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया था।

फिल्म अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने लिया संन्यास

किन्नर अखाड़े में बनेंगी महामंडलेश्वर

महाकुंभ नगर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री ममता कुलकर्णी किन्नर अखाड़ा में महामंडलेश्वर बनेंगी। संगम पर पिंडदान के बाद उनका पट्टाभिषेक किन्नर अखाड़े में किया जाएगा। उनका नाम अब श्री यामिनी ममता नंद गिरि होगा।

महाकुंभ मेले में अब जानी मानी फिल्म अभिनेत्री ममता कुलकर्णी की एंट्री हो गई है। ममता गृहस्थ जीवन से संन्यास लेकर अब संतों का जीवन व्यतीत करेंगी। उन्हें महामंडलेश्वर बनाया जाएगा। शुक्रवार को ममता कुलकर्णी भगवा वस्त्र धारण कर महाकुंभ के सेक्टर नंबर 16 में स्थित किन्नर अखाड़े के शिविर में पहुंचीं। यहां पर उनका पट्टाभिषेक किया जाएगा। ममता कुलकर्णी के आने की सूचना पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई।

किन्नर अखाड़े की ओर से जारी की गई सूचना के अनुसार प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री ममता कुलकर्णी शुक्रवार को किन्नर अखाड़ा में महामंडलेश्वर बनेंगी। संगम पर पिंडदान के बाद उनका पट्टाभिषेक किन्नर अखाड़े में सायं छह बजे किया जाएगा। उनका नाम अब श्री यामिनी ममता नंद गिरि होगा।

संपादकीय

जलवायु संधि

अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पदभार संभालते ही ताबड़तोड़ फैसले लेने शुरू कर दिए हैं। बतौर राष्ट्रपति पहले ही दिन ट्रंप ने पेरिस जलवायु संधि से अलग होने का निर्णय ले लिया है। अमरीका अब विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का सदस्य भी नहीं रहेगा। अमरीका में अब जन्मजात नागरिकता का अधिकार लागू नहीं होगा। अब तक यहां जन्म लेने के साथ ही शिशु को नागरिकता मिल जाती है। ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन से जुड़े पेरिस समझौते से हटने के लिए कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए कहा है कि 'मैं तुरंत पेरिस जलवायु संधि से हट रहा हूं, क्योंकि अमरीका अपने उद्योगों को उस स्थिति में हानि नहीं पहुंचाएगा, जब अन्य देश बेखौफ होकर प्रदूषण फैला रहे हों।' याद रहे ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल 2017 में भी इस संधि से देश को अलग कर लिया था। परंतु जो बाइडेन के राष्ट्रपति बनने के बाद अमरीका फिर इसमें शामिल हो गया था। जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से बचने के लिए वैश्विक तापमान को पूर्व औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के उद्देश्य से दुनिया के 175 देशों ने यह हस्ताक्षरित समझौता किया हुआ है। अब अमरीका के एक बार फिर से अलग हो जाने से दुनिया में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की पहल को झटका लगेगा। संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्यालय में 2015 में हुए ऐतिहासिक पेरिस जलवायु परिवर्तन समझौते को बड़ा झटका लगा है। इस समझौते पर भारत-चीन सहित 175 देशों ने हस्ताक्षर किए थे। यदि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुए समझौतों को ट्रंप जैसे लोग अपनी आत्मकेंद्रित दृष्टि के चलते खारिज करने लग जाएंगे तो न तो भविष्य में संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्थाओं का कोई महत्व रह जाएगा और न ही वैश्विक समस्याओं पर आगे कोई सहमति बन पाएगी। इस नाते अमरीका का इस वैश्विक करार से बाहर आना दुनिया के सुखद भविष्य के लिए बेहतर संकेत नहीं है। जबकि अमरीका सबसे ज्यादा प्रदूशषण फैलाने वाले देशों में प्रमुख है। राष्ट्र संघ को अमरीका के डब्ल्यूएचओ से बाहर हो जाने पर भी बड़ा झटका लगेगा, क्योंकि प्राकृतिक आपदा और युद्ध की स्थिति में प्रभावित लोगों को आर्थिक मदद, भोजन और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में अमरीका यूएन को बड़ी मदद करता रहा है। इस करार से अमरीका का बाहर आना समूचे विश्व के लिए अशुभ है। अपने औद्योगिक हितों की चिंता और चुनावी वादे की सनक पूर्ति के लिए ट्रंप ने यह पहल की है। दरअसल ट्रंप अमरीकी कंजरवेटिव पार्टी के उस धड़े से सहमत रहे हैं, जो मानता है कि जलवायु परिवर्तन और बढ़ता वैश्विक तापमान एक थोथी आशंका है। इसीलिए ये लोग कार्बन उत्सर्जन में कटौती से अमरीका के औद्योगिक हित प्रभावित होने की पैरवी करते रहे हैं। इस गुट की इन्हीं धरणाओं के चलते ट्रंप ने चुनाव में 'अमेरिका फस्ट' और 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' का नारा दिया था। इस फैसले से मुकर जाने के कारण दुनियाभर में ट्रंप की निंदा हो रही है। दरअसल ट्रंप की इस आत्मकेंद्रित मानसिकता का तभी अंदाजा लग गया था, जब भारत और चीन पर आरोप लगाया था कि इन दोनों देशों ने विकसित देशों से अरबों डॉलर की मदद लेने की शर्त पर समझौते पर दस्तखत किए हैं। लिहाजा यह समझौता अमरीका के आर्थिक हितों को प्रभावित करने वाला है। ट्रंप ने अपने पिछले कार्यकाल में यहां तक कहा था कि संयुक्त राष्ट्र की 'हरित जलवायु निधि' अमरीका से धन हथियाने की साजिश है।

अमरीका अब विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का सदस्य भी नहीं रहेगा। अमरीका में अब जन्मजात नागरिकता का अधिकार लागू नहीं होगा। अब तक यहां जन्म लेने के साथ ही शिशु को नागरिकता मिल जाती है। ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन से जुड़े पेरिस समझौते से हटने के लिए कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए कहा है कि 'मैं तुरंत पेरिस जलवायु संधि से हट रहा हूं, क्योंकि अमरीका अपने उद्योगों को उस स्थिति में हानि नहीं पहुंचाएगा, जब अन्य देश बेखौफ होकर प्रदूषण फैला रहे हों।' याद रहे ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल 2017 में भी इस संधि से देश को अलग कर लिया था। परंतु जो बाइडेन के राष्ट्रपति बनने के बाद अमरीका फिर इसमें शामिल हो गया था। जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से बचने के लिए वैश्विक तापमान को पूर्व औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के उद्देश्य से दुनिया के 175 देशों ने यह हस्ताक्षरित समझौता किया हुआ है। अब अमरीका के एक बार फिर से अलग हो जाने से दुनिया में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की पहल को झटका लगेगा।

नई सरकार बनी जिस पर आरोप था कि वह अमेरिका की समर्थक है

अफगानिस्तान में पश्तूनावली की चेतना

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

अफगानिस्तान पर रूस के हमले ने पाकिस्तान की स्थिति प्रासंगिक बना दी थी। अमेरिका को हर हालत में मध्य एशिया के इस अंतिम देश, जो अभी तक रूस की छत्रछाया में आने से बचा हुआ था, उसको रूस की इस प्रेतछाया से मुक्त करना था। उसे इसके लिए पाकिस्तान का साथ चाहिए था। उसके लिए अमेरिका ने पैसा और हथियार दिया और पाकिस्तान ने पश्तूनों (पठानों) को नए हथियारों का प्रशिक्षण दिया। तालिबान के नाम से पश्तून योद्धाओं की एक नई पौध तैयार हो गई। इसकी तैयारी और प्रशिक्षण में इस्लाम को केन्द्र बनाया गया।

अफगानिस्तान की सरकार को किसी भी देश की सरकार ने मान्यता नहीं दी है। चीन सरकार पिछले कुछ अरसे से जरूर उससे पींघे बढ़ा रही थी। पाकिस्तान पिछले लंबे अरसे से अफगानिस्तान को अपने इलाके का पिछवाड़ा मान कर उसके साथ व्यवहार कर रहा था। उसका प्रमुख कारण अफगानिस्तान की भू-राजनीतिक स्थिति कही जा सकती है। अफगानिस्तान पर रूस के हमले ने पाकिस्तान की स्थिति प्रासंगिक बना दी थी। अमेरिका को हर हालत में मध्य एशिया के इस अंतिम देश, जो अभी तक रूस की छत्रछाया में आने से बचा हुआ था, उसको रूस की इस प्रेतछाया से मुक्त करना था। उसे इसके लिए पाकिस्तान का साथ चाहिए था। उसके लिए अमेरिका ने पैसा और हथियार दिया और पाकिस्तान ने पश्तूनों (पठानों) को नए हथियारों का प्रशिक्षण दिया। तालिबान के नाम से पश्तून योद्धाओं की एक नई पौध तैयार हो गई। इसकी तैयारी और प्रशिक्षण में इस्लाम को केन्द्र बनाया गया। यानी रूस के हमले से अफगानिस्तान खतरे में पड गया है। किसी ने यह सवाल नहीं पूछा कि अफगानिस्तान में इस्लाम की रक्षा के लिए आखिर अमेरिका इतना व्याकुल क्यों है? खैर, रूस ने तो अफगानिस्तान को छोड़ दिया। फिर नई सरकार बनी जिस पर आरोप था कि वह अमेरिका की समर्थक है। तालिबान के प्रशिक्षण में जो पाठयक्रम पढ़ाया गया था, उसमें देश की रक्षा के साथ-साथ इस्लाम की रक्षा के भी अध्याय थे। अमेरिका जिस पश्चिमी सभ्यता का रहनुमा है, वह इस्लाम विरोधी है, इसकी भनक भी तालिबान को अब तक लग चुकी थी। इसलिए तालिबान का नया निशाना नई सरकार ही थी। अमेरिका को यह नई सरकार बनानी ही थी ताकि उसका वर्चस्व अफगानिस्तान में बना रहे।

उसे इस देश को नियंत्रण में रखना था, जहां तीन साम्राज्य भारत, चीन और रूस मिलते हैं। अब उसे फिर पाकिस्तान की जरूरत थी। इस बार अफगानिस्तान के शहरों में केवल अमेरिका की फौजें ही नहीं थीं, बल्कि उसके साथ अमेरिका के सहयोगी यूरोप

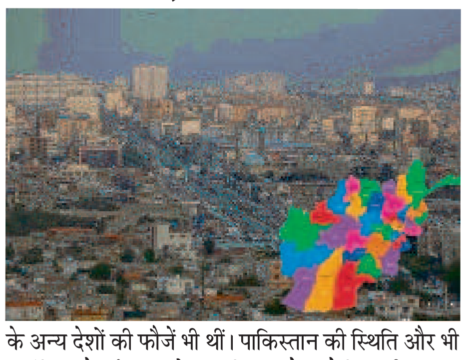

के अन्य देशों की फौजें भी थीं। पाकिस्तान की स्थिति और भी प्रासंगिक हो गई। वह ओसामा बिन लादेन को छिपा भी रहा था और मरवा भी रहा था। तालिबान को भी पाकिस्तान की जरूरत थी। अमेरिका को तो थी ही। लेकिन इस लम्बी लड़ाई में जब हर रोज अमेरिकी सैनिकों के ताबूत वाशिंगटन डीसी में पहुंचने लगे तो अमेरिका के लोग ही नक्शे में अफगानिस्तान की तलाश करने लगे और उसे अमेरिका से इतनी दूर देख कर सवाल करने लगे कि आखिर इतने दूर के देश में हम अपने जिंदा सैनिकों को लाशें में, क्या प्राप्त करने के लिए तबदील कर रहे हैं? इस सवाल का जवाब सरकार के लिए आम जनता को देना मुश्किल था। जब जवाब देना मुश्किल हो गया तो 'सैम अंकल' ने पश्तूनों के देश से निकल आने का ही फैसला कर लिया। जाहिर है वे सत्ता तालिबान को सौंप कर ही आते। तालिबान से समझौता करने में फिर पाकिस्तान की जरूरत थी। अपने सारे हथियार वहीं छोडक़र अमेरिका तो 2021 में काबुल से चला गया। अब राष्ट्रपति अब्दुल गनी की सरकार और तालिबान की सेना आमने-सामने थी। जाहिर है पाकिस्तान तालिबान के साथ था या यूं कहा जा सकता है कि वह अब्दुल की सरकार को उखाडक़र पाकिस्तान समर्थक सरकार बनाने का प्रयास कर रहा था। अगस्त 2021 में अब्दुल गनी को भागना पड़ा और काबुल में तालिबान की सरकार बन गई, जिसे पाकिस्तान गलती से अपनी सरकार मानने लगा। अपनी सरकार यानी भारत विरोधी सरकार। दरअसल काबुल की सरकार को वह अपनी सरकार दो कारणों से मान रहा था। पहला कारण तो यह था कि पाकिस्तान ने तालिबान का निर्माण किया था और दूसरा यह कि तालिबान भी इस्लाम की रक्षा के लिए लड़ रहा था और पाकिस्तान का तो जन्म ही इस्लाम की रक्षा के लिए हुआ था। सब देशों ने अपने दूतावास काबुल में बंद कर दिए। भारत ने प्रतीकात्मक रूप से अपना दूतावास बनाए रखा। इस आकलन में इस्लामाबाद शायद एक भूल कर गया। वह भूल डूरंड रेखा को न समझ पाने की थी। ब्रिटिश सरकार भारत से जाने और विभाजित करने से पहले अफगानिस्तान और भारत के मध्य में एक रेखा खींच गई थी, जिसे डूरंड रेखा कहा जाता है। लेकिन पश्तून इस डूरंड रेखा के दोनों ओर रहते हैं। अंग्रेजों के भारत में आने से पहले यह डूरंड रेखा नहीं थी, पश्तून पूरे देश में घूमते थे। कुछ सौ साल पहले इस्लाम स्वीकार करने के बावजूद उनकी सांस्कृतिक चेतना नहीं बदली थी। लेकिन डूरंड रेखा ने उनको बांटने की कोशिश की। इतना ही नहीं, उसके बाद पाकिस्तान बना कर उन्हें हिंदुस्तान से काट दिया। अब तक के पश्तूनों के हुए सबसे बड़े नेता खान अब्दुल गफ्फार खान, अंग्रेजों की इसी राजनीतिक गुंडागर्दी से लड़ते रहे थे। 1947 के बाद भी उन्होंने पाकिस्तान को स्वीकार नहीं किया, इसलिए पाकिस्तान की जेलों में सड़ते रहे। वे इस्लाम मजहब के पैरोकार होने के बावजूद पश्तूनों की सांस्कृतिक चेतना से नहीं टूट सके।

एक बार मैंने एक पश्तून छात्र से पूछा था, जब आपके यहां दो फरीकों में झगड़ा होता है तो जिरगा (न्याय करने के लिए बैठी पंचायत) में न्याय शरीयत से किया जाता है? शरीयत को वह छात्र इस्लामिक कानून कह रहा था। उसने कहा, न्याय करने से पहले दोनों पार्टियों से पूछ लिया जाता है कि वे निर्णय इस्लामिक कानून से चाहते हैं या पश्तूनावली से। फिर उसी के हिसाब से फैसला होता है।

दृष्टि कोण

दिल्ली में मुफ्त चुनावी उपहारों के शोर में असल मुद्दे दब कर रह गये हैं

अक्सर आपने देखा होगा कि किसी राज्य में विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक और सामाजिक समीकरण हावी हो जाते हैं लेकिन देश की राजधानी दिल्ली में हालात एकदम अलग हैं। विधानसभा चुनाव से पहले दिल्ली में राजनीतिक चर्चा में ''मुफ्त उपहारों'' की चर्चा हावी है जिससे प्रदूषण, कानून व्यवस्था, महिलाओं के खिलाफ अपराध और बुनियादी ढांचा सहित अन्य प्रमुख मुद्दे पीछे रह गए हैं। आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी मुफ्त बिजली, पानी, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और महिलाओं के लिए निःशुल्क सार्वजनिक परिवहन पहल पर जोर देते हुए ''रेवड़ी पर चर्चा'' जैसे अभियानों का नेतृत्व कर रही है। इसने नयी योजनाओं की भी घोषणा की है, जिनमें महिलाओं को हर महीने 2,100 रुपये देने के वादे के साथ मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना और

बुजुर्गों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य देखभाल संबंधी संजीवनी योजना शामिल है।

कांग्रेस ने जवाब में 'प्यारी दीदी योजना' की घोषणा की है जिसके तहत महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये देने की बात कही गई है। इसने 25 लाख रुपये तक की बीमा कवरेज का वादा करते हुए 'जीवन रक्षा योजना' की घोषणा भी की है। वहीं भाजपा ने भी अपने संकल्प पत्र के दो चरण अब तक जारी किये हैं जिनमें हर वर्ग के लिए योजनाओं की भरमार है। देखा जाये तो इन मुफ्त योजनाओं को एक बार 'मुफ्त की रेवड़ी' करार देने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी दिल्ली के लोगों को आश्वस्त करना पड़ा है कि अगर भाजपा सत्ता में आई तो इस तरह की योजनाएं जारी रखी जाएंगी।

इस बीच, मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त उपहारों की घोषणाओं के चलते दिल्ली में वायु प्रदूषण जैसा महत्वपूर्ण मुद्दा गौण हो गया है। हालांकि राजधानी के ज्यादातर निवासियों ने गंभीर स्वास्थ्य खतरा बने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए ठोस कार्य योजनाओं की कमी पर चिंता जताई है। हम आपको बता दें कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) पिछले साल नवंबर में 490 के अंक को पार कर गया, जो ''अत्यंत गंभीर'' श्रेणी में आता है। जहरीली हवा के कारण अनेक लोगों को विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा, यमुना नदी में अमोनिया के उच्च स्तर के कारण पूरे शहर में पानी की कमी भी देखी गई क्योंकि जलशोधन संयंत्र पानी का शोधन करने में असमर्थ थे। यही नहीं, खराब जल निकासी के चलते दिल्ली के राजेंद्र नगर स्थित एक कोचिंग सेंटर में तीन यूपीएससी अभ्यर्थियों की डूबने से मौत को लेकर राष्ट्रीय राजधानी में आक्रोश देखा गया था। बहरहाल, देखा जाये तो मुफ्तखोरी की संस्कृति को बढ़ावा देने की वजह से शासन एवं नीति-निर्माण पंगु हो गये हैं। अपने अब तक के कार्यकाल में आम आदमी पार्टी की सरकार ने रोजगार सृजन और संविदा कर्मचारियों के लिए समाधान खोजने जैसे अन्य प्रमुख मुद्दों की अनदेखी की है। आम आदमी पार्टी ने मुफ्त योजनाओं की जो आदत जनता को लगाई है उसको देखते हुए अन्य पार्टियां भी इसी नीति पर चलती नजर आ रही हैं। यह नीति राजनीतिक दलों को सत्ता तो दिला देगी लेकिन सरकारी खजाने को और राज्य की आर्थिक सेहत को खासा नुकसान पहुँचाएगी। यहां सवाल यह भी उठता है कि हम 2047 तक भारत को विकसित बनाने की बात कर रहे हैं लेकिन जब देश की राजधानी ही विकसित नहीं होगी तो यह लक्ष्य आखिर कैसे हासिल होगा।

कुछ अलग

मुझे पुरस्कार मिल जाए तो...

प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद यदि मुझे पुरस्कार मिल जाए तो मेरे लिए अत्यंत हर्ष की बात होगी। परंतु यह हर्ष नितांत मेरा होगा। काश! इसमें मेरे समानधर्मा साहित्यकार और सगे-सम्बन्धी भी शामिल होते। वैसे साहित्य सेवा करते हुए मुझे तीस वर्ष का लंबा समय बीत गया है, अतः कोई भी संस्था-अकादमी चाहे तो मुझे अपने पुरस्कार-सम्मान से नवाज सकती है। परंतु बात वही है कि मुझे पुरस्कार मिल जाए तो यह अनहोनी साहित्य जगत को पचाना मुश्किल हो जाएगा। बिना पुरस्कार प्राप्त किए ही जब मेरे समकालीन समानधर्मा साहित्यकार मुझसे दुःखी रहते हैं, तो यदि कोई लक्खी पुरस्कार मिल गया तो वह राशि उनके कष्टों के साथ-साथ मेरे व्यक्तिगत कष्टों में कई गुणा वृद्धि करने के लिए जिम्मेदार नहीं होगी? एक बार मुझे एक स्थानीय संस्था ने मात्र माला पहनाकर तालियां बजवाई थी, उसमें भी मेरी खासी आलोचना हुई थी। लोगों ने इसे प्रायोजित कार्यक्रम बताया था। साहित्यकारों के घरों में कई दिनों तक मातमी धुनें बजती रही थीं। दरअसल मैं ठहरा अपनी धुन का साहित्यकार। थोड़ा रिजर्व नेचर का होने से समानधर्मा मुझे अहंकारी और घमंडी मानने लगे हैं। उन्होंने मुझे व्यावसायिक लेखक होने का तोहफा दिया है। जबकि मैं देश की उन्हीं पत्र-पत्रिकाओं में लिखता रहा हूं, जिनमें वे लोग लिखते हैं। फर्क इतना-सा है कि वे लिखने में थोड़ा शिथिल हैं, जबकि मैं गतिमान हूं। मेरा यही गतिमान होना ही मुझे अलग-थलग छोड़ देने का मुख्य कारण है। कोई मुझसे मिलना नहीं चाहता, बोलना नहीं चाहता और यहां तक कि वे मुझे अपने गुटों में घुसने नहीं देते। इतनी डरावनी परिस्थितियों में यदि मुझे पुरस्कार मिल जाए तो असंख्य आपत्तियां और विपत्तियां उठ खड़ी हो सकती हैं। मुझे ही क्या, पुरस्कार देने वाली संस्था-अकादमी को भी नहीं बख्शा जाएगा। संस्था कार्यक्रम करेगी तो मेरे परिवारजनों के अलावा समारोहों में आएगा कौन? मुझे पता है वह समय मेरे लिए न सही, उस संस्था के लिए कितना अपमानपूर्ण होगा। साहित्य का पुरस्कार हो और उसमें साहित्यकार ही सम्मिलित न हों तो उस पुरस्कार की महत्ता क्या रह जाती है? कल्पना के घोड़े जब मेरे पुरस्कार लेने के मामले में दौड़ता हूं तो अशुभ ज्यादा दिखाई देता है। मैं तो काली सूची में हूं ही, वह सम्मानीय संस्था भी इसी श्रेणी में घोषित की जा सकती है। इसीलिए ज्यादातर मुझे यही लगता रहता है कि मुझे साहित्य का पुरस्कार नहीं मिल सकता। इसीलिए मैंने पुरस्कार मिलने पर 'तो' लगाया है। वैसे लिखने-पढने और काम के आधार पर तो मुझे पुरस्कार न्यायोचित हो सकता है, लेकिन साहित्यगत में मेरी स्थिति सर्वथा भिन्न होने से पुरस्कार मिलना बहुत दुःखद घटना के रूप में भी लिया जा सकता है। जब मेरे लिखने-पढने से ही माहौल दूषित है तो पुरस्कार से मुझे नवाजा जाना मेरे अलावा किसे रास आएगा? एक बार मुझे पुरस्कृत करने की अफवाह मात्र उड़ी थी, उसी से उस संस्था के पास मेरे खिलाफ असंख्य आपत्तियां पहुंच गई थी। वास्तविकता का तो मुझे पता नहीं है, लेकिन इससे हुआ यह कि उस संस्था ने उस वर्ष से पुरस्कार देने की योजना ही आज तक स्थगित कर रखी है। अब संस्था दूसरे कार्यक्रम समारंभ करने की योजना बना रही है, पुरस्कृत करने का घिनौना कार्यक्रम स्थायी रूप से बंद करने की सोच रही है।

देश दुनिया से

नकली खेल सामान नहीं चाहिए

आज के ओलंपिक खिलाड़ी भी शौकिया न होकर अब पेशेवर हो गए हैं। सदी पूर्व जब जिम थोर्पे के ओलंपिक पदक इस लिए छीन लिए गए थे कि उसने कहीं खेल के नाम पर थोड़ा सा धन ले लिया था। आज अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स महासंघ स्वयं विश्व रिकॉर्ड बनाने पर एक लाख अमरीकी डालर इनाम देता है और भारत में तो कुछ राज्य ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने पर छह करोड़ रुपए भी देते हैं। तभी तो बढिया किस्म के खेल उपकरणों का भी महत्व बढ़ गया है। अभी तक बढिया खेल सुविधाएं विकसित देशों को ही मिल पा रही थी, मगर अब यह सुविधा हर देश को चाहिए, तभी उच्च परिणाम आएंगे। खेलों में आज उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए खेल उपकरणों से लेकर कृत्रिम प्ले फील्ड तक में काफी सुधार किया जा रहा है। अच्छे खेल परिणामों के लिए खेल सामान की क्वालिटी का योगदान भी बहुत महत्वपूर्ण है, मगर खेल सामान की खरीददारी में बहुत बड़ा गोलमाल है। इस विषय पर पहले भी बहुत बार लिखा जा चुका है, मगर अभी तक इसमें कोई भी सुधार नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश के जिला युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के कार्यालयों व शिक्षा संस्थानों में हर वर्ष करोड़ों रुपए का खेल सामान जैम व अन्य माध्यमों से खेल विभाग व शिक्षा निदेशालय खरीद कर आगे देता है, जो बेहद निम्न दर्जे का होता है। इस कॉलम के माध्यम से बार-बार सरकार को सचेत किया जा रहा है कि इस खरीद पर लगाम लगा कर अच्छी क्वालिटी का खेल सामान प्रदेश के विद्यार्थी खिलाडियों को मिले, ताकि हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ी भी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन कर सकें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आज खेलों का स्तर बहुत ही ऊपर उठ चुका है।

उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर खिलाड़ी पूरे विश्व में अपने देश का डंका बजा रहे हैं। इस अद्भुत खेल प्रदर्शन के लिए उच्च स्तरीय प्रशिक्षकों व प्रतिभाशाली खिलाडियों के साथ-साथ उनके पास स्तरीय खेल किट व उच्च तकनीकी के खेल उपकरणों का होना भी बहुत ही जरूरी होता है। चिकित्सा क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की बीमारियों को ठीक करने के लिए आज प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर कई प्रकार के उपकरण विकसित हो चुके हैं, ठीक उसी प्रकार खेल जगत में भी आज के अति मानवीय खेल परिणामों में विकसित प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर बनाई गई आधुनिक खेल सामग्री का विशेष योगदान है। जैसे-जैसे सभ्यता का विकास हो रहा है, हम स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे हैं। इनसान को फिट रहने के लिए किसी न किसी खेल का सहारा लेना पड़ता है। ऐसे में जब लाखों नहीं, करोड़ों खेलेंगे तो उसके लिए खेल उपकरण भी चाहिएं। पूरे विश्व में खेल बहुत बड़ा उद्योग बन कर उभरा है। हमारे देश में आज खेल उपकरणों का उद्योग अरबों रुपए का कारोबार हर वर्ष कर रहा है। खेल किट व खेल उपकरणों के बाजार में अच्छे से अच्छा व घटिया से घटिया सामान उपलब्ध है। जब सरकारी स्तर पर खेल सामान खरीदा जाता है, तो कीमत बढिया या मध्यम स्तर के सामान की होगी और सामग्री निम्न दर्जे की होगी। इस तरह मूल्य उच्च क्वालिटी का तय कर शेष राशि हड़प ली जाती है। व्यापारी व सामग्री खरीदने वाले अधिकारी मिलकर अधिकांश राशि को चट कर जाते हैं। प्रदेश के महाविद्यालयों में जहां अधिकतर खेल सामग्री महाविद्यालय प्रशासन स्वयं खरीदता है, वहीं पर कुछ खेल सामान पहले शिक्षा निदेशालय मटीरियल्स एंड सप्लाई के अंतर्गत खरीद कर महाविद्यालय को दिया जाता था और अब जैम के माध्यम से खरीदा जा रहा है। मटीरियल्स एण्ड सप्लाई के अंतर्गत खरीदा गया खेल सामान बिल्कुल घटिया किस्म का मिलता रहा है। निम्न दर्जे के हाई जम्प व कबड्डी मैट, मुक्केबाजी रिंग व अन्य खेलों के घटिया उपकरण इसके उदाहरण आज भी देख जा सकते हैं। इस स्कीम के अंतर्गत खरीदे जिम एक साल तो दूर, कुछ महीनों बाद ही कबाड़ हो जाते हैं। लाखों रुपए का खेल सामान तो खरीद लिया, मगर यह कोई नहीं सोचता है कि यह काम में भी लाया जा सकता है या नहीं। इस खेल सामान खरीदने के लिए बनी कमेटी में निदेशालय के अधिकारी व बाबू होते हैं जिन्होंने अपनी जिंदगी में शायद ही कोई खेल खेला हो और जो थोड़ा बहुत खेल खेले हैं और खेल सामान की परख भी रखते हैं, वे भी अपने थोड़े लाभ के लिए आंखें बंद कर लेते हैं। आज जब खेल में स्वास्थ्य स्कीम के अंतर्गत कई करोड़ रुपयों की कृत्रिम प्ले फील्ड जूडो, कुश्ती व खो-खो आदि खेलों के लिए खरीद कर विद्यालयों व महाविद्यालय को दी जा रही है, जहां भी खेल सामान खरीदना हो, वहां पर खरीददारी के लिए जो कमेटी बने, उसमें जिस भी खेल का सामान खरीदना है, उस खेल का प्रशिक्षक व कम से कम दो राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी भी विभागीय अधिकारियों के साथ हों।

जिस संस्थान को सामग्री मिले, वहां भी कमेटी देखे कि वह घटिया स्तर का तो नहीं दे दिया। अच्छी प्रशिक्षण सुविधा के अभाव में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी समय से पहले ही खेल को अलविदा कह जाते हैं और जिनके पास धन व साधन हैं, वे अच्छे प्रशिक्षण के लिए हिमाचल प्रदेश से पलायन कर जाते हैं। हिमाचल प्रदेश में बहुत कम प्रशिक्षण केन्द्र हैं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाला खिलाड़ी बनने के लिए स्कूल व कालेज समय में खिलाड़ी को अच्छी खेल सुविधा उपलब्ध करानी चाहिए। पूरे संसार में जहां के खिलाड़ी श्रेष्ठ हैं, वहां पर स्कूल व कालेज स्तर पर बहुत ही उत्तम खेल सुविधाएं मुहैया हैं। इस स्तर पर अगर हिमाचल प्रदेश में घटिया खेल सामान न खरीद कर उच्च क्वालिटी का खेल सामान खरीदा होगा, तो स्तरीय खेल सुविधा होगी तो जहां जो खिलाड़ी प्रशिक्षण सुविधाओं के अभाव में खेल छोड़ देते हैं, वे अपने घर में रह कर खेल जारी रख सकते हैं। खेल सुविधाओं के लिए पलायन करने वालों को भी जब अपने ही राज्य में रह कर अपना प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा करने के लिए सुविधा मिलेगी, तो वे फिर क्यों अपना प्रदेश छोड़ेंगे। बात चाहे शिक्षा निदेशालय की हो या किसी भी संस्थान की, अब हिमाचल प्रदेश में उचित मूल्य चुका कर घटिया किस्म का खेल सामान खरीद कर करोड़ों रुपए की बंदरबांट को बंद करके असली खेल सामान खरीद कर हिमाचल प्रदेश के खिलाडियों व देश के गौरव पर तो कुछ दया करो।

आप का नजरिया

किसे कहेंगे घुसपैठिया

फिल्म अभिनेता सैफ अली खान अस्पताल से घर लौट आए हैं। राजनेताओं की भाषा के मुताबिक, सैफ 'टनाटन' और बिल्कुल स्वस्थ नजर आ रहे हैं। हमले के मात्र पांच दिन बाद ही सैफ बिल्कुल ठीक हो गए, उनके गहरे जख्म भी भर गए, वाह! चमत्कार हो गया। यही हमारी राजनीति की भाषा है। हमारे नेताओं के ऐसे वाहियात और बेमानी विश्लेषण हैं कि वे सैफ पर जानलेवा हमले और बांग्लादेशी अभियुक्त को लेकर सवाल कर रहे हैं। बहरहाल हम इस मुद्दे को यहीं छोड़ते हैं, क्योंकि पुलिस और अन्य एजेंसियों को सम्यक जांच करने की पूरी स्वतंत्रता दी जानी चाहिए। यह नेताओं के संदेहों और सवालों का क्षेत्र भी नहीं है। हमारा बुनियादी सरोकार यह है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्या मुसलमानों का मुद्दा एकदम 'राष्ट्रीय' बन गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने महाराष्ट्र सरकार को अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया है। बाकायदा राज्य के गृह विभाग को एक पत्र लिखा गया है। सैफ के हमले ने यह मुद्दा एक बार फिर गरमा दिया है। पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा राज्यों की सीमाओं पर अवैध घुसपैठियों की धरपकड़ अचानक बढ़ गई है और उन्हें वापस बांग्लादेश में खदेड़ा जा रहा है। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने पुलिस आयुक्त को पत्र लिखा था, जिसके बाद बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ तलाशी अभियान बढ़ गए हैं। अलबत्ता बांग्लादेश वापस भेजने की कोई खबर नहीं आई है, क्योंकि राष्ट्रीय राजधानी के गली-मुहल्लों में बांग्लादेशी दशकों से सक्रिय हैं। वे जीवन और समाज का हिस्सा बने हैं। वे रिक्शा चलाते हैं। उनकी औरतें घरों में काम करती हैं। इलाके के ढाबों और दुकानों पर बांग्लादेशी मजदूरी करते हैं। वे सहकारी सोसायटी के फ्लैटों में निर्माण, मरम्मत, बढ़ई, प्लंबर और एयर कंडीशनर मैकेनिक के तौर पर खुलेआम, सालों से काम कर रहे हैं। उनके पास आधार कार्ड, वोटर आई कार्ड, राशन कार्ड जैसे सरकारी दस्तावेज हैं। वे 'प्रधानमंत्री की मुफ्त अनाज' योजना का भी लाभ उठा रहे हैं। वे आम आदमी पार्टी के चुनावी लाभार्थी समूह में भी शामिल हैं। कानूनन वे 'भारतीय' हैं। उनकी पुश्तैनी जड़ें अधिकतर बंगाल, असम, त्रिपुरा आदि राज्यों से जुड़ी हैं। ऐसे में किसे 'घुसपैठिया' करार देंगे और किस पर 'अवैध प्रवासी' का संदेह कर कानूनी कार्रवाई करेंगे? दरअसल बांग्लादेश से पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, असम, मेघालय और मिजोरम राज्यों की सीमाएं लगती हैं। अधिकतर सीमाएं खुली हैं। हालांकि करीब 77 फीसदी सीमा पर बाड़बंदी का काम किया जा चुका है, लेकिन दोनों देशों के बीच कुछ सीमा-विवाद हैं, कुछ इलाके नदियों से सटे हुए हैं, जहां फेंसिंग नहीं की जा सकती। इन इलाकों के लोग भी बाड़ का विरोध करते रहे हैं। लिहाजा बांग्लादेश से त्रिपुरा, असम, बंगाल के जरिए लोग आते-जाते रहे हैं। पकड़े जाने पर वे खुद को असम, त्रिपुरा के निवासी बताते हैं। दस्तावेज भी होते हैं, तो प्रशासन और पुलिस उन्हें हिरासत में कैसे रख सकते हैं? हमारे देश में ऐसे भी गिरोह सक्रिय हैं, जो फर्जी कार्ड और दस्तावेज बनवा देते हैं। यह भी नए किस्म का भ्रष्टाचार और देशद्रोह है। चूंकि सैफ अली खान वीआईपी शख्स हैं, लिहाजा उनके घर में घुसने और हमला करने का यह मामला सुर्खियों में आ गया।

पाकिस्तान संसद के संयुक्त सत्र में हंगामे के बीच चार विधेयक पारित, पीईसीए पर नारेबाजी

इस्लामाबाद, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

मुल्क के प्रमुख विपक्षी दल पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के सांसदों के हंगामे के बीच संघीय सरकार ने संसद के संयुक्त सत्र में चार विधेयकों को पारित कर दिया। पीटीआई नेता हाथों में तख्तियां लेकर सदन में दाखिल हुए और पीईसीए अधिनियम अस्वीकार्य और पत्रकारों का उत्पीड़न अस्वीकार्य जैसे नारे लगाए। पत्रकारों ने इलेक्ट्रॉनिक अपराध निवारण अधिनियम (पीईसीए) 2016 में गुरुवार को किए गए संशोधनों का विरोध करते हुए सत्र को कवर करते समय बाजू पर काली पट्टियां बांधी। विपक्षी नेता उमर अयूब के औचित्य के प्रश्न पर बोलने के अनुरोध को नेशनल असेंबली अध्यक्ष अयाज सादिक ने खारिज कर दिया। इस पर विपक्षी सदस्यों ने अपनी सीटों पर खड़े होकर नारे लगाए और विधायी एजेंडे की प्रतियां फाड़ दीं। हंगामे के बावजूद सरकार चार विधेयकों को पारित करने में सफल रही। यह विधेयक हैं- व्यापार संगठन (संशोधन) विधेयक 2021, आयात और निर्यात नियामक (संशोधन) विधेयक 2023, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान विधेयक 2024, राष्ट्रीय उत्कृष्टता संस्थान विधेयक 2024। हालांकि राष्ट्रीय मानव विकास आयोग (संशोधन) विधेयक 2023, एनएफसी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी मुल्तान (संशोधन) विधेयक 2023, राष्ट्रीय कौशल विश्वविद्यालय इस्लामाबाद (संशोधन) विधेयक 2023, कला, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए संघीय उर्दू विश्वविद्यालय इस्लामाबाद (संशोधन) विधेयक 2023 पारित नहीं हो सके। सत्र 18 मिनट तक चला। सत्र समाप्त होने के बाद पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी संसद पहुंचे। फिलहाल संसद के निचले सदन में विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी और हंगामा जारी है। कल इलेक्ट्रॉनिक अपराध निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2025 पारित होने से पहले विपक्षी दलों ने वाकआउट किया था। पत्रकार संगठनों ने इस संशोधन की कड़ी आलोचना की है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका में पूर्व पुलिस अधिकारी जेफरी नेल्सन को हत्या के केस में 16 साल और आठ महीने जेल की सजा

केंट (अमेरिका)। केंट के मालेंग क्षेत्रीय न्याय केंद्र (अदालत) ने गुरुवार को 26 वर्षीय जेसी सारे हत्याकांड पर फैसला सुना दिया। अदालत ने पूर्व पुलिस अधिकारी जेफरी नेल्सन को दोषी ठहराते हुए 16 साल और आठ महीने जेल की सजा सुनाई। जेसी सारे की 31 मई, 2019 को ऑबर्न बाजार के आसपास गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। सजा का ऐलान किंग काउंटी सुपीरियर कोर्ट के न्यायाधीश निकोल गेन्स फेल्प्स ने किया। जेफरी नेल्सन को वाशिंगटन में गिरफ्तार किया गया था। इस फैसले से वह ऑन-ड्यूटी हत्या के लिए दोषी ठहराए जाने वाले पहले पुलिसकर्मी बन गए। न्यायाधीश फेल्प्स ने लगभग अधिकतम सजा सुनाई। अभियोजन के अनुसार, जेसी सारे को 31 मई, 2019 को ऑबर्न बाजार के बाहर गिरफ्तार करने के दौरान गोली मारी गई थी। अभियोजन ने राज्य की मानक सीमा के तहत सबसे लंबी सजा 18 साल और चार महीने की मांग की थी। अदालत ने जेफरी नेल्सन के चाल-चलन को देखते हुए 16 साल और आठ महीने जेल की सजा सुनाई। जून में एक जूरी ने पूर्व पुलिस अधिकारी 46 वर्षीय नेल्सन को सेकेंड-डिग्री हत्या और फर्स्ट-डिग्री हमले का दोषी ठहराया था। ऑबर्न पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी सैम बेट्ज का कहना है कि नेल्सन का आचरण अच्छा रहा है। उन्होंने वीरता पुरस्कार भी दिया गया था। इसी वजह से हत्या का आरोप लगने के बाद पुलिस भर्ती पोस्टरों पर उनकी छवि का इस्तेमाल किया गया।

खालिदा जिया को लंदन में अस्पताल से बेटे के घर शिफ्ट करने की तैयारी

लंदन। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष बेगम खालिदा जिया को अस्पताल से उनके

बेटे तारिक रहमान के लंदन स्थित किंग्स्टन निवास पर शिफ्ट किया जाएगा। उनके निजी चिकित्सक ने कहा कि वयोवृद्ध बेगम खालिदा जिया का इलाज अब तारिक रहमान के घर पर होगा। बेगम खालिदा इस समय द लंदन क्लिनिक में भर्ती हैं। बेगम खालिदा के निजी चिकित्सक और बीएनपी स्थायी समिति के सदस्य डॉ. एजेडएम जाहिद हुसैन ने गुरुवार को स्थानीय समयानुसार रात करीब 10 :30 बजे द लंदन क्लिनिक के सामने पत्रकारों से यह जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि खालिदा जिया शुक्रवार रात को बेटे के घर जा सकती हैं। घर पर डॉ. पैट्रिक कैनेडी और डॉ. जेनिफर क्रॉस की देखरेख में उनका इलाज जारी रहेगा। उन्होंने खालिदा जिया के ठीक होने की प्रार्थना की है। डॉ. जाहिद ने कहा कि अगर उनकी सेहत में सुधार इसी दर से जारी रहा तो वह जल्द ही बांग्लादेश लौट सकती हैं। हालांकि डॉ. जाहिद ने साफ किया कि लीवर प्रत्यारोपण के संबंध में अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी कि खालिदा जिया की उम्र और शारीरिक स्थिति को देखते हुए लिवर प्रत्यारोपण की संभावना फिलहाल कम है।

तीन छात्राओं की हत्या करने वाले युवक को उम्र कैद, 52 साल बाद पैरोल पर होगा विचार

लंदन । ब्रिटेन में 3 स्कूली छात्राओं की हत्या के मामले में दोषी करार एक 18 साल के युवक को कठोर सजा

सुनाई गई है। कोर्ट ने दोषी युवक को उम्रकैद की सजा सुनाई है। उसे कम से कम 52 साल की सजा काटनी होगी, तब जाकर उसके पैरोल पर विचार किया जाएगा।अक्सेल रुडाकुबाना (जो हत्या के समय 17 साल का था) ने सात से 13 साल के आठ अन्य बच्चों, योग ट्रेनर लीन लुकास और बिजनेसमैन जॉन हेस की हत्या का प्रयास करने का भी अपराध स्वीकार किया था। लिवरपूल क्राउन कोर्ट में सजा सुनाते हुए जज जूलियन गूज ने कहा कि अगर रुडाकुबाना हमले के समय 18 साल का होता, तो उसे पूरी जिंदगी जेल में बितानी पड़ती और उसे कभी रिहाई का मौका नहीं मिलता। जज ने कहा, वह अपनी जिंदगी का लगभग पूरा हिस्सा हिरासत में बिताएगा। मुझे लगता है कि उसे कभी रिहा नहीं किया जाएगा और वह अपनी पूरी जिंदगी हिरासत में रहेगा। पिछले साल जुलाई में उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड के साउथपोर्ट में टेलर स्विफ्ट थीम वाले योग और डांस वर्कशॉप में तीन स्कूली लड़कियों की हत्या करने का अपराध स्वीकार किया था। उसको गुरुवार को उम्रकैद की सजा सुनाई गई। जज ने फैसला सुनाते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष ने स्पष्ट किया है कि यह अपराध आतंकवाद की परिभाषा के अंतर्गत नहीं आता है।

पाक में स्वतंत्र पत्रकारिता करना मुश्किल मानवाधिकार आयोग की रिपोर्ट में दावा

लाहौर, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

पाकिस्तान में स्वतंत्र पत्रकारिता की राह और मुश्किल हो गई है। स्वतंत्र पत्रकारिता के पक्षधर मीडिया आउटलेट्स को कड़े प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बात बेमानी हो जाती है। पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) की ताजा रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने गुरुवार को पिछले दो वर्षों के दौरान देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की स्थिति पर अपनी रिपोर्ट जारी की है। यह रिपोर्ट पत्रकार माहिम माहेर के शोध पर आधारित है। इसमें मीडिया के सामने मुश्किलें खड़ी कर रहे अपवित्र गठबंधनों की भी चर्चा की गई है।

इस रिपोर्ट में अप्रैल 2022 में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ पारित अविश्वास प्रस्ताव के बाद से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बिगड़ती स्थिति का विस्तृत विवरण है। रिपोर्ट में मीडिया के कुछ वर्गों पर कड़े प्रतिबंध और दूसरों के लिए उदारता पर चिंता व्यक्त की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि फंदा निस्संदेह कड़ा हो गया है। एक पत्रकार की हत्या और अन्य को जबरन गायब कर भय पैदा किया गया। सोची-समझी प्रेस सलाह और डिजिटल स्वतंत्रता को नियंत्रित करने के कानूनी बदलाव मुल्क में स्वतंत्र पत्रकारिता की राह में रोड़ा खड़ कर रहे हैं।

एचआरसीपी की रिपोर्ट में कहा गया है कि मुल्क में सेंसरशिप के बढ़ते खतरे के बीच डिजिटल मीडिया फिलहाल खुलकर लिख रहा है। इस बीच बड़े मीडिया घरानों में भरोसे की कमी का फायदा सत्ता प्रतिष्ठान ने जमकर उठाया है। यह रिपोर्ट एक ऐसे राष्ट्र की गंभीर तस्वीर पेश करती है जहां कानूनी, संस्थागत और गुप्त दबावों के संयोजन से बोलने की आजादी को खत्म कर दिया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि सबसे चिंताजनक निष्कर्षों में से एक सॉफ्टवेयर अपडेट का बढ़ना है।यह शब्द पत्रकारों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के अपहरण, पूछताछ और जबरदस्ती अनुपालन के लिए इस्तेमाल किया जाता है। सॉफ्टवेयर अपडेट के परिणामस्वरूप अकसर जबरन स्वीकारोक्ति कराई जाती है। इसका मकसद ईमानदार पत्रकारों को उनकी भूमिकाओं से अलग करना होता है। जोर-जुल्म की वजह से वह अपना काम स्वतंत्र रूप से जारी रखने में असमर्थ हो जाते हैं। 2024 के आम चुनाव सही रिपोर्टिंग मीडिया कवरेज पर अभूतपूर्व प्रतिबंधों के कारण बाधित हुई।

एचआरसीपी के अनुसार, पत्रकारों को स्पष्ट रूप से निर्देश दिया गया कि वह इमरान खान या उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) का नाम लेने से बचें। न्यूज रूम के एक कर्मचारी ने तीन मिनट की एक संक्षिप्त बैठक के बारे में बताया कि संघीय सरकार के प्रतिनिधियों ने आदेश दिया था कि इमरान खान का नाम ऑन एयर नहीं लिया जाएगा।

इस रिपोर्ट में 2022 में केन्या में एआरवाई के पत्रकार अरशद शरीफ की हत्या पर चिंता जताई गई है। इसमें कहा गया है कि इससे समाचार कक्षों में डर व्याप्त हो गया।

पत्रकारों ने बचने के लिए बीच का रास्ता अपना लिया।

रिपोर्ट में पाकिस्तान में सेंसरशिप की विरोधाभासी प्रवृत्ति पर भी चर्चा की गई है। इसमें कहा गया कि कई आवाजों को दबा दिया गया। इससे सरकार समर्थक लोग बेलगाम हो गया। सरकार से असहमत लोगों की मुश्किल बढ़ गई। दमनकारी हालात के बीच एचआरसीपी को लग रहा है कि सोशल मीडिया प्रतिरोध के लिए बड़े मंच के रूप में उभर रहा है।

एचआरसीपी ने चेतावनी दी कि महत्वपूर्ण आवाजों को दबाने से न केवल लोकतंत्र कमजोर होगा बल्कि संस्थानों में जनता का भरोसा भी कम होगा। रिपोर्ट में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार की रक्षा के लिए तत्काल कदम उठाने का आह्वान किया गया है।

हमास का खात्मा नहीं कर पाया इजराइल , गाजा फिर लड़ाकों के कब्जे में

गाजा, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

हमास और इजरायल के बीच चली जंग में हजारों लोग मारे गए और लाखों लोगों का घरौंदा मिट गया। ये सिर्फ इसलिए हुआ कि इजरायल हर हाल में गाजा को हमास से मुक्त कराना चाहता था। दोनों तरफ की बर्बादी के बाद भी स्थित वहीं की वहीं हैं और गाजा पर हमास का कब्जा नहीं हटा। सड़कों पर हमास के लड़ाके दिख रहे हैं और इजरायल का हमास को खत्म करने का संकल्प अधूरा रह गया।

इजरायल के सैन्य प्रमुख हर्जी हलेवी ने मार्च की शुरुआत में घोषणा की थी कि वे इस्तीफा दे देंगे क्योंकि सेना 7 अक्टूबर के हमले को रोकने में विफल रही थी।

उनको भी अपने शेष जीवन में इन अपमानजनक तस्वीरों के साथ जीना होगा।7 अक्टूबर के हमले की पहली बरसी के अवसर पर सैनिकों को भेजे गए एक पत्र में, उन्होंने दावा किया था कि इजरायली सेना ने हमास की सैन्य शाखा को हरा दिया है और इसकी क्षमताओं को नष्ट करने के लिए लड़ाई जारी रखी है।

जबकि इजरायल के अंदर और बाहर के एक्सपर्ट और सैनिक एक्सपर्ट चेतावनी दे रहे थे कि हमास के लड़ाकों को हराना असंभव था, जो अपनी छीनी हुई जमीन के लिए अपने जीवन का बलिदान करने के लिए पूरे दिल से तैयार थे।

ये चेतावनियां गाजा में नरसंहार के दिनों में सुनाई गईं, लेकिन राजनीतिक और सैन्य अधिकारियों ने उनकी एक न सुनी। यूरोपीय काउंसिल फॉर फॉरेन रिलेशंस (ईसीएफआर) नामक थिंक टैंक के मुताबिक हमास ने करीब 6,000 लड़ाकों को खो दिया है, लेकिन ऐसा लगता है कि वे अपने रिजर्व से लगभग 6,000 सदस्यों की भर्ती कर रहे हैं।

गाजा में हमास लड़ाकों की फिर से हर जगह दिख रही मौजूदगी ने इजरायल को झकझोर कर रख दिया है। हमास लड़ाकों की फिर से मौजूदगी ने साबित कर दिया है कि 470 दिनों की लगातार बमबारी और जमीनी हमले ज्यादातर निरर्थक रहे हैं।

युवाओं की जय-जयकार के बीच हमास के लड़ाकों की फिर से मौजूदगी उन इजरायली नेताओं को लगातार परेशान करती रहेगी, जो इस भ्रम में थे कि वे उन लड़ाकों को खत्म कर सकते हैं, जिन्होंने अपने अधिकारों के लिए कई दशकों से संघर्ष किया है।

हमास लड़ाकों की फिर से मौजूदगी ने साबित कर दिया है कि फिलिस्तीनी कभी भी आजादी और न्याय के अपने अधिकारों को नहीं छोड़ेंगे।

ग्लास पिरामिड प्रवेश स्थल के पास से निकलते हुए पर्यटक

पेरिस में म्यूजियम के ग्लास पिरामिड प्रवेश स्थल के पास से निकलते हुए पर्यटक।

ट्रंप ने बताया यूक्रेन युद्ध को तुरंत रोकने का फॉर्मूला,कहा- कम करें तेल की कीमतें

वाशिंगटन, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सऊदी अरब और पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन के दूसरे देशों से तेल की कीमतें कम करने को कहा है। ट्रंप ने कहा कि तेल की कीमतें कम होने से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को तत्काल खत्म करने में मदद मिलेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने स्विटरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक के दौरान ये बात कही है। एक दिन पहले ही ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए चेतावनी दी थी।

दावोस में बैठक को वर्चुअली संबोधित करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मैं सऊदी अरब और ओपेक से भी तेल की कीमत करने के लिए कहने जा रहा हूं। आपको इसे कम करना ही होगा। सच कहूं तो मुझे आश्चर्य है कि उन्होंने चुनाव से पहले ऐसा क्यों नहीं किया। ऐसा न करके उन्होंने बहुत प्यार नहीं दिखाया। मैं इससे थोड़ा हैरान हूं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूक्रेन में जो कुछ हो रहा है, उसके लिए ओपेक देशों को एक हद तक जिम्मेदार ठहराया।

उन्होंने कहा कि अगर तेल की कीमत कम हो जाती है तो रूस-यूक्रेन युद्ध तुरंत खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अभी तेल की कीमत इतनी अधिक है कि युद्ध जारी रहेगा। आपको तेल की कीमत करनी होगी। आपको युद्ध समाप्त करना होगा। उन्हें यह बहुत पहले कर देना चाहिए था। जो कुछ हो रहा है, उसके लिए वे एक हद तक जिम्मेदार हैं। रिपब्लिकन नेता ने तेल की कीमतों के साथ ही ब्याज दरों को भी तुरंत कम करने की मांग की।

लंदन में कंगना की फिल्म इमरजेंसी पर बवाल, स्क्रीनिंग रुकी, ब्रिटेन की संसद में गूंज

लंदन, 23 जनवरी (एजेंसियां)।

कंजर्वेटिव सांसद बॉब ब्लैकमैन ने कहा है कि ब्रिटेन में भारतीय अभिनेत्री कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी के प्रदर्शन पर बाधा डालने वाले आतंकवादी हैं। उन्होंने गृह सचिव यवेटे कूपर से दखल देने का आग्रह किया है। ब्लैकमैन ने हाउस ऑफ कॉमन्स (ब्रिटेन की संसद के निचले सदन) में कहा कि दर्शकों को शांति और सद्भाव के साथ फिल्म देखने के लिए कारगर उपाय किए जाएं।

रिपोर्ट को उद्धृत करते हुए यह जानकारी दी। द हेराल्ड की खबर के अनुसार, हैरो ईस्ट का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसद बॉब ब्लैकमैन ने कहा कि व्यू सिनेमा श्रृंखला के हैरो स्थित सिनेमा हाल में विवादास्पद बॉलीवुड फिल्म इमरजेंसी की स्क्रीनिंग में बाधा डालने वाले नकाबपोश प्रदर्शनकारी आतंकवादी हैं। उन्होंने कहा कि वह अपने कुछ दोस्तों के साथ रविवार को टिकट खरीदकर हैरो व्यू सिनेमा में फिल्म इमरजेंसी की स्क्रीनिंग को देखने गए। करीब 30 से 40 मिनट बाद नकाबपोश खालिस्तानी आतंकवादी घुस आए। नकाबपोशों ने दर्शकों को धमकी दी और फिल्म का प्रदर्शन रोक देने को मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसा ही वॉल्वरहैम्प्टन, बर्मिंघम, स्लो, स्टेंस और मैनचेस्टर में हुआ है। इसका नतीजा यह हुआ है कि व्यू सिनेमाज और सिने वर्ल्ड ने इस फिल्म का प्रदर्शन रोक दिया है। कंजर्वेटिव सांसद बॉब ब्लैकमैन ने कहा कि वह फिल्म की गुणवत्ता या सामग्री पर टिप्पणी नहीं करना चाहते। फिल्म देखना दर्शकों का अधिकार है। उनके अधिकार की रक्षा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उनके निर्वाचन क्षेत्र के दर्शकों को फिल्म देखने में दिक्कत न हो, इसके तत्काल उपाय किए जाएं। हाउस ऑफ कॉमन्स नेता लुसी पॉवेल ने कहा, बॉब ब्लैकमैन ने महत्वपूर्ण मामला उठाया है। मैं निश्चित रूप से यह सुनिश्चित करूंगा कि उन्हें और पूरे सदन को यह जानकारी मिले कि सरकार ने इस दिशा में क्या कदम उठाए हैं। इस पर ब्लैकमैन ने सवाल किया कि क्या अगले हफ्ते गृह सचिव का बयान आ सकता है हाउस ऑफ कॉमन्स में मुद्दा उठने के बाद मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने कहा कि सिनेमा हाल में घुसे लगभग 30 प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर कर दिया पर कोई गिरफ्तारी नहीं हुई। इमरजेंसी फिल्म 1975 से 1977 के मध्य के भारतीय कालखंड पर केंद्रित है। भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाकर राजनीतिक विरोधियों को जेल में डाल दिया। प्रेस की स्वतंत्रता पर रोक लगा दी गई।

अंगूठे की चोट से उबरे कुहनेमन, श्रीलंका दौरे के लिए मिली मंजूरी

मेलबर्न, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के स्पिनर मैथ्यू कुहनेमन को अंगूठे की चोट की सर्जरी के बाद ठीक होने के बाद दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए हरी झंडी दे दी गई।

पिछले हफ्ते बिग बैश लीग (बीबीएल) के मुकाबले के दौरान कुहनेमन का दाहिना अंगूठा टूट गया था, लेकिन वर्तमान में, वह गुरुवार को अभ्यास सत्र के दौरान नेट्स में अच्छी गेंदबाजी करने में सफल रहे हैं।

हीट के फिजियो एडम स्मिथ की देखरेख में उन्होंने क्षेत्ररक्षण करते हुए कुछ कैच भी लपके।

गुरुवार को ब्रिसबेन में सफल अभ्यास सत्र के बाद, कुहनेमन श्रीलंका में आगामी दो मैचों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में शामिल होने की मंजूरी मिलने के प्रति आशावादी हैं।

कुहनेमन के साथ विक्टोरियन बल्लेबाज ओलिवर पीक भी शामिल होंगे,18 वर्षीय खिलाड़ी, जिन्होंने पिछली गर्मियों में ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 विश्व कप जीत में अहम भूमिका निभाई थी, ने पिछले सप्ताह मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए हीट के खिलाफ़ अपना बीबीएल डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने 19 रन बनाए थे।

कुहनेमन की रिकवरी ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। बाएं हाथ के इस खिलाड़ी को दाएं हाथ के नाथन लियोन और टॉड मर्फी के बाद पसंदीदा चयन विकल्प माना जा रहा है।

28 वर्षीय खिलाड़ी ने 2023 में भारत के अंतिम उपमहाद्वीप दौरे पर टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया, संभावित चार टेस्ट मैचों में से तीन खेले और इंदौर में ऑस्ट्रेलिया की जीत की पहली पारी में पांच विकेट लिए। लेकिन कुहनेमन को टीम में शामिल करने की मंजूरी कूपर कोनोली की 29 जनवरी से शुरू होने वाली दो मैचों की सीरीज में चौंकाने वाला टेस्ट डेब्यू करने की उम्मीदों को झटका दे सकती है।

कोनोली ने केवल चार प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं और अभी तक उस स्तर पर एक भी विकेट नहीं लिया है। 21 वर्षीय खिलाड़ी के लिए अब टेस्ट डेब्यू करना मुश्किल लग रहा है।

ऑस्ट्रेलिया के श्रीलंका दौरे का कार्यक्रम इस प्रकार है-

- पहला टेस्ट: 29 जनवरी-2 फरवरी, गॉल।
- दूसरा टेस्ट: 6-10 फरवरी, गॉल।
- पहला वनडे: 12 फरवरी, कोलंबो।
- दूसरा वनडे: 14 फरवरी, कोलंबो।

ऑस्ट्रेलिया टेस्ट टीम:

स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबॉट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली, ट्रैविस हेड (उपकप्तान), जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टास, मैट कुहनेमन , मार्नस लैबुशेन, नाथन लियोन, नाथन मैकस्वीनी, टॉड मर्फी, मिशेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर ।

न्यूज ब्रीफ

वर्ल्ड पैडल लीग : टीम पैंथर्स का मालिक बना सोहेल खान एंटरटेनमेंट, मुंबई के नेस्को सेंटर में 5 से 8 फरवरी तक आयोजित होगी वर्ल्ड पैडल लीग

मुंबई। वर्ल्ड पैडल लीग (डब्ल्यूपीएल) ने गुरुवार को बॉलीवुड के मशहूर निर्माता और अभिनेता सोहेल खान के स्वामित्व वाले सोहेल खान एंटरटेनमेंट को टीम पैंथर्स का आधिकारिक मालिक घोषित किया। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट भारत में पहली बार 5-8 फरवरी के बीच मुंबई के नेस्को सेंटर में आयोजित होगा, जिसमें दुनिया के शीर्ष पैडल खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। सोहेल खान एंटरटेनमेंट, जो 'प्यार किया तो डरना क्या', 'जय हो', 'पार्टनर' और 'फ्रीकी अली' जैसी हिट फिल्मों के निर्माण के लिए जाना जाता है, अब खेल जगत में अपनी नई पारी शुरू कर रहा है। कंपनी इससे पहले 1000 से अधिक ऑन-ग्राउंड इवेंट आयोजित कर चुकी है और द-बैंग टूर जैसे बड़े शो का आयोजन कर चुकी है। इसके साथ ही, सोहेल खान सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग और मुंबई हीरोज़ टीम के सह-मालिक भी हैं। डब्ल्यूपीएल में अपनी भागीदारी पर सोहेल खान ने कहा, भारत में पैडल खेल की बढ़ती लोकप्रियता प्रभावशाली है। यह खेल समुदाय की भावना को बढ़ावा देता है, और विश्व पैडल लीग की शुरुआत भारत में इस खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। हमारी टीम पैंथर्स में विश्व स्तरीय प्रतिभाएँ शामिल हैं, और हमें उम्मीद है कि यह एक सफल संस्करण साबित होगा। वर्ल्ड पैडल लीग की निदेशक हेमाली शर्मा ने भी इस सहयोग पर उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, सोहेल खान एंटरटेनमेंट को वर्ल्ड पैडल लीग का हिस्सा बनाना हमारे लिए सम्मान की बात है। उनका जुड़ाव पैडल खेल की बढ़ती लोकप्रियता का प्रमाण है। हम इस साझेदारी से उत्साहित हैं और भारत में इस खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की उम्मीद करते हैं। लीग का प्रारूप और कार्यक्रम वर्ल्ड पैडल लीग तीन लीग चरण के दिनों के दौरान एकल राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेली जाएगी, जिसमें प्रत्येक टीम एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबला करेगी। लीग की शीर्ष दो टीमें 8 फरवरी को होने वाले फाइनल में भिड़ेंगी।

कपिल देव ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से पहले टीम इंडिया को दीं शुभकामनाएं

गुरुग्राम। दिग्गज भारतीय क्रिकेटर और पूर्व कप्तान कपिल देव ने 19 फरवरी से शुरू होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से पहले टीम इंडिया को शुभकामनाएं दी हैं। कपिल गुरुवार को गुरुग्राम के सत्या स्कूल में आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। मीडिया से बातचीत में विश्व कप विजेता कप्तान से टूर्नामेंट के लिए भारत को शुभकामनाएं दीं। आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी का नौवां संस्करण 19 फरवरी से 9 मार्च तक पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात में होने वाला है। आठ टीमों के इस टूर्नामेंट में 15 मैच 50 ओवर के होंगे और यह पाकिस्तान और दुबई में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट का सबसे बड़ा मैच दो चिर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान के बीच 23 फरवरी को दुबई में खेला जाएगा। भारत अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ करेगा। भारत का आखिरी लीग मैच 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ होगा। टूर्नामेंट के ग्रुप ए में मौजूदा चैंपियंस ट्रॉफी धारक और मेजबान पाकिस्तान, भारत, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश शामिल हैं, जबकि ग्रुप बी में क्रिकेट विश्व कप 2023 चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। भारत के ग्रुप चरण के मैच: 20 फरवरी - भारत बनाम बांग्लादेश, दुबई ,23 फरवरी - भारत बनाम पाकिस्तान, दुबई, 2 मार्च - भारत बनाम न्यूजीलैंड, दुबई।

इंडोनेशिया मास्टर्स : क्वार्टर फाइनल में पहुंचे चीनी शटलर

जकार्ता। चीनी शटलर गुरुवार को जकार्ता के इस्तोरा सेनयान स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित 2025 इंडोनेशिया मास्टर्स में चार श्रेणियों में क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। चीन की दुनिया की 10वें नंबर की मिश्रित युगल जोड़ी गुओ शिनवा और चेन फांगहुई ने चीनी ताइपे की चेन चेंग कुआन और ह्सू यिन-हुई को मात्र 29 मिनट में 21-10, 21-18 से हराकर अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की कर ली। क्वार्टर फाइनल में गुओ और चेन का सामना हमवतन चेंग जिंग और झांग ची से होगा, जिन्होंने साथी चीनी जोड़ी गाओ जियाक्सुआन और वू मेंगिंग पर 21-18, 18-21, 21-7 से जीत हासिल की। पुरुष युगल में, जी हाओनान और जेंग वेहान ने मलेशिया के टैन वी कियोंग और नूर मोहम्मद अज़िरयन अयूब पर 21-16, 21-14 से जीत हासिल की। इस बीच, महिला युगल में, जिया यिफान और झांग शुक्सियन ने अपनी टीम के साथी ली यिजिंग और लुओ ज़ुमिन को 21-11, 21-19 से हराकर अपना दबदबा दिखाया। पुरुष एकल में, चीन के विश्व नंबर 1 शि यूकी ने दक्षिण कोरिया के जियोन ह्योक-जिन पर 21-11, 21-14 से सीधी जीत हासिल की।

खो-खो विश्व कप विजेता भारतीय टीमों को केंद्रीय खेल राज्य मंत्री ने दी बधाई

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे ने शुक्रवार को हाल ही में खो-खो विश्व कप जीतने वाली भारतीय पुरुष और महिला टीमों से मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। खडसे ने कहा कि यह देश के लिए गर्व का क्षण है कि दोनों टीमों ने इस स्वदेशी खेल में पहला विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने इस जीत को पूरे देश, विशेष रूप से ग्रामीण भारत के लिए प्रेरणा बताया।

हमारी मिट्टी का खेल, हमारा गर्व

खडसे ने कहा, हमारी पुरुष और महिला दोनों टीमों ने जिस दबदबे के साथ विश्व कप जीता, उससे मुझे बहुत गर्व है। यह हमारी मिट्टी और गांवों का खेल है, जिसे अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने का श्रेय भारतीय खो-खो महासंघ (केकेएफआई) और खिलाड़ियों को जाता है। उन्होंने केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल और उनकी टीम की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने इस खेल को वैश्विक मंच पर स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई है।

प्रतीक वाइकर और प्रियंका इंगले ने दिलाया स्वर्ण पदक

भारतीय पुरुष टीम, जिसकी कप्तानी प्रतीक वाइकर कर रहे थे, ने फाइनल मुकाबले में नेपाल को हराया। वहीं, महिला टीम ने प्रियंका इंगले की अगुवाई में नेपाल के खिलाफ ऐतिहासिक जीत दर्ज की। पहले खो-खो विश्व कप में 6 महाद्वीपों के 23 देशों की 20 पुरुष और 19 महिला टीमों ने भाग लिया। यह टूर्नामेंट एक सप्ताह तक चला, जिसमें भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन बेहतरीन रहा।

महाराष्ट्र ने निभाई अग्रणी भूमिका

खडसे ने महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों के खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की और कहा, महाराष्ट्र, जहां इस खेल की शुरुआत हुई, ने शानदार योगदान दिया। अब यह हर खिलाड़ी की जिम्मेदारी है कि वे अपने क्षेत्र में इस खेल को बढ़ावा दें और नई पीढ़ी को प्रेरित करें।

महाराष्ट्र सरकार ने खिलाड़ियों को दिया बड़ा तोहफा

राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने 10 दिसंबर, 2024 से 11 जनवरी, 2025 तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक महीने का राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया। इस शिविर में 27 राज्यों के 60 पुरुष और 60 महिलाओं ने भाग लिया, जिसे केकेएफआई के समर्थन से आयोजित किया गया।

मित्तल ने सरकार की सराहना की

केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने विश्व कप के सफल आयोजन में सहयोग के लिए भारत सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया और राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने हर संभव सहायता प्रदान की। हमने चार साल बाद बर्मिंघम में अगले विश्व कप के आयोजन की घोषणा कर दी है और भारत में भविष्य की विश्व चैम्पियनशिप आयोजित करने की योजना पर विचार कर रहे हैं।

खिलाड़ियों को महाराष्ट्र सरकार का तोहफा

खडसे के अनुरोध पर महाराष्ट्र सरकार ने खो-खो विश्व कप में भाग लेने वाले राज्य के प्रत्येक खिलाड़ी को 2.25 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार और राज्य सरकार में प्रथम श्रेणी की नौकरी देने की घोषणा की है। यह कदम खो-खो को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के प्रयासों का हिस्सा है।

खो-खो को नई पहचान देने का प्रयास

रक्षा खडसे ने कहा कि सरकार खो-खो जैसे स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि केकेएफआई की योजनाओं को आगे बढ़ाने और खेल को लोकप्रिय बनाने के लिए केंद्रीय खेल मंत्री से चर्चा की जाएगी।

खो-खो विश्व कप में भारतीय खिलाड़ियों की इस उपलब्धि ने न केवल स्वदेशी खेलों के प्रति रुचि को पुनर्जीवित किया है, बल्कि नई पीढ़ी को इस खेल से जुड़ने के लिए प्रेरित किया है।

अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित पैरा शूटर रुबीना फ्रांसिस ने मानसिक स्वास्थ्य और चुनौतियों पर साझा किए अनुभव

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

पेरिस पैरालंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पैरा शूटर रुबीना फ्रांसिस ने हाल ही में गगन नारंग स्पोर्ट्स फाउंडेशन की पहल हाउस ऑफ ग्लोरी पॉडकास्ट में अपनी यात्रा और अनुभव साझा किए। इस बातचीत में उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी उपलब्धियों के लिए अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर अपनी भावनाएं भी व्यक्त कीं।

महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 श्रेणी में भारत का नाम रोशन करने वाली रुबीना ने कहा, अर्जुन पुरस्कार पाकर मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूं। यह मेरे और मेरे परिवार के लिए बेहद खास पल है। यह मेरे करियर की कड़ी मेहनत का परिणाम है।

उन्होंने बताया कि कैसे पिछले कुछ सालों में आई चुनौतियों ने इस उपलब्धि को और खास बना दिया।

टोक्यो से पेरिस तक का सफर

2020 टोक्यो पैरालंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए सातवां स्थान हासिल किया था। हालांकि, उस प्रदर्शन ने उन्हें गहरा झटका दिया और खेल छोड़ने का विचार उनके मन में आया।

उन्होंने बताया, टोक्यो में मेरे प्रदर्शन ने मुझे निराश कर दिया। मैंने खुद का विश्लेषण किया और अपनी कमियों को समझा।

इस अनुभव ने उन्हें मानसिक रूप से और मजबूत बनाया। उन्होंने कहा, मैंने महसूस किया कि खेल मनोविज्ञान कितना जरूरी है। टोक्यो के दौरान यदि मैंने इसका महत्व समझा होता, तो मेरा प्रदर्शन बेहतर होता।

पेरिस पैरालंपिक में पदक जीतने से पहले, रुबीना ने 2022 से 2024 तक कई कोटा मैचों में निरंतर हार का सामना किया। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और अपनी कमजोरियों को दूर करते हुए इतिहास रच दिया।

मानसिक स्वास्थ्य पर जोर

रुबीना ने अपने सफर में मानसिक स्वास्थ्य की अहमियत पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा, खेलों में मानसिक दृढ़ता बेहद जरूरी है। हार का असर कुछ समय तक रहता है, लेकिन उससे बाहर निकलना ही असली जीत है। मैंने सीखा कि खुद को कैसे सामान्य रखा जाए और आगे बढ़ा जाए।

रुबीना फ्रांसिस का यह सफर न केवल उनकी दृढ़ता और मेहनत का उदाहरण है, बल्कि देश के युवा खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणा है। अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित होकर उन्होंने न केवल अपनी उपलब्धियों को नया आयाम दिया है, बल्कि आने वाले समय में और ऊंचाइयों तक पहुंचने का भरोसा भी जताया है।

यूईएफए चैम्पियंस लीग फुटबॉल

पेरिस में यूईएफए चैम्पियंस लीग फुटबॉल में पेरिस सेंट जर्मेन और मैंनचेस्टर सिटी के खिलाड़ी खेलते हुए।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 : पीयर्स-गेडेकी की जोड़ी ने मिश्रित युगल खिताब जीता

मेलबर्न, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

आस्ट्रेलिया की ओलिविया गैडेकी और जॉन पीयर्स की जोड़ी ने शुक्रवार को मेलबर्न पार्क में ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 में मिश्रित युगल का खिताब जीत लिया है। खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए हमवतन किम्बर्ली बिरेल और जॉन-पैट्रिक स्मिथ की जोड़ी को 3-6, 6-4, 10-6 से हराया।

बिरेल और स्मिथ ने रॉड लेवर एरिना में शुरुआती सेट में 3-0 की बढ़त हासिल की और आसानी से 6-3 से पहला सेट जीत लिया।

गेडेकी और पीयर्स ने इसके बाद दूसरे सेट में कड़ी टक्कर दी और मुकाबले को बराबरी पर लाते हुए सेट 6-4 से अपने नाम किया। तीसरे सेट में भी कड़ी टक्कर हुई और अंत में गेडेकी-पीयर्स ने टाइब्रेक में सेट 10-6 से जीतकर खिताब अपने नाम किया।

यह गैडेकी का ग्रैंड स्लैम में पहला मिश्रित युगल खिताब था, जबकि पीयर्स ने इस श्रेणी में 2022 यू.एस. ओपन जीता था और यह उनका दूसरा खिताब है। 36 वर्षीय खिलाड़ी पीयर्स ने हमवतन मैथ्यू एबडेन के साथ पेरिस ओलंपिक में पुरुष युगल स्वर्ण और फिन हेनरी कोंटिनेन के साथ 2017 ऑस्ट्रेलियन ओपन भी जीता है। शुक्रवार का मैच ओपन युग में टूर्नामेंट का पहला ऑल-ऑस्ट्रेलियाई फाइनल था। इसके अलावा यह ऑस्ट्रेलियन ओपन का 14वां संस्करण भी है, जहां किसी घरेलू खिलाड़ी को कम से कम एक श्रेणी में चैंपियन का ताज पहनाया गया।

भारतीय पीडी क्रिकेट टीम को केंद्रीय खेल मंत्री ने किया सम्मानित, दिव्यांग खिलाड़ियों को मिलेगा पूर्ण सरकारी समर्थन

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने शुक्रवार को श्रीलंका के कोलंबो में आयोजित पीडी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जीतने पर भारतीय शारीरिक विकलांगता (पीडी) क्रिकेट टीम को सम्मानित किया। भारतीय टीम ने फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड को हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी।

दिल्ली स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण के मुख्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद और एक्सेसिबिलिटी संगठन 'स्वयं' द्वारा समर्थित टीम को विशेष सम्मान दिया गया।

इस मौके पर डॉ. मंडाविया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समावेशी खेल दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिव्यांग एथलीटों के प्रति प्रतिबद्धता को लेकर हमेशा आगे रहे हैं। 'दिव्यांग' होना कमजोरी नहीं, बल्कि एक विशेष क्षमता है। हमारी टीम ने यह साबित कर दिया है कि वे देश को गर्व महसूस करा सकते हैं। छह में से पांच मैच जीतकर और इंग्लैंड, श्रीलंका, और पाकिस्तान जैसी टीमों को हराना असाधारण उपलब्धि है।

भारतीय पीडी क्रिकेट टीम की चयन प्रक्रिया बेहद कठोर रही। उदयपुर में हुए ट्रायल्स में देशभर के 28 राज्यों से आए 450 से अधिक खिलाड़ियों में से 56 को जयपुर में आयोजित चैलेंजर ट्रॉफी के लिए चुना गया। अंत में 17 खिलाड़ियों को भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला।

डॉ. मंडाविया ने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा, पेरिस पैरालिंपिक से लेकर पीडी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 तक, हमारे 'दिव्यांग' एथलीट देश को गर्व के पल दे रहे हैं। सरकार आपके साथ हर कदम पर खड़ी है। आपकी उपलब्धियां देश के युवाओं को प्रेरणा देंगी।

सम्मान समारोह में पूरी टीम के साथ कोच, डीसीसीआई के महासचिव रविकांत चौहान, स्वयं की संस्थापक-चेयरपर्सन स्मिनू जिंदल, और खेल मंत्रालय के अधिकारी उपस्थित थे।

भारतीय पीडी क्रिकेट टीम की इस उपलब्धि ने दिव्यांग एथलीटों के प्रति सरकार और समाज की जिम्मेदारी को और अधिक मजबूत किया है।

प्रीमियम लिस्टिंग के बावजूद लोअर सर्किट पर पहुंचे ईएमए पार्टनर्स के शेयर

नई दिल्ली,24 जनवरी (एजेंसियां) ।

एग्जीक्यूटिव सर्च कंपनी ईएमए पार्टनर्स के शेयरों की स्टॉक मार्केट में 26.21 प्रतिशत प्रीमियम के साथ एंट्री हुई। कंपनी के शेयर 124 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 156.50 रुपये के स्तर पर हुई।

लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये उछल कर 158.80 रुपये के स्तर तक पहुंचा। हालांकि थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से ये गोता लगा कर 148.70 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। लोअर सर्किट लगने के बावजूद प्रीमियम ओपनिंग के कारण कंपनी के आईपीओ निवेशक अभी भी 19.92 प्रतिशत के फायदे में हैं।

ईएमए पार्टनर्स लिमिटेड का 76.01 करोड़ रुपये का आईपीओ 17 से 21 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 221.06 गुना सब्सक्राइब हो गया था।

इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 147.69 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 444.08 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 167.35 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

इस आईपीओ के तहत 66.14 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 5 रुपये फेस वैल्यू वाले 7.96 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी सब्सिडियरी में लीडरशिप टीम को बढ़ाने, अपने आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड करने, पुराने कर्ज को चुकाने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत उतार-चढ़ाव के बावजूद मजबूत हुई है।

वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 11.27 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में घट कर 3.07 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके बाद 2023-24 में शुद्ध लाभ में एक बार फिर बढ़ोतरी हुई और लाभ का ये आंकड़ा 38.41 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से जुलाई 2024 के बीच कंपनी को 4.37 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इसी तरह इस अवधि में कंपनी 26.33 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल कर चुकी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अमन को...

अगस्त 2024 में शेख हसीना के सत्ता से हटने और आवामी लीग सरकार के गिरने के बाद से ही बांग्लादेश में उथल-पुथल का माहौल है। हालांकि, इस बीच देश में मोहम्मद यूनुस को अमेरिका से लाकर अंतरिम सरकार के मुखिया के पद पर बिठाया गया। लेकिन यूनुस ने बांग्लादेश आते ही कट्टरपंथी इस्लामिक एजेंडे पर काम शुरू कर दिया। इसी कुचक्र में यूनुस ने बांग्लादेश को पाकिस्तान की गोद में बिठाना शुरू कर दिया। यूनुस पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से भी मिले और दोनों मौसेरे भाइयों ने रिश्ता बनाए रखने की कसमें खाईं। 2024 के आखिर में यूनुस-शहबाज मिस्र के काहिरा में भी मिले और 1971 के पहले और बाद के सभी गिले-शिकवे भुलाने का वादा किया। विडंबना यह है कि मोहम्मद यूनुस उस पाकिस्तान की गोद में जा बैठे, जिसने 1971 में बांग्लाभाषी मुसलमानों और हिंदुओं का नरसंहार किया, उनकी औरतों की इज्जत लूटी और भीषण लूट मचाई थी।मोहम्मद यूनुस ने आते ही व्यापार के क्षेत्र में पाकिस्तान को तवज्जो दी। पाकिस्तानियों के लिए वीजा और सुरक्षा जांचें सब खत्म कर दीं। इसके बाद ही बांग्लादेश के चटगांव बंदरगाह पर पाकिस्तान के कराची से आए एक पोत ने लंगर डाल दिया। बताया गया कि पनामा के झंडे वाले शिप एमवी युआन शांग फा झान खनिज पदार्थ लेकर बांग्लादेश आया था, लेकिन खुफिया एजेंसियां कहती हैं कि इस जहाज में आधुनिक हथियार, गोला-बारूद, आरडीएक्स जैसे विस्फोटक पदार्थ और अन्य घातक उपकरण वगैरह लदे थे। यह सिलसिला लगातार जारी है। अब तो दोनों देशों ने वीजा प्रक्रिया को बेहद आसान करके सीधी उड़ानें शुरू करने का भी फैसला लिया है। वर्ष 2018 के बाद से पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच कोई सीधी उड़ान नहीं थी।बांग्लादेश और पाकिस्तान के कितने करीब आ रहे हैं, इसका अंदाजा दोनों देशों के बीच बढ़ते सैन्य रिश्तों से भी लगाया जा सकता है। हाल ही में बांग्लादेशी सेना में लेफ्टिनेंट जनरल एसएम कमरुल हसन छह सदस्यीय सैन्य प्रतिनिधिमंडल के साथ पाकिस्तान पहुंचे थे। यहां उन्होंने पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर से मुलाकात की थी। हसन ने अपने पाकिस्तान दौर पर कई और पाकिस्तानी सैन्य अफसरों से मुलाकात की थी। तब पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग ने दोनों देशों के रिश्ते को भाईचारे वाला करार दिया था। इन दोनों सैन्य अधिकारियों ने बैठक में अपनी सेनाओं के बीच रिश्ते मजबूत करने के साथ अपनी साझेदारी को बाहरी दखल से बचाने की भी बात कही थी।

इस मुलाकात के बाद इसी हफ्ते की शुरुआत में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के प्रमुख असीम मलिक ढाका पहुंच गए। उनके इस दौरे को पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच सैन्य जुड़ाव को तेज करने की कोशिशों के तौर पर देखा जा रहा है। असीम मलिक के साथ इस सैन्य मंडल में आईएसआई के चार और अधिकारी शामिल रहे। इनमें आईएसआई के विश्लेषक महानिदेशक मेजर जनरल शाहिद आमिर अफसर भी शामिल रहे, जो चीन में पाकिस्तान के डिफेंस अटाशे के तौर पर काम कर चुके हैं। यह सैन्य प्रतिनिधिमंडल चार दिन के दौरे पर बांग्लादेश पहुंचा।

बांग्लादेश के चटगांव बंदरगाह के जरिए पाकिस्तान अपनी शैतानी गतिविधियां बढ़ा रहा है। शेख हसीना के शासन के दौरान यहां से भारत विरोधी गतिविधियों के होने की संभावना न के बराबर रही हैं। भारत का निगरानी तंत्र भी इस बंदरगाह पर लगातार नजर रखता था। दोनों सरकारों की चौकसी के कारण ही वर्ष 2004 में भारतीय अधिकारियों ने चीनी हथियारों से भरा एक शिपमेंट पकड़ा था, जिसे पाकिस्तान की आईएसआई ने भारत के पूर्वोत्तर में प्रतिबंधित किए गए यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा) के लिए भेजने की कोशिश की थी। पाकिस्तान ने 1990 और 2000 के दौर में बांग्लादेश से अपने व्यापार का बहाना करते हुए भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में बड़ी संख्या में हथियार भेजे। तब भारत ने शेख हसीना की मदद से पाकिस्तान के तनाव फैलाने के इरादों पर लगाम लगा दी थी।

समुद्री मार्ग से पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच व्यापार के बहाने भारत के पूर्वोत्तर में विद्रोही संगठनों की मदद की कोशिशें शुरू हो चुकी हैं। खासकर बांग्लादेश की तरफ से इन शिपमेंट्स की जांच न होने के बाद यह खतरा काफी बढ़ गया है। अब बांग्लादेश और पाकिस्तान मिलकर भारत के खिलाफ इस्लामिक चरमपंथ को बढ़ावा देने की हरकतें कर रहे हैं। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच बढ़ते कट्टरपंथी इस्लामिक रिश्तों के चलते भारत की सुरक्षा चुनौतियां भी बढ़ गई हैं। इसके अलावा दक्षिण एशिया में बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों को लेकर भी भारत में चिंता जताई जा रही है। बांग्लादेश में पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा प्रक्रिया आसान होने से बांग्लादेश में कई ऐसे तत्व भी पहुंच रहे हैं जो भारत-विरोधी हितों के लिए काम कर रहे हैं।

दुर्गा माता मंदिर ...

अंदर जाने पर उन्होंने देखा कि मंदिर के भीतर सब कुछ जला हुआ था। वहीं पास के शीतला मंदिर में मूर्ति को जलाने के लिए पुआल का इस्तेमाल किया गया था। प्रमोथ ने तुरंत गांव के अन्य लोगों को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा, हमारे लिए यह केवल मंदिर नहीं, हमारी आस्था और संस्कृति का प्रतीक है। यह देखकर दिल टूट गया। काशियानी पुलिस थाने के प्रभारी मोहम्मद शफीउद्दीन खान ने कहा कि पुलिस कानूनी कार्रवाई कर रही है, लेकिन अब तक न तो किसी ने शिकायत दर्ज कराई है और न ही आरोपियों की पहचान हो सकी है।इस बीच, बांग्लादेश सरकार ने इन घटनाओं को धार्मिक हिंसा मानने से भी इन्कार कर दिया। गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) जहांगीर आलम चौधरी ने ढाका में अमेरिकी चार्ज डीअफेयर्स ट्रेसी ऐनी जैकब्सन से मुलाकात के दौरान दावा किया कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर कोई अत्याचार नहीं हो रहा। उन्होंने कहा, हम बांग्लादेश में अल्पसंख्यक शब्द का इस्तेमाल नहीं करते। यहां सभी नागरिकों को समान अधिकार प्राप्त हैं। जो कुछ भी हो रहा है, वह धार्मिक नहीं, बल्कि राजनीतिक कारणों से हो रहा है। भारतीय मीडिया झूठ फैला रहा है कि अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हो रहे हैं।

वक्फ विधेयक में...

विपक्षी सदस्यों ने दावा किया कि दिल्ली विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा वक्फ संशोधन विधेयक पर रिपोर्ट को जल्द स्वीकार करने पर जोर दे रही है। बैठक के दौरान तीखी बहस के कारण कार्यवाही कुछ देर के लिए स्थगित कर दी गई। मीरवाइज के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल समिति की बैठक फिर से शुरू होने के बाद उसके सामने पेश हुआ।

तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी और कांग्रेस के सैयद नासिर हुसैन बैठक से बाहर निकल आए। उन्होंने कहा कि समिति की कार्यवाही तमाशा बन गई है। उन्होंने मांग की कि प्रस्तावित संशोधनों पर खंडवार विचार करने के लिए 27 जनवरी को होने वाली बैठक को 30 जनवरी या 31 जनवरी तक के लिए टाल दिया जाए। निशिकांत दुबे ने विपक्षी सदस्यों की आलोचना करते हुए कहा कि उनका आचरण संसदीय परंपरा के खिलाफ है और वे बहुमत की आवाज को दबाने की कोशिश कर रहे हैं।

समिति के समक्ष पेश होने से पहले मीरवाइज ने कहा कि वह वक्फ संशोधन विधेयक का कड़ा विरोध करते हैं और धर्म के मामलों में सरकार के हस्तक्षेप नहीं करने का समर्थन करते हैं। हमें उम्मीद है कि हमारे सुझावों को सुना जाएगा और उन पर अमल किया जाएगा। ऐसा कोई कदम नहीं उठाया जाए, जो मुसलमानों को बसहज महसूस कराए। यह पहली बार है, जब लगभग निष्क्रिय हो चुके अलगाववादी समूह हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के प्रमुख मीरवाइज ने पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर राज्य का विशेष दर्जा समाप्त होने के बाद कश्मीर घाटी से बाहर कदम रखा है।

कल्याण बनर्जी ने कहा कि बैठक में अघोषित आपातकाल जैसा माहौल चल रहा है। सभापति इस बैठक को आगे बढ़ा रहे हैं और वह किसी की नहीं सुन रहे हैं। हमें बताया गया था कि 24 और 25 जनवरी को बैठक होगी। अब आज की बैठक के लिए एजेंडे को खंड दर खंड चर्चा से बदल दिया गया है।

निशिकांत दुबे ने कहा कि विपक्ष के लोगों खासकर ओवैसी की सोच है कि हमने जम्मू-कश्मीर का पूरा प्रतिनिधित्व नहीं सुना और मीरवाइज उमर फारूक को बुलाया। उन्हें सुनने के लिए ही जेपीसी अध्यक्ष ने बैठक स्थगित कर दी और खंडवार चर्चा की। आज विपक्ष की सोच और नजरिया उजागर हो गया है। उन्होंने मीरवाइज के सामने हंगामा किया और बदसलूकी की। यह संसदीय लोकतंत्र के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि अगर आज और कल खंडवार चर्चा के लिए बैठक होती भी तो 27 जनवरी या 28 जनवरी को एक और बैठक होती। 27 जनवरी के लिए पहले से ही बैठक तय थी। विपक्ष बहुमत की आवाज को दबाना चाहता है। ज्यादातर सदस्यों ने 27 जनवरी को बैठक करने का सुझाव दिया है। 29 जनवरी को हम अध्यक्ष को रिपोर्ट सौंपेंगे। जब भी मैंने जेपीसी में बोलने के लिए माइक लिया है, विपक्ष ने हमेशा मेरी आवाज को दबाने की कोशिश की है।निलंबन के बाद शिवसेना (यूबीटी) सांसद अरविंद सावंत ने कहा कि जेपीसी किसी तानाशाही प्रवृत्ति से चल रही है, किस तरह की जल्दी है, यह मैं समझ नहीं पा रहा हूं। यह एक महत्वपूर्ण विधेयक है, जो देश में अराजकता पैदा कर सकता है, लेकिन इसे उस तरह से नहीं निपटा जा रहा है। कहा गया था कि खंड-दर-खंड चर्चा होगी, लेकिन आज जम्मू-कश्मीर से लोग आए और उस खंड-दर-खंड चर्चा को 27 जनवरी के लिए स्थगित कर दिया गया। मामले में डीएमके सांसद ए राजा ने कहा कि इस महीने की 18, 19 और 20 तारीख को जेपीसी दौरे पर थी। दौरे का आखिरी सत्र 21 तारीख को पूरा हुआ। बैठक के दौरान सचिवालय से सूचना मिली कि 24 तारीख को बैठक होगी। हमने तुरंत चेयरमैन के सामने विरोध किया। 21 तारीख को हम दौरे पर थे। हम उसी रात चले जाने वाले हैं। हमें 24 तारीख को कैसे बुलाया जा सकता है? क्योंकि हमें अपने निर्वाचन क्षेत्रों में वापस जाना था। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि वे विचार करेंगे। 21 जनवरी को हमें एक और नोटिस मिला, जिसमें सभी सदस्यों से 48 घंटे के भीतर अपने संशोधन देने का अनुरोध किया गया था। हम सभी ने तुरंत संशोधन रखे और वे 24 तारीख को इस पर चर्चा करना चाहते थे, लेकिन कल रात 11:40 बजे हमें संदेश मिला कि एजेंडा बदल दिया गया है।वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पर टीएमसी सांसद और जेपीसी के सदस्य कल्याण बनर्जी को आज के लिए निलंबित किए जाने पर भाजपा नेता अग्निमित्रा पॉल ने कहा, यह पहली बार नहीं है कि वे (टीएमसी नेता) भ्रम पैदा करने के लिए बैठक की कार्यवाही को बाधित करने की कोशिश कर रहे हैं, उनकी पार्टी किस तरह का संदेश देना चाहती है? टीएमसी का रुख कभी तय नहीं होता। वे एक खास समुदाय को संदेश देना चाहते हैं।

पीएम के...

इन सभी भूभाग के स्थलीय निरीक्षण में उसकी वर्तमान स्थिति भी देखी गई कि वहां मस्जिद, कब्रिस्तान, मजार है या आबादी है।

वक्फ बोर्ड के रजिस्टर में कुल 406 सम्पत्ति ऐसी दर्ज हैं, जो राज्य सरकार की सम्पत्ति है। इसमें बंजर जमीन, आबादी की जमीन, तालाब, खेत, चारागाह की जमीन भी हैं। वर्ष 1359 के खसरा खतौनी के आधार पर नगर निगम और तहसील प्रशासन ने सर्वे कराया। इस दौरान जानकारी सामने आई कि राजस्व विभाग के खसरा खतौनी में ये सम्पत्तियां अपने मूल नाम से ही हैं। खास बात यह है कि किसी भी सम्पत्ति पर वक्फ बोर्ड ने अपना नाम नहीं चढ़वाया है। ऐसे में इन सभी सम्पत्तियों को रजिस्टर से खारिज कराने के लिए प्रशासन की ओर से लखनऊ वक्फ बोर्ड को पत्र भेजा जाएगा।जिले में वक्फ बोर्ड के नाम पर 1637 सम्पत्ति उनके रजिस्टर में दर्ज हैं। इसमें 1537 सुन्नी वक्फ बोर्ड और 100 शिया बोर्ड के नाम पर है। पिछली सरकारों के उदासीनता के चलते सरकारी जमीन को भी शिया और सुन्नी वक्फ बोर्ड ने अपनी सम्पत्ति घोषित कर दिया। वाराणसी जिले में कुल 1637 वक्फ सम्पत्तियों में से सर्वे रिपोर्ट के अनुसार 406 सरकारी सम्पति है। खास बात यह है कि वाराणसी कलेक्ट्रेट स्थित मजार राजस्व परिषद की भूमि पर है। एडीएम वंदिता श्रीवास्तव के अनुसार शासन से आदेश मिलते ही कार्रवाई की जाएगी।

खालिस्तान जिंदाबाद ...

ऐसे में शक और भी गहरा हो गया है। इनसे पूछताछ के लिए नोटिस भेजे जा रहे हैं। दावा है कि एटीएस वाराणसी से 10 लोगों को हिरासत में ले चुकी है। इनसे पूछताछ चल रही है। संदिग्धों से पूछताछ के लिए सवालों की एक लिस्ट तैयार की गई है। इसमें उनकी महाकुंभ में आस्था से लेकर घटनास्थल के वीडियो फोटो से जुड़े सवाल तक हैं।

वाराणसी में कांग्रेस नेता शाहिद से भी पूछताछ हुई है। उन्हीं लोगों से मुख्य तौर पर पूछताछ हो रही है जिन्होंने घटना के दिन महाकुंभ को सोशल मीडिया पर दिखाया था और लोकेशन भी साझा की थी। इनमें से शक उन पर अधिक है जिन्होंने बाद में फोटो वीडियो डिलीट किए। इस मामले में दूसरे प्रदेशों की पुलिस को भी अलर्ट भेज दिया गया है। जिनसे पूछताछ हुई है, उन्हें शहर ना छोड़ने को कहा गया है। धमकी में फतेह सिंह बागी का नाम भी लिखा है। सुरक्षा एजेंसियों को शक है कि यह वही बागी है जिसका हाल ही में गुरदासपुर हमले में नाम आया था। वह ब्रिटिश आर्मी का एक सैनिक रहा है और आतंकियों का हैंडलर है।

महाकुंभ शुरू होने से पहले खालिस्तानी आतंकी पन्नू ने भी हमला करने की बात कही थी। उसने भी पीलीभीत एनकाउंटर को फेक बताया था और बदला लेने की बात कही थी। इसको लेकर उसने वीडियो जारी किए थे। 19 जनवरी को महाकुंभ के सेक्टर 19 में लगी थी। इसमें कई टेंट जल गए थे। आग पर कुछ ही मिनटों के भीतर काबू पा लिया गया था। इसका कारण एक खाना बनाने वाले सिलेंडर का फटना बताया गया था। आग में किसी की जान नहीं गई थी।

आयुध फैक्टरी में...

विस्फोट हुआ है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस घटना में 8 लोगों की मौत हो गई है और 7 लोग घायल हैं। गडकरी ने जान गंवाने वालों को एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा घटना के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ। बचाव दल घटनास्थल पर तैनात हैं। प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि घटनास्थल पर जीवित बचे लोगों के लिए बचाव और चिकित्सा दल तैनात किए गए हैं।इससे पहले जिलाधिकारी संजय कोल्टे ने बताया कि विस्फोट सुबह करीब साढ़े 10 बजे आयुध के परिसर में हुआ। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट जवाहर नगर इलाके में स्थित फैक्टरी के एलटीपी सेक्शन में हुआ। विस्फोट के समय एलटीपी सेक्शन में 14-15 कर्मचारी काम कर रहे थे, जिनमें से तीन को बचा लिया गया और एक की मौत हो गई। अग्निशमन दल और एंबुलेंस को मौके पर भेज दिया गया है। छत ढह गई है, जिसे जेसीबी की मदद से हटाया जा रहा है।हादसे की खबर आते ही फडणवीस ने दुख जताया। उन्होंने कहा, भंडरा जिले में आयुध फैक्टरी में हुए विस्फोट में छत गिरने से 13 से 14 श्रमिकों के फंसने की खबर है। अब तक मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दुर्भाग्य से एक श्रमिक की मौत हो गई है। कई श्रमिकों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक मौके पर हैं और हर तरह की मदद मुहैया कराई जा रही है। बचाव अभियान के लिए एसडीआरएफ और नागपुर नगर निगम की टीमों को भी बुलाया गया है और वे जल्द ही पहुंच जाएंगी। जिला प्रशासन रक्षा बलों के साथ समन्वय में बचाव अभियान में शामिल है। चिकित्सा सहायता के लिए भी टीमों को तैयार रखा गया है। मैं इस घटना में जान गंवाने वाले एक व्यक्ति को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

कुख्यात कमांडरों...

ये सभी 25-25 लाख रुपए के इनामी नक्सली थे। बीते 4 अक्टूबर 2024 को थुलथुली में हुई सबसे बड़ी मुठभेड़ में एक साथ 38 नक्सली मारे गए थे। इन दस मुठभेड़ में छोटे-बड़े कैडर के 171 नक्सली मारे गए। इस तरह इन 13 महीनों में कुल 240 नक्सली मारे जा चुके हैं। इसमें कई बड़े कैडर्स के नक्सली भी शामिल हैं।केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का दावा है कि पूरे देश से 31 मार्च 2026 तक बस्तर से नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जाएगा। शाह के नक्सलवाद के खात्मे के लिए तय किए गए लक्ष्य को प्राप्त करने में केंद्र की सरकार एवं राज्य के सरकारों के बीच योजनाबद्ध तरीके से सटीक रणनीति का क्रियान्वयन शुरू है। सुरक्षाबलों के संयुक्त अभियान में उनके गढ़ में ही घेरने की नई बदली हुई रणनीति में जिलों के साथ ही अब 2 राज्यों की सीमा पर भी अपनाई जा रही है। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में सफलता का सबसे बड़ा कारण संयुक्त अभियान है।

इसे इस तरह समझा जा सकता है कि पुलिस को अगर सूचना मिलती है कि दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा सीमा पर किसी इलाके में नक्सलियों का जमावड़ा है तो तीनों जिलों की फोर्स को अभियान पर रवाना किया जा रहा है। बीजापुर की टीम के साथ मुठभेड़ होती है और नक्सली दंतेवाड़ा की तरफ भागते हैं तो यहां दंतेवाड़ा की फोर्स घेरकर मार रही है। ऐसे ही सुकमा की तरफ भागते हैं तो सुकमा में मोर्चा संभालकर बैठे जवान उनको मुठभेड़ में ढेर कर रहे हैं। यह रणनीति छत्तीसगढ़ की सीमा से लगे आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र और ओड़ीशा की सीमा पर भी अपनाई जा रही है। सुरक्षाबलों के संयुक्त अभियान से नक्सलियों को बार-बार एक जगह से दूसरे ठिकाने के लिए भागना पड़ रहा है, इससे सुरक्षाबलों को नक्सलियों के ठिकाने आसानी से मिल रहे हैं।उल्लेखनीय है कि दंतेवाड़ा जिले से नक्सलियों का लगभग सफाया हो गया है। यहां दरभा डिवीजन, कटेकल्याण एरिया कमेटी, मलांगेर और इंद्रावती एरिया कमेटी के नक्सली सक्रिय थे। यहां डीवीसीएम (डिवीजनल कमेटी मेंबर), एसीएम (एरिया कमेटी मेंबर) जैसे बड़े कैडर्स के कई नक्सली मुठभेड़ में मारे गए, तो कइयों ने आत्मसमर्पण कर दिया। वर्तमान में यहां नक्सलियों की स्मॉल एक्शन टीम और मिलिशिया कैडर के नक्सलियों की सक्रियता थोड़ी बहुत दिखती रहती है। वहीं बीजापुर, सुकमा और नारायणपुर में आज भी जवानों के लिए नक्सली चुनौती बने हुए हैं। इन इलाकों में नए कैंप भी स्थापित किए गए हैं।

इन जिलों से ओड़ीशा, महाराष्ट्र, तेलंगाना की सीमा लगती है।अबूझमाड़ और पामेड़ का इलाका नक्सलियों के सबसे सुरक्षित पनाहगाह के रूप में जाना जाता था। लेकिन, वर्ष 2024 में जवानों ने इन इलाकों में भी दस्तक दी और नक्सलियों को मार गिराया। अब भी पोलित ब्यूरो, सेंट्रल कमेटी के नक्सलियों की यहां मौजूदगी है। वहीं बस्तर और कोंडागांव जिले में नक्सली गतिविधियां एवं नक्सल घटनाएं न के बराबर हो गई है। जबकि कांकेर में नक्सलियों की गतिविधियां देखने को मिलती है। कुछ महीने पहले कांकेर के छोटे बेठिया इलाके में नक्सलियों के गढ़ में घुसकर जवानों ने 29 नक्सलियों को मार गिराया था। बस्तर में लगातार हो रहे मुठभेड़ों के कारण बड़े नक्सली लीडर्स छिपने के लिए अपना नया ठिकाना ढूंढ रहे हैं। ऐसी जानकारी है कि पामेड़ एरिया में सक्रिय नक्सली अबूझमाड़ में छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र सीमा की ओर चले गए हैं, जबकि अबूझमाड़ के कुछ बड़े नक्सली लीडर्स गरियाबंद और ओड़ीशा में अपना नया ठिकाना बना रहे हैं।बस्तर आईजी सुंदरराज पी. का कहना है कि बस्तर से काफी हद तक नक्सली बैकफुट पर हैं। नक्सलियों के कोर इलाके तक पुलिस फोर्स पहुंच चुकी है। तेलंगाना, ओड़ीशा के बड़े कैडर्स भी मुठभेड़ में मारे गए हैं, जो सुरक्षाबलों के लिए बड़ी सफलता है। साथ ही नक्सलियों के अंदरूनी आधार वाले इलाकों में सुरक्षाबलों के नए-नए कैंप भी स्थापित किए गए हैं, जिससे नक्सली बैकफुट पर हैं। बस्तर में पिछले 13 महीनों में फोर्स ने लगभग 240 से अधिक नक्सली मुठभेड़ में मारे जा चुके हैं, इसमें कई बड़े कैडर्स के नक्सली भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि नक्सलियों की कंपनी नंबर 6 का लगभग सफाया हो गया है।

तुर्की नहीं, भारत...

इससे पता चलता है कि कोई वस्तु कितनी पुरानी थी। एंटिक्विटी ऑफ आयरन : रीसेंट रेडियोमेट्रिक डेट्स फ्रॉम तमिलनाडु नाम से जारी की गई इस रिपोर्ट में इस पूरी खुदाई और जांच तथा क्या-क्या मिला इसकी जानकारी दी गई है। सिवागालाई में मिली वस्तुओं की जांच केवल एक ही जगह नहीं हुई। बल्कि इसे लखनऊ स्थित बीरबल साहनी पुरा विज्ञान लैब, फिजिकल रिसर्च लैबोरेटरी अहमदाबाद और अमेरिका स्थित बीटा लैब्स में टेस्ट करवाया गया। तीनों ने ही साफ किया कि तमिलनाडु में मिले लोहे के औजार 5000 साल से अधिक पुराने हैं। अब तक माना जाता रहा है कि तुर्की और सीरिया के इलाकों में गलाए हुए लोहे का सबसे पहले उपयोग हुआ। तुर्की में लगभग 3700-4000 वर्ष पहले रहने वाले हित्तित लोगों को लोहा उपयोग करने का श्रेय दिया जाता रहा है। इन इलाकों में खुदाई से लोहे के तीर-तलवार आदि मिले हैं।

तमिलनाडु में मिले लोहे के सामान और अलग-अलग लैब से उनके 5000 साल से अधिक पुराने होने की पुष्टि के बाद अब तुर्की का दावा पलट गया है। भारतीय पुरातत्व विशेषज्ञों ने भी इसे बड़ी खोज करार दिया है। पुरातत्व विशेषज्ञ दिलीप चक्रबर्ती ने इसे दुनिया के लिए बड़ी खोज बताया है। दिलीप कुमार ने कहा, दुनिया में पहली बार, गले लोहे का इतिहास 3 हजार साल पहले का पाया गया है। यह ना केवल भारत के इतिहास में, बल्कि विश्व के पुरातत्व के संदर्भ में भी एक महत्वपूर्ण खोज है। आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के पूर्व मुखिया राकेश तिवारी ने कहा है कि भारतीय पुरातत्व के मामले में एक नया मोड़ है। उन्होंने कहा कि अब तक भारत में लोहे का उपयोग ज्यादा से ज्यादा 1500 ईसा पूर्व में माना गया है। यह साबित करने के लिए आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में मिली वस्तुओं की जांच भी हुई है। उन्होंने कहा कि अब नई खोज से यह 3000 साल पहले पहुंच गया है, जो कि एकदम अविश्वसनीय है।गौरतलब है कि अब तक यह दावा होता रहा है कि भारत के लोगों का लोहे से परिचय तुर्की के लोगों ने करवाया। इस खोज के बाद यह दावा कमजोर पड़ गया है। उल्टे इस बात की अधिक संभावना है कि भारत से ही लोहा तुर्की या बाकी विश्व के इलाकों में पहुंचा हो।तमिलनाडु में लौह युग के बारे में नई जानकारी देने वाली रिपोर्ट से भारत के इतिहास के विषय में और भी बातें सामने आई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि जब उत्तर भारत में सिन्धु घाटी सभ्यता में तांबे का उपयोग हो रहा था, लगभग उसी समय तमिलनाडु में लोहे का उपयोग हो रहा था। रिपोर्ट में कहा गया है, जब विंध्य के उत्तर (उत्तर भारत) में स्थित इलाकों में ने ताम्र युग चल रहा था, तो विंध्य के दक्षिण का क्षेत्र (विंध्य भारत) कामकाज में लाए जाने वाले तांबे की कमी के चलते लौह युग में प्रवेश कर गया होगा।रिपोर्ट लिखने वाले के राजन ने कहा, रेडियोकार्बन डेटिंग दर्शाती है कि जब सिंधु घाटी में ताम्र युग था, तब दक्षिण भारत लौह युग में था। इस अर्थ में, दक्षिण भारत का लौह युग और सिंधु का ताम्र युग एक ही समय में चल रहे थे। उन्होंने कहा, अब, हमने पाया है कि शिवगलाई और आदिचनल्लूर से मिले लोहे के औजार 2,500-3,000 ईसा पूर्व के हैं। आगे न केवल तमिलनाडु में बल्कि देश भर में अन्य स्थानों पर और अधिक स्थलों की खोज और खुदाई होनी चाहिए, ताकि अब तक जो कुछ भी हमने प्राप्त किया है, उसे और मजबूत किया जा सके।तमिलनाडु के पुरातत्व विभाग के मुखिया उदयचंद्रन ने कहा, अन्य धातुओं की तुलना में, लोहे को गलाने के लिए आपको 1,200 से 1,400 डिग्री सेल्सियस तक के उच्च तापमान की आवश्यकता होती है। इसके लिए बेहतर तकनीक चाहिए होती है। यह दर्शाता है कि तमिल लोगों ने 5,300 साल पहले भी इस कौशल में महारत हासिल कर ली थी।

अमूल ने एक लीटर ...

जरूरी खाद्य पदार्थ होने के कारण दूध की कीमतों में उतार-चढ़ाव का सीधा असर आम लोगों पर पड़ता है।नई कीमतों की घोषणा के बाद 66 रुपए प्रति लीटर के भाव पर बिकले वाला अमूल गोल्ड 65 रुपए में उपलब्ध होगा। वहीं, अमूल ताजा की कीमत 54 रुपए से घटकर 53 रह जाएगी। जबकि, अमूल टी स्पेशल दूध के एक लीटर के पैक की कीमत 62 रुपए से एक रुपए कम होकर 61 रुपए हो जाएगी।

2 फरवरी को वसंत पंचमी का पर्व मनाया जाएगा

वसंत संत पंचमी पर बन रहे हैं ये शुभ योग, जानें पूजा का सही समय

पंचमी के शुभ अवसर पर ज्ञान, संगीत और कला की देवी मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की जाती है। साथ ही प्रिय चीजों का भोग लगाया जाता है। माना जाता है कि मां सरस्वती की उपासना करने से ज्ञान की प्राप्ति होती है। साथ ही पढ़ाई में की गई मेहनत होती है। पंचांग के अनुसार, इस बार वसंत पंचमी के दिन कई शुभ योग का निर्माण हो रहा है।

वसंत पंचमी 2025 डेट और शुभ मुहूर्त

पंचांग के माह शुक्ल पंचमी तिथि की शुरुआत 02 फरवरी को सुबह 09 बजकर 14 मिनट पर हो रही है। वहीं, इस तिथि का समापन अगले दिन यानी 03 फरवरी को सुबह 06 बजकर 52 मिनट पर होगा। सनातन धर्म में उदया तिथि का विशेष महत्व है। ऐसे देशभर में वसंत पंचमी का त्योहार 02 फरवरी को मनाया जाएगा।

वसंत पंचमी 2025 शुभ योग

पंचांग के अनुसार, माघ माह के शुक्ल पंचमी तिथि पर शनि देव सुबह 08 बजकर 51 मिनट पर पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में गोचर करेंगे। इस दिन शिव योग, सिद्ध योग साध्य योग और रवि बन रहे हैं।

पंचांग

सूर्योदय - सुबह 07 बजकर 09 मिनट पर
सूर्यास्त - शाम 06 बजकर 01 मिनट पर
चंद्रोदय- सुबह 09 बजकर 34 मिनट पर
चंद्रास्त- सुबह 10 बजकर 11 मिनट पर

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 05:24 मिनट से 06:16 मिनट तक
विजय मुहूर्त - दोपहर 02:24 मिनट से 03 :07 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त - शाम 05:47 मिनट से 06:14 मिनट तक
अमृत काल- सुबह 08:24 मिनट से 09:53 मिनट तक

ऐसे करें मां सरस्वती को प्रसन्न

अगर आप वसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती जी की कृपा बच्चों को प्राप्त करवाना चाहते हैं, तो बच्चों के हाथों से पढ़ाई से जुड़ी चीजों का दान करवाएं। माना जाता है कि इस उपाय को सच्चे मन से मां सरस्वती प्रसन्न होती हैं। साथ ही बच्चों को करियर में सफलता मिलती है।

वसंत पंचमी हिन्दू धर्म का एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो खासकर देवी सरस्वती की पूजा अर्चना के लिए प्रसिद्ध है। यह पर्व माघ मास की शुक्ल पंचमी को मनाया जाता है और इस वर्ष 2025 में यह 2 फरवरी को मनाया जाएगा। इस दिन को बसंत ऋतु के आगमन के रूप में भी जाना जाता है, जो न केवल प्राकृतिक सुंदरता को बढ़ाता है, बल्कि जीवन में नयापन और समृद्धि का संचार भी करता है।

बसंत का पर्व विशेष रूप से ज्ञान, विद्या, कला और संगीत की देवी सरस्वती की पूजा का पर्व है। इस दिन को विद्यार्थी अपने किताबों और लेखन सामग्री को पूजा करते हैं, ताकि उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हो। इसके अलावा, यह दिन व्यापारियों, गृहस्थों और साधकों के लिए भी बहुत होता है क्योंकि इसे धन की प्राप्ति और समृद्धि का दिन माना जाता है।

वसंत पंचमी के दिन इस विशेष चालीसा का करें पाठ मिलेगा सुख-समृद्धि का वरदान

बसंत पंचमी के दिन यदि हम विशेष रूप से देवी सरस्वती के चालीसा का पाठ करते हैं, तो इससे न केवल ज्ञान की प्राप्ति होती है, बल्कि धन और समृद्धि भी मिलती है। खासकर यह उन लोगों के लिए बेहद लाभकारी है जो शिक्षा, कला, साहित्य या किसी भी प्रकार के व्यवसाय में सफलता की कामना करते हैं।

वसंत पंचमी पर सरस्वती चालीसा का पाठ करने के लाभ

ज्ञान की प्राप्ति: सरस्वती देवी का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए चालीसा का पाठ करना विद्यार्थियों ज्ञान की खोज करने वालों के लिए अत्यंत फलदायक होता है।

समृद्धि और धन: सरस्वती देवी धन की देवी भी मानी जाती हैं। इस दिन उनका ध्यान करके और चालीसा का पाठ करके आर्थिक समृद्धि और व्यापार में उन्नति की कामना की जा सकती है।

मन की शांति: चालीसा नियमित पाठ मानसिक शांति और संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। यह तनाव को कम करने में भी सहायक है।

सकारात्मकता का संचार: यह पाठ जीवन में सकारात्मकता लाता है और बुरी शक्तियों से बचाव करता है।

बसंत पंचमी पर यदि आप अपनी श्रद्धा और विश्वास के साथ चालीसा का पाठ करते हैं, तो निश्चित रूप से आपकी शिक्षा, करियर और व्यवसाय में प्रगति होगी। साथ ही, जीवन में सुख, समृद्धि और शांति का आगमन होगा।

वसंत पंचमी का दिन शुभ कार्यों के लिए है अच्छा

मांगलिक कार्यों के लिए बसंत पंचमी का दिन बहुत अच्छा माना जाता है। शादी से लेकर गृह प्रवेश या कुछ नया काम इस दिन शुरू करने पर उसमें सफलता मिलती है। शास्त्रों के इस तिथि को अबूझ मुहूर्त बनता है, जिसमें पंचांग देखने की जरूरत नहीं होती है। इस दिन बिना मुहूर्त देखे शादी विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश सहित अन्य शुभ कार्य किए जा सकते हैं।

बच्चा पढ़ाई में पिछड़ा रहता हैं या उसका मन पढ़ने में नहीं लगता। तो आप बसंत की सुबह घर के पूजा स्थान पर अभिमंत्रित सरस्वती यंत्र रखकर, सफेद चंदन, पीले और सफेद पुष्प अर्पित करके धूप-दीप करें और ॐ ह्रं ह्रं ह्रं सरस्वत्यै नमः इस मंत्र का 11 माला जाप करें। मान्यता है इससे बच्चे का बौद्धिक विकास होता है।

बसंत पंचमी पर बच्चों के मां सरस्वती की पूजा कराएं और जरुरतमंदों को किताबें भेंट कराएं। इससे वाणी दोष दूर होता है। स्मरण शक्ति तेज होती है। बच्चों का मन आध्यात्म की ओर अग्रसर रहता है।

वसंत पंचमी पर करें इन चीजों का दान मिलेगा मां सरस्वती का आशीर्वाद

हिंदू पंचांग के माघ माह के शुक्लपक्ष की पंचमी तिथि के दिन वसंत पंचमी का पर्व मनाया जाता है। इस दिन ज्ञान की देवी सरस्वती की पूजा की जाती है। इसके साथ ही इस दिन देवी मां को पीले रंग के पकवानों का भोग लगाया जाता है। मां सरस्वती का पीला रंग है है इसलिए इस दिन पीले रंग के कपड़े पहनना शुभ माना जाता है।

मां सरस्वती को बुद्धि, कला और संगीत की देवी भी कहा जाता है। इस साल वसंत पंचमी 2 फरवरी, रविवार को मनाई जाती है। मान्यता है कि वसंत पंचमी के दिन कुछ विशेष कार्य करने मां सरस्वती प्रसन्न होती हैं और करियर व शिक्षा के क्षेत्र में अच्छे परिणाम प्राप्त होते हैं। तो आइए पंडित रमाकांत मिश्रा के अनुसार जानते हैं कि करियर में तरक्की के लिए किन उपायों को करना फायदेमंद साबित हो सकता है।

शिक्षा के क्षेत्र में ये कार्य करने से सफलता

वसंत पंचमी के दिन अगर कोई जातक मां सरस्वती की पूजा कर उन्हें मोदक, फूल, मीठे चावल और पीले रंग के फूल अर्पित करता है तो उन्हें शिक्षा से संबंधित जो भी परेशानियां आ रही हैं उनसे जल्द छुटकारा मिल सकता है। इतना ही नहीं मां सरस्वती के से उच्च स्तरीय शिक्षा का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

सरस्वती पूजा के दिन इन मंत्रों का करें जाप

माना जाता है कि अगर कोई विद्यार्थी वसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती के मंत्रों का जाप करता है तो ऐसे में उसे मनचाही सफलता मिलती है और पढ़ाई में मन है व अच्छे परिणाम प्राप्त करने में मदद मिलती है।

इस प्रकार हैं मंत्र

ॐ सरस्वत्यै नमः
ॐ ह्रीं ऐं ह्रीं सरस्वत्यै नमः
ॐ ऐं ह्रीं क्लीं महासरस्वती देव्यै नमः
ॐ भूर्भुवः स्वः सरस्वती देव्यै इहागच्छ इह तिष्ठ

वसंत पंचमी के दिन करें इन चीजों का दान

वसंत पंचमी के दिन बहुत पुण्यफलदायक माना जाता है। माना जाता है कि अगर इस दिन शिक्षा से जुड़ी वस्तुओं का दान किया जाए तो व्यक्ति को करियार में उन्नति मिलती है साथ ही मां सरस्वती का आशीर्वाद प्राप्त होता है। तो बसंत पंचमी के दिन जरूरत मंद बच्चों को पेंसिल, पेन, नोटबुक आदि दान करना बहुत उत्तम माना जाता है।

वसंत पंचमी पर मां सरस्वती को चढ़ाएं ये फूल, तरक्की के खुलेंगे रास्ते

माघ माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी को बसंत पंचमी के रूप में मनाया जाता है। इस दिन मां सरस्वती की पूजा का विशेष विधान है। माना जाता है कि इस दिन मां सरस्वती की आराधना से व्यक्ति को ज्ञान की प्राप्ति होती है और बुद्धि तीव्र बनती है। वहीं, ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने हमें बताया कि बसंत पंचमी के दिन सरस्वती पूजा के दौरान माता को कौन से फूल अर्पित करने चाहिए और क्या उससे मिलने वाले लाभ एवं उसके पीछे का महत्व।

बसंत पंचमी पर मां सरस्वती को अर्पित करें पंछी फूल

पंछी फूल यानी कि बेल के फूल को मां सरस्वती को अर्पित करना अत्यंत शुभ माना जाता है। मान्यता है कि बेल फूल को माता के चरणों में अर्पित करने व्यक्ति का ज्ञान उतनी ही तीव्रता से बढ़ता है जितनी तेजी से बेल बढ़ती है। इसलिए पंछी या बेल फूल को मां सरस्वती को अवश्य अर्पित करें।

जुही फूल

जुही के फूल को भी सरस्वती पूजन में अर्पित किया जाता है। फूल प्रेम और भक्ति का प्रतीक है। जुही के फूलों से मां सरस्वती की कृपा प्राप्त होती है और ज्ञान के क्षेत्र में सफलता मिलती है। व्यक्ति में ज्ञान के साथ-साथ प्रेम और सद्भावना का भी संचार होता है एवं अंतर्मन में अहंकार जन्म नहीं ले पाता।

कमल फूल

कमल का फूल मां लक्ष्मी को अत्यंत प्रिय है। साथ गी, माता सरस्वती की पूजा में भी कमल के फूल का प्रयोग किया जाता है। ऐसे में बसंत पंचमी पर मां सरस्वती को कमल का फूल चढ़ाने से ज्ञान की प्राप्ति तो ही है, साथ ही जीवन में सुख-समृद्धि, संपदा, संपन्नता और सौभाग्य बढ़ने लग जाता है।

चमेली फूल

बसंत पंचमी के दिन चमेली का फूल भी मां सरस्वती को अर्पित करने का विशेष विधान है। चमेली के फूल को मां सरस्वती को से ध्यान और मानसिक शांति का स्तर बढ़ता है। साथ ही, मानसिक तनाव में भी कमी आती है। जो लोग परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं उन्हें मां को ये फूल अवश्य चढ़ाना चाहिए।

शिव और सिद्ध योग में वसंत पंचमी का पर्व

14 जनवरी 2025 से माघ महीना शुरू हो है, जो 12 फरवरी 2025 तक रहने वाला है। यह माह गणेश पूजन, स्नान-दान और पूजा पाठ के लिए उत्तम माना जाता है। वहीं माघ माह विद्यार्थियों के लिए भी महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि इस महीने की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर वसंत पंचमी का पर्व मनाया जाता मान्यता है कि इस दिन देवी सरस्वती हाथों में पुस्तक, विणा और माला लेकर श्वेत कमल पर विराजमान हो कर प्रकट हुई थीं, इसलिए इस दिन सरस्वती पूजा का विधान है। यदि सच्चे भाव से इस तिथि पर माता सरस्वती की उपासना की जाए, तो विद्यार्थियों को शिक्षा के में अच्छे परिणामों की प्राप्ति होती हैं।

धार्मिक ग्रंथों की मानें तो सरस्वती पूजन से वसंत ऋतु की शुरुआत होती हैं, इसलिए इसे वसंत पंचमी कहते है और इस साल 2 फरवरी 2025 को वसंत पंचमी का पर्व मनाया जाएगा, इस दिन शिव और सिद्ध योग का निर्माण हो है, जो पूजा पाठ के लिए बेहद शुभ है। परंतु इस दिन कुछ खास बातों का भी ध्यान रखा जाता है ताकि देवी की कृपा जीवन पर बनी रहें। ऐसे में आइए जानते हैं कि वसंत पंचमी के दिन क्या करें और क्या न करें।

वसंत पंचमी पर क्या करें?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार वसंत पंचमी के दिन देवी सरस्वती की विधि विधान से पूजा करें। पूजा के दौरान सभी को पीला टीका लगाएं। ऐसा करने से जीवन में मानसिक शांति बनी रहती हैं।

ज्योतिषियों के अनुसार मां सरस्वती को पीला रंग अत्यंत ही प्रिय है, इसलिए उन्हें वसंत पर पीले रंग के पुष्प, पीली हल्दी, पीली मिठाई, पीले फल अर्पित करें। ऐसा करने पर पढ़ाई में आ रही मुश्किलें समाप्त हो सकती हैं।

वसंत पंचमी के दिन पवित्र नदियों में स्नान करें, यह बहुत शुभ होता है। यदि ऐसा कर पाना संभव न हो तो घर पर पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करें।

वसंत पंचमी के शुभ दिन पर माता सरस्वती की पूजा के दौरान अपनी पढ़ाई-लिखाई से जुड़ी चीजों की भी पूजा करें। ऐसा करने पर करियर में मनचाहे परिणामों के योग बनते हैं।

इस दिन मां सरस्वती को केसर का हलवा बनाकर भोग लगाएं। करने पर वह प्रसन्न होती हैं।

क्या ना करें?

वसंत पंचमी के दिन काले रंग के वस्त्र धारण न करें।

धार्मिक मान्तायओं के अनुसार वसंत पंचमी के दिन पेड़-पौधों को बिल्कुल भी नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए।

वसंत पंचमी पर बिना स्नान के पूजा, जप, तप न करें।

इस दिन भी तामसिक चीजों का सेवन न करें।

पुण्यतिथी पर विशेष
श्री बाबा जयरामदासजी महाराज का जीवन चरित्र

श्री 1008 अनंन्त विभूषित, ब्रह्मलीन, परमसिद्ध, परमहंस श्री बाबा जयरामदास महाराज का हरियाणा में स्थित पाली जिले के महेन्द्रगढ़ क्षेत्र में विक्रम संवत् 1919 तिथि शरद पूर्णिमा के शुभ दिन किसान ठाकुर श्योजी सिंह के घर अवतरण हुआ। बाबा के जीवन पर्यन्त पीपल के पेड़ के निचे खटिया पर निवास किया। गांव के पास दोहन बरसती नदी बहती है। मंहतो, ब्राह्मणों द्वारा निर्मित जोहड़ (नदी) एवम् पास के विशाल पीपल का वृक्ष तथा आसपास कई अन्य पेड़ो के झुरमुर है।

जोहड़ (नदी) की पाल के पास बाबा श्री जयरामदासजी के निर्वाण के पश्चात एक भक्त द्वारा वहां एक भव्य मंदिर का निर्माण करवाया गया। अब यहाँ पर श्रद्धालुओं की असीम भीड़ होती है। श्रद्धालुओं द्वारा यहां सभी सुविधाओं युक्त कई धर्म शालाओं का निमार्ण करवाया गया है। मंदीर में बाबा भी संगमरमर की एक भव्य मूर्ती स्थापित है। बाबा की मूर्ती सभी दर्शनार्थियों को मंत्रमुग्ध करती है। लगभग 300-400 भक्त सदा बाबा के दर्शनार्थ आते हैं।

इस मंदिर में बाबा का सुन्दर पलंग मोर पंख से सुशोभायमान है। यहा श्रद्धालु अपना माथा टेक कर बाबा की कृपा से अपने मनोरथ पूर्ण कर वापस जाते है। मंदिर की आभा भी आध्यात्मिक चेतना का आभास करवाती है। बाबा का यह विशाल मंदिर सभी का मनमोह लेता है। एक बार आया हुआ श्रध्दालु बार -बार आने की कामना करता हुआ ही लौटता है। बाबा रामचन्द्रदास महाराज ने बाबा जयरामदास जी महाराज के परम सेवक रहने का सौभाग्य पाया है। सर्व प्रथम महाराज जी के भण्डारे का आयोजन उन्ही के कर कमलो द्वारा सम्पन्न हुआ।

एक बार एक असहाय व्यक्ति बाबा के चरणों पर गिरकर प्रार्थना करने लगा बाबा मैं अंत्यन्त गरीब हू, घर में खाने के लिए एवम् पहन ने के लीए कुछ भी नहीं है। मैं दीन हूं। कृपा किजिए बाबा तुनक उठे एवम् बोले जा सासुका नाज (अनाज) में दबकर मरेगा। कहते है कि कुछ समय बाद वह असहाय व्यक्ति धनवान हो गया।बाबा के वरदान से कई भक्तों की पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई, एवम् कई भक्तों के असाध्य कष्टों का भी निवारण हुआ। बाबा की कोई भाषा नही थी। उनकी भाषा को समझना कोई आसान काम नहीं था। जो कुछ कहते श्रद्धालु उसे आर्शीवाद स्वरूप ग्रहण करते एवम् उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होठती थी। बाबा को कोई

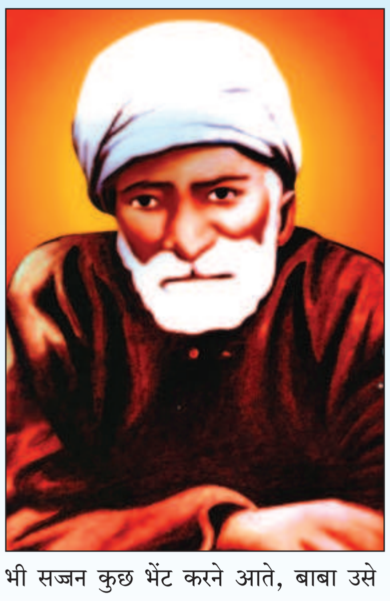

भी सज्जन कुछ भेंट करने आते, बाबा उसे ग्रहण नहीं करते थे। एक बार बाबा हरियाणा की कडकडाती ठण्ड में विश्राम कर रहे थे। एक भक्त ने नई रजाई ऊढाई एवम् आगे चला गया। बाबा प्रातः उठे एवम् रजाई को छोड़कर बाबा भी चले गए। कई बार ऐसी घटनाएं हुई।

एक समय आया जब बाबा ने अपनी लीला को समेटना प्रारम्भ कर दिया। अब बाबा अपने भौतिक शरीर को पंचतत्व में लीन करवाना चाहते थे, उस समय सूर्यनारायण भगवान उत्तरायण में आ गए थे। बाबा ने उसे अपना अनुकुल समय पाया एवम् माघ कृष्ण एकादशी विक्रम सवंत् 1999 के शुभ दिन बाबा का पंच भौतिक शरीर पंचतत्व में विलीन हो गया। उस दिन से आज तक पालीग्राम में उनकी पुण्यतिथि माघ कृष्णा एकादशी के दिन हर वर्ष बाबा की समाधी पर एक भव्य मेले का आयोजन होता है। लाखो की संख्या में भक्त बाबा की श्रध्दा सुमन भेंट करने देश-विदेश से आते है। एवम् बाबा का आर्शिवाद लेकर अपनी मनोकामनाएं पूर्ण कर धन्य-धन्य हो जाते है। इसी स्थान पर जगह जगह काफी भण्डारे (प्रसाद) भी होते है।

भक्तों को रहने के लिए धर्मशाला भी एक भक्त ने बनाई हैं। लोग उसमें ठहरते हैं।

पालीग्राम इस समय साभ्रांत गांव बन गया है। महेन्द्रगढ़(हरियाणा) से आठ किलोमिटर दूर नारनौल -दादरी मुख्य राज्य पथ पर है। हरियाणा राज्य परिवहन की बसें रात दिन सेवारत है। अन्य वाहनों की भी अत्यन्त सुविधा हैं।

✻ महाबीर प्रसाद शर्मा
मो.नं.9398784163

सहेली के साथ दिख रही यह लड़की है सिनेमा की बड़ी स्टार, बाद में बनी चर्चित नेता

फोटो में अपनी सहेली के साथ खड़ी दिख रही यह खूबसूरत लड़की एक समय में फैंस के दिलों पर राज कर चुकी है. यह लड़की टॉप एक्ट्रेस और नेता रह चुकी है. बाद में यह सासंद भी बनी. इस लड़की ने अपने समय में लगभग सभी बड़े स्टार्स के साथ बतौर हीरोइन फिल्मों में काम किया. इसने बचपन में बतौर डांसर खूब नाम कमाया. इसकी खूबसूरती और डांसिंग स्किल देख कर इसके पास फिल्मों के ऑफर खूद चलकर आने लगे थे. 14 साल की उम्र में इसने फिल्मों में डेब्यू किया. साउथ की फिल्मों में नाम कमाने के बाद इसने बॉलीवुड फिल्मों का रुख किया और यह भी इसे खूब शोहरत मिली.

अगर इस फोटो में दिख रही लड़की को अब तक आप नहीं पहचान पाए हैं तो हम आपको बता दें यह एक्ट्रेस जया प्रदा के टीनेज की फोटो है. जया अपने समय में खूबसूरत और ग्लैमरस एक्ट्रेसेस में गिनी जाती थीं. उन्होंने अपने समय मे कई बड़े स्टार के साथ जोड़ी बनाई और अनगिनत हिट फिल्में दीं. उनका खूबसूरती और अंदाज के कारण उनके लाखों हजारों फैंस हैं. हालांकि बाद में उन्होंने इंडस्ट्री छोड़ दी और राजनीति में नजर आईं, लेकिन आज भी उनकी फैन फॉलोइंग जरा भी कम नहीं हुई. वह अब भी बेहद खूबसूरत दिखती हैं. हाल ही में जया प्रदा की लेटेस्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई, जिसमें वह बेहद खूबसूरत दिख रही थीं.

बता दें कि जयाप्रदा का जन्म ललिता रानी के रूप में भारत के आन्ध्र प्रदेश राज्य में स्थित राजमण्ड्री के एक मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ था. उनके पिता कृष्णा एक तेलुगू फिल्म फाइनेंस देखते थे.उनकी मां नीलवाणी ने उन्हें कम उम्र में ही नृत्य और संगीत कक्षाओं में दाखिल कर दिया था. जब वे चौदह वर्ष की थीं, तब उन्होंने अपने स्कूल के वार्षिक समारोह में एक नृत्य डांस किया. दर्शकों में एक फिल्म निर्देशक भी शामिल थे और उन्होंने जयाप्रदा से तेलुगू फिल्म 'भूमिकोसम' में तीन मिनट के डांस की पेशकश की. जयाप्रदा हिचकिचाईं, लेकिन उनके परिवार ने उन्हें प्रस्ताव स्वीकार करने के लिए प्रोत्साहित किया. उन्हें फिल्म में अपने काम के लिए केवल 10 रुपए दिए गए, पर उन्हें इसके बाद कई ऑफर्स आने लगे. बाद में वह हिंदी फिल्मों में भी नजर आईं.

जया प्रदा ने कई सुपरहिट फिल्में दी, जिसमें 'सरगम', 'मां', 'घर घर की कहानी', 'तूफान', 'स्वर्ग से सुंदर', 'संजोग', 'मुद्दत', 'सिंदूर', 'जबरदस्त', 'जख्मी', 'गंगा तेरे देश में', 'कामचोर', 'आवाज', 'पाताल भैरवी', 'सपनों का मंदिर' जैसी कई फिल्में शामिल हैं.

बैड बॉय कार्तिक से नागा शौर्य का पहला लुक सामने आया

वैष्णवी फिल्म्स अपने पहले प्रोडक्शन बैड बॉय कार्तिक के साथ फिल्म इंडस्ट्री में धूम मचाने लिए पूरी तरह तैयार है, जिसमें गतिशील नागा शौर्य एक बोल्ड नई भूमिका में हैं जो प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध कर देगी। अपने बहुमुखी अभिनय के लिए जाने जाने वाले शौर्य बैड बॉय कार्तिक के रूप में बिल्कुल नए, स्वैग से भरे और रवैये से भरे अवतार में कदम रख हैं और इसे देखकर लगता है कि यह प्रोजेक्ट एक हाई-ऑक्टेन, पावर-पैक थ्रिलर होने वाला है जो दर्शकों को एक अविस्मरणीय सवारी पर ले जाएगा।पहला लुक पोस्टर और शीर्षक का खुलासा, जिसने पहले ही काफी चर्चा बटोरी है, नागा शौर्य को पहले कभी नहीं देखी गई छवि में दिखाता शांत, भयंकर और आत्मविश्वास से भरा हुआ। रमेश देसीना द्वारा निर्देशित, फिल्म तीव्र एक्शन दृश्यों से भरी एक मनोरंजक कहानी का वादा करती है, जो शौर्य को अपने प्रदर्शन को सर्वश्रेष्ठ रूप में दिखाने के लिए एकदम सही मंच देती है। अपने नए किरदार बैड बॉय कार्तिक के साथ, शौर्य अपने प्रशंसकों की अपेक्षाओं को पार करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, एक ऐसे किरदार को जीवंत कर रहे हैं जो जितना स्टाइलिश है उतना ही शक्तिशाली भी है।फिल्म में दिग्गज झारिस जयराज का संगीत होगा, जिनकी संगीत रचनाएँ फिल्म की गहन कथा को पूरक बनाने की है। सिनेमैटोग्राफर रसूल एलोर और

एडिटर कोटागिरी वेंकटेश्वराव की मौजूदगी यह सुनिश्चित करती है कि बैड बॉय कार्तिक शानदार संपादन और शानदार दृश्यों के साथ एक शानदार दृश्य होगा जो दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखेगा। हमेशा भरोसेमंद रहे रामंजनेयुलु भी इस रोमांचक टीम का हिस्सा हैं, जो की इंडस्ट्री में गेम-चेंजर बनने की क्षमता को और मजबूत करता है।फर्स्ट-लुक पोस्टर और शीर्षक के खुलासे से अपार प्रत्याशा पैदा हो रही है, सभी की निगाहें वैष्णवी फिल्म्स के इस रोमांचक नए उद्यम पर हैं। जब बैड बॉय कार्तिक सिल्वर स्क्रीन पर आएगा तो प्रशंसक भावनाओं, हाई-स्टेक ड्रामा बड़े-से-बड़े एक्शन की रोलर-कोस्टर की उम्मीद कर सकते हैं। और उत्साह यहीं नहीं रुकता - नागा शौर्य राजा कोलुसु की नारी नारी नादुमा मुरारी, महेश एस कोनेरू की पुलिस वारी हेचरिका और एसएस अरुणाचलम की अनाम फिल्म (एनएस24) जैसी कई अन्य बहुप्रतीक्षित परियोजनाओं में भी व्यस्त हैं, जिससे यह होता है कि उनकी उपस्थिति बॉक्स ऑफिस पर हावी रहेगी।एक सिनेमाई दावत के लिए तैयार हो जाइए जो एक्शन और स्टाइल को फिर से परिभाषित करने का वादा करती है - बैड बॉय कार्तिक बस शुरुआत है!

छावा से अक्षय खन्ना का खूंखार अवतार सामने आया

डर और दहशत का नया चेहरा, क्रूर मूगल शासक औरंगजेब बने एक्टर

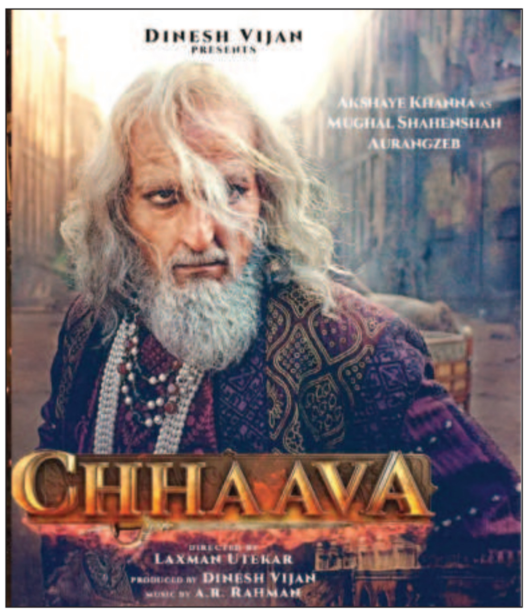

विक्की कौशल की मोस्ट अवेटेड फिल्म छावा का ट्रेलर रिलीज होने वाला है। जिसके लिए फैंस पहले से ही काफी एक्साइटेड हैं। वहीं मेकर्स भी दर्शकों को एक्साइटमेंट को बरकरार रखने में कोई कसर नहीं छोड़ हैं। ट्रेलर रिलीज के पहले ही मेकर्स ने रश्मिका मंदाना का फर्स्ट लुक रिलीज किया वहीं अब मेकर्स ने फिल्म से अक्षय खन्ना के लुक से भी पर्दा उठा दिया है।विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना के शानदार लुक के बाद, अक्षय खन्ना का फर्स्ट लुक मेकर्स ने रिवील किया वे काफी खूंखार लग रहे हैं। अक्षय फिल्म में क्रूर मुगल शासक कहे जाने वाले औरंगजेब की भूमिका निभा रहे हैं, जिसे डर और दहशत का चेहरा बताया गया है। आगामी फिल्म छावा के मेकर्स ने अक्षय खन्ना के किरदार के नए पोस्टर शेयर किए। उन्हें मुगल शहंशाह औरंगजेब रूप में देखा जा सकता है। एक्टर का लुक इतना शानदार है कि उन्हें पहचानना भी मुश्किल हो रहा है। पोस्टर्स रिलीज करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, डर और दहशत का नया चेहरा - मुगल साम्राज्य के क्रूर शासक मुगल शहंशाह औरंगजेब के रूप में प्रेजेंट अक्षय खन्ना। छावा का ट्रेलर कल रिलीज होगा।

फिल्म 14 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।बता दें 21 जनवरी को ही छावा से रश्मिका मंदाना का फर्स्ट लुक रिवील किया गया है। जिसमें रश्मिका येसूबाई भोसले के रोल में दिख रही हैं। रश्मिका मंदाना फिल्म छावा में छत्रपती महाराज के पत्नी के रोल में होंगी, यह रोल विक्की कौशल निभा रहे हैं।विक्की कौशल ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर छावा का नया पोस्टर और धांसू मोशन पोस्टर रिलीज करते हुए इसके ट्रेलर की रिलीज डेट अनाउंस की। विक्की ने कैप्शन लिखा, अग्नि भी वो, पानी भी वो, भी हो, शेर शिवा का छावा भी हो। छावा का ट्रेलर 22 जनवरी को रिलीज हो चुका है।

44 की उम्र में नहीं थमने का नाम ले रही श्वेता तिवारी की हॉटनेस

रिवीलिंग गाउन पहन कैमरे के सामने दिए किलर पोज

टीवी और बॉलीवुड एक्ट्रेस श्वेता तिवारी आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका कातिलाना अवतार सोशल मीडिया पर आते तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका किलर अंदाज देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं।एक्ट्रेस श्वेता तिवारी टीवी और बॉलीवुड की पॉपुलर एक्ट्रेस हैं। उन्होंने अपने स्टनिंग अवतार से को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।एक्ट्रेस की लेटेस्ट फोटोशूट की में आप देख सकते हैं उन्होंने ब्लैक कलर का रिवीलिंग आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग पोज देती हुई नजर आ रही हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर लाइक्स और करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।ओपन हेयर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपने इस आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है।

टीजर के साथ जेलर 2 का ऐलान

74 की उम्र में दमदार एक्शन करते नजर आए सुपरस्टार रजनीकांत

अभिनेता रजनीकांत फिल्म जेलर 2 से परदे पर छाने आ रहे हैं। इस फिल्म अनाउंसमेंट टीजर जारी हो गया है। इसमें रजनीकांत एक्शन मुद्रा में दिख रहे हैं। 74 साल की उम्र में भी वे परदे पर दमदार एक्शन दिखाते नजर आएंगे। साल 2023 में रजनीकांत की फिल्म जेलर सिनमाघरों में रिलीज हुई थी। इसने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई की। अब मेकर्स 2 लेकर आ रहे हैं। निर्माताओं ने रजनीकांत के फैंस को तोहफा देते हुए जेलर 2 का टीजर जारी कर दिया है। टीजर में रजनीकांत अपने चिर-परिचित अंदाज में चश्मा लगाए दुश्मनों के छक्के छुड़ाते दिख रहे हैं। टीजर की शुरुआत में जेलर 2 के निर्देशक नेल्सन और म्यूजिक अनिरुद्ध नई स्क्रिप्ट की चर्चा कर रहे हैं। अचानकर आसपास गोलाबारी और तोडफ़ोड़ होने लगती है। फिर होती है रजनीकांत की धमाकेदार एंट्री। एक हाथ में बंदूक और एक हाथ में तलवार थामे रजनीकांत ने टीजर में दिल जीत लिया है।टीजर की कुल अवधि चार मिनट की है और दिलचस्प है। बात करें फिल्म जेलर की तो यह रजनीकांत के करियर की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म रही। दूसरे पार्ट को लेकर भी दर्शकों में उत्साह है। फिलहाल टीजर को काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। इसे आए अभी पूरे 24 घंटे भी नहीं हुए और अब तक साढ़े सात लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। जेलर 2 के अलावा रजनीकांत को कुली फिल्म में देखा जाएगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा–पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। मुहब्बत और रोमांस आपको ख़ुशमिज़ाज रखेंगे। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर–सपाटे का मज़ा ले सकते हैं। साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है। आज आप गुस्से में परिवार के किसी सदस्य को भला–बुरा कह सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपके भाई–बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं और उनकी मदद करके आप खुद आर्थिक दबाव में आ सकते हैं। हालांकि स्थिति जल्द ही सुधर जाएगी। आप अपने बच्चों से कुछ सबक़ सीखने वाले हैं। उनकी मासूमियत उनके आस–पास के लोगों में स्नेह व उत्साह के बल पर औरों में बदलाव ला सकती है। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है। आपकी तंदरुस्ती आज आपके घर वालों को खुशी देगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

दोस्त आपका परिचय किसी ख़ास इंसान से कराएंगे, जो आपकी सोच पर गहरा प्रभाव डालेगा। आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने तयशुदा बजट से दूर न जाएँ। पुराने परिचितों से मिलने–जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। किसी छोटी–मोटी बात को लेकर भी आपके प्रिय से आपकी नोंक–झोंक हो सकती है। गप्पबाज़ी और अफ़वाहो से दूर रहें। खुशी आपके अंदर ही छुपी है आज बस आपको अपने अंदर झांकने की जरुरत है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपकी लगन और मेहनत पर लोग ग़ौर करेंगे और आज इसके चलते आपको कुछ वित्तीय लाभ मिल सकता है। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा। मुहब्बत के मोर्चे पर आज आपकी तूती बोलेगी, क्योंकि आपका महबूब आपकी रसिक कल्पनाओं को अमली जामा पहनाने के लिए तैयार है। शादीशुदा ज़िन्दगी के मोर्चे पर हालात वाक़ई थोड़े मुश्किल रहे हैं, लेकिन अब आप सुधरते हालात महसूस कर सकते हैं। किसी पेड़ मे जल डालना आज आपको सुकून मिलेगा। जीवन को आज आप नजदीक से जान पाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपकी सेहत ठीक रहेगी, लेकिन यात्रा आपके लिए थकाऊ और तनावपूर्ण साबित हो सकती है। जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। आज आप जिस सामाजिक कार्यक्रम में जाएंगे, वहाँ आप सबके ध्यान का केन्द्र होंगे। संभव है कि कोई आपसे अपने प्यार का इज़हार करे। समय का सदुपयोग करना सीखें। यदि आपके पास खाली वक्त है तो कुछ रचनात्मक करने की कोशिश करें। वक्त को बर्बाद करना अच्छी बात नहीं है। आप अपने जीवन की कुछ यादगार शामों में से एक आज अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

यदि शादीशुदा हैं तो आज अपने बच्चों का विशेष ख्याल रखें क्योंकि यदि आप ऐसा नहीं करते तो उनकी तबीयत बिगड़ सकती है और आपको उनके स्वास्थ्य पर काफी पैसा खर्च करना पड़ सकता है। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पुराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। उतावलापन अच्छा नहीं है, आपको किसी भी काम को करने में उतावलापन नहीं दिखाना चाहिए। इससे काम के खराब होने की संभावना बढ़ जाती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अच्छी चीज़ों को ग्रहण करने के लिए आपका दिमाग़ खुला रहेगा। अगर आप लम्बे वक़्त के लिए निवेश करें, तो अच्छा–ख़ासा फ़ायदा हासिल कर सकते हैं। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। शाम के वक्त आज आप किसी करीबी के घर वक्त बिताने जा सकते हैं लेकिन इस दौरान आपको उनकी कोई बात बुरी लग सकती है और आप तय समय से पहले वापस लौट सकते हैं। अगर आप अपने मन की सुनें, तो यह दिन ख़रीदारी के लिहाज़ से उम्दा है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपके जीवन–साथी का प्यारा बर्ताव आपका दिन ख़ुशनुमा बना सकता है। आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। आज आप ख़ुद को लोगों के ध्यान के केंद्र में पाएंगे, जब कोई आपके सहयोग की वजह से पुरस्कृत होगा या सराहा जाएगा। लेकिन आज जब आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई प्यारी चीज़ें आपके सामने आएंगी, तो आप भावुक हुए बिना नहीं रह सकेंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन–शैली में बदलाव लाने का सही समय है। आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। आपने बीते दिनों कार्यक्षेत्र में कई काम अधूरे छोड़े हैं जिसका भुगतान आज आपको करना पड़ सकता है। आज आपका खाली वक्त भी ऑफिस के काम को पूरा करने में ही लगेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका स्पष्ट और निडर नज़रिया आपके दोस्त के अहम्को ठेस पहुँचा सकता है। ऐसा लगता है आप जानते हैं कि लोग आपसे क्या चाहते हैं– लेकिन आज अपने ख़र्चों को बहुत ज़्यादा बढ़ाने से बचें। व्यक्तिगत मामलों को सुलझाते समय उदारता दिखाएँ, लेकिन अपनी जुबान पर क़ाबू रखें ताकि उन्हें चोट न पहुँचे जो आपसे प्यार करते हैं और आपकी परवाह करते हैं। जी–वनसाथी के साथ वाद–विवाद होने की काफ़ी संभावना है। दोस्त अकेलापन दूर करने के सबसे अच्छे माध्यमों में से एक हैं। दोस्तों के साथ समय बिताकर आज के दिन आप बेहतरीन चीज़ में समय निवेश कर सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

मुस्कुराएँ, क्योंकि यह सभी समस्याओं का सबसे उम्दा इलाज है। अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। डाक या ई–मेल से आया कोई महत्वपूर्ण संदेश पूरे परिवार के लिए ख़ुशख़बरी लाएगा। दूसरों को यह बताने के लिए ज़्यादा उतावले न हों कि आज आप कैसा महसूस कर रहे हैं। जीवनसाथी के ख़राब व्यवहार का नकारात्मक असर आपके ऊपर पड़ सकता है। आपका संगी आज आपके लिए घर पर कोई सरप्राइज डिश बना सकता है जिससे आपके दिन की थकान मिट जाएगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

काम का दबाव और घरेलू मतभेद तनाव की वजह बन सकते हैं। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिताएँ। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियाँ सभी को ख़ुश रखेंगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफ़े की उम्मीद कर सकता है। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे। जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आपको अपने जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 25 जनवरी 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ,कृष्ण पक्ष
तिथि : एकादशी रात्रि 08:34 तक
नक्षत्र : अनुराधा प्रातः 07:08 तक
योग : ध्रुव रात्रि 04:37 तक
करण : बव प्रातः 08:06 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 06:49 , सूर्यास्त 06:07 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:46 , सूर्यास्त 06:17 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:40, सूर्यास्त 06:09 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:39, सूर्यास्त 06:00 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : षट्तिला एकादशी व्रत
गण्डमूल प्रातः 07:09 से

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भजनलाल शर्मा ने किया अनुमोदन नई जिला परिषदों का होगा गठन

जयपुर,24 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य नए जिलों में प्रशासनिक ढांचा तैयार करने के लिए सभी आवश्यक संसाधन एवं अन्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कर रही है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने नई जिला परिषदों के गठन एवं प्रभावित जिला परिषदों के पुर्नगठन से संबंधित कार्यवाही के प्रस्ताव का अनुमोदन किया है।

प्रस्ताव के अनुसार, पंचायतीराज अधिनियम के तहत संबंधित जिलों (8 नए जिले एवं 12 प्रभावित जिले) के जिला कलक्टर पंचायत समितियों व ग्राम पंचायतों के आधार पर जिला परिषद के गठन एवं पुनर्गठन का प्रस्ताव तैयार करेंगे। साथ ही, इससे प्रभावित पंचायत समितियों व ग्राम पंचायतों के नवसृजन एवं पुनर्गठन के प्रस्ताव तैयार किए जाएंगे।

जिला कलक्टरों द्वारा इन प्रस्तावों को सार्वजनिक अवलोकन के लिए प्रसारित कर 1 माह में आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी, जिनके निस्तारण के बाद प्रस्तावों को राज्य सरकार को प्रेषित कर दिया जाएगा। इन प्रस्तावों के परीक्षण एवं अनुमोदन पश्चात नवगठित/पुनर्गठित जिला परिषदों, पंचायत समितियों एवं ग्राम के गठन की अधिसूचना जारी की जाएगी। उल्लेखनीय है कि पूर्ववर्ती सरकार ने अपने कार्यकाल के आखिरी वर्ष में प्रदेश में 17 नवीन जिले एवं 3 नवीन संभाग बनाने का निर्णय लिया, लेकिन नवसृजित जिलों में नई जिला परिषदों का गठन नहीं किया। हाल ही में राज्य सरकार ने बैठक में जिलों का पुनर्निर्धारण किया। पुनर्निधारण के बाद यथावत रखे गए 8 नए जिलों में राज्य सरकार ने नई जिला परिषदों के गठन का निर्णय लिया है, ताकि आमजन को इन जिलों के गठन का वास्तविक लाभ मिल सके।

केवल डिग्री से नहीं मिलती नौकरी क्षमता भी जरूरी : बागड़े

कोटा,24 जनवरी (एजेंसियां)। वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय (वीएमओयू) के 17वें दीक्षांत समारोह में शुक्रवार को राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शिक्षा और संस्कृति के महत्व पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि केवल डिग्री हासिल करना पर्याप्त नहीं है। नौकरी पाने और जीवन में सफल होने के बौद्धिक क्षमता का होना भी जरूरी है। राज्यपाल ने यह भी कहा कि बौद्धिक क्षमता और नैतिक मूल्यों का विकास विश्वविद्यालयों से ही संभव है।

राज्यपाल ने कहा कि मुगलों ने भारतीय संस्कृति को मिटाने की कोशिश की। उन्होंने देवालय तोड़े, मूर्तियां फोड़ी, और धर्मांतरण करने की कोशिशें कीं। भारतीयों ने अपने त्याग और संघर्ष से अपनी संस्कृति को बचाए रखा। उन्होंने कहा, अगर हम इतिहास को भूल जाएंगे, तो भूगोल भी भूलने की नौबत आ जाएगी।

दीक्षांत समारोह के दौरान राज्यपाल ने नई शिक्षा नीति की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह नीति भारत को विकसित देश बनाने में मदद करेगी। शिक्षा का उद्देश्य केवल लिखने–पढ़ने तक सीमित नहीं होना चाहिए। समाज और देश के उत्थान का माध्यम बने। राज्यपाल ने कहा, अंग्रेजों ने भारत में शिक्षा का ऐसा ढांचा बनाया, जिससे बौद्धिक विकास नहीं हो सके। लेकिन नई शिक्षा नीति को 400 कुलपतियों और 1,000 शिक्षाविदों की राय से बनाया गया है, जिसके सकारात्मक परिणाम भविष्य में देखने को

दीक्षांत समारोह में 89 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। तीन छात्राओं– मनीषा चौधरी, रीना शर्मा और सरोज यादव को चांसलर मेडल दिया गया। साथ ही प्रज्ञा भार्गव, राजेंद्र सिंह शेखावत, राजेश कंवर राठौड़, योगिता व्यास और खटीक को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई।

इस अवसर पर जून 2022, दिसंबर 2022 और जून 2023 की परीक्षाएं पास करने वाले 60,506 विद्यार्थियों की डिग्रियां डिजी लॉकर पर अपलोड की गईं। जर्नलिज्म में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए श्रीकरुणा शंकर मेमोरियल गोल्ड मेडल विश्राम लाल, महिपाल सिंह और जयदीप शर्मा को दिया गया।

गोविंद डोटासरा झूठ का ढोल, कोई भी आकर बजा जाता : सुरेश रावत

अजमेर,24 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की गई बयानबाजी पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने गुरुवार को विपक्षी दल पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस को राम के नाम से चिढ़ है।

सुरेश सिंह रावत कहा कि राजस्थान और मध्य प्रदेश के मध्य नदी जोड़ो परियोजना में राजस्थान के शब्द रा और मध्य प्रदेश के शब्द म को जोड़ा गया है। रावत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा राजस्थान की 40 प्रतिशत जनसंख्या को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जा रहे महत्वपूर्ण प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि डोटासरा झूठ का ढोल हैं, जिसे कोई भी बजा सकता है। उन्होंने कांग्रेस पर ईआरसीपी (पूर्वी राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट) पर झूठ की राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में इस परियोजना के लिए तक नहीं दिया, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस परियोजना के तहत 10 हजार करोड़ के कार्यों का शिलान्यास किया है। रावत ने यह भी कहा कि कांग्रेस को राम के नाम से चिढ़ है। इसे राम जल सेतु लिंक परियोजना से जोड़ते हुए कहा कि इस परियोजना से की 40 प्रतिशत जनसंख्या को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस परियोजना पर काम कर रहे हैं, जिससे पूर्वी राजस्थान की पेयजल और सिंचाई समस्याओं का समाधान होगा। रावत ने कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए कहा कि सिंह डोटासरा अपनी झूठी बयानबाजी से कांग्रेस की स्थिति और खराब कर रहे हैं, जो पहले ही उपचुनावों में जनता से करारी चोट खा चुकी है।

स्वस्थ, सुरक्षित और हरित भविष्य की दिशा में जिम्मेदारी से बढ़ाए कदम : देवनानी

जयपुर,24 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर राजस्थान विधानसभा में शुक्रवार को राष्ट्रीय पर्यावरण पर दो दिवसीय युवा संसद हुई। देवनानी ने देश के विभिन्न राज्यों के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आये दो सौ से अधिक युवाओं के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर राष्ट्रीय पर्यावरण विषय पर आयोजित युवा संसद का शुभारम्भ किया। विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने युवाओं का आह्वान किया कि सभी को मिल–जुल कर एक स्वस्थ, सुरक्षित हरित भविष्य की दिशा में कदम बढाने होगें। इसके लिये देश का भविष्य और वर्तमान युवा को दृढ़ संकल्प के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिये प्रतिबद्ध होकर कार्य करने होंगे। उन्होने कहा कि पर्यावरण सुरक्षा के लिये प्रत्येक व्यक्ति को अपना दायित्व समझना होगा और सजग रहकर पर्यावरण के अपनी जिम्मेदारियों को भी निभाना होगा। तकनीकी ज्ञान के साथ पृथ्वी पर उपलब्ध पानी की हर बूंद के उपयोग का प्रयास करना होगा। श्री देवनानी ने युवाओं से कहा कि पर्यावरण संरक्षण पर राजस्थान विधान सभा के सदन में चर्चा के साथ क्रियान्विति के लिये ब्लू प्रिंट आवश्यक रूप तैयार करें।

विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने शुक्रवार को यहां विधान सभा सदन में राष्ट्र मंडल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय पर्यावरण पर दो दिवसीय युवा संसद को संबोधित करते हुये कहा कि जल, प्रकृति और प्राकृतिक संसाधन हैं तो मानव जीवन है। पर्यावरण रहेगा तो मानव और धरती का अस्तिव बना रहेगा। देवनानी ने कहा कि औद्योगीकरण एवं वैज्ञानिक नवाचारों के साथ जल, प्रकृति और प्राकृतिक संसाधनों से हमें प्रेम करना होगा। इसी से हमारे स्वयं के साथ समाज व देश का सुव्यवस्थित विकास हो सकेगा। देवनानी ने आकाशो–शांति, पृथ्वी–शांति, अंतरिक्ष–शांति और जीव जगत की शांति के लिये प्रार्थना करते हुये कहा कि पर्यावरण विषय के इस युवा संसद का उद्देश्य पर्यावरण के प्रति चेतना बढ़ाना है साथ ही प्राकृतिक संसाधनों एवं पारिस्थितिकी तंत्र के प्रति भी जागरूकता और संवेद–नशीलता के साथ हमें अपनी मानवीय जिम्मेदारियों पर समझ बढानी होगी।

देवनानी कहा कि पर्यावरण के प्रति भारतीय संस्कृति सदैव से ही वैज्ञानिक दृष्टिकोण रखती आयी है। भारतीय दर्शन में संतुलन और सद्भाव की अवधारणा के साथ पशुओं के प्रति अहिंसा और करूणा का भाव है।

भ्रष्टाचार का मकड़जाल है डीटीओ संजय शर्मा

जयपुर,24 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर के विद्याधर नगर में तैनात जिला परिवहन अधिकारी (डीटीओ) संजय शर्मा का नाम अब भ्रष्टाचार के सबसे चर्चित मामलों में शुमार हो गया है। एंटी करप्शन ब्यूरो की में उनके ठिकानों से 6.18 करोड़ रुपए की संपत्ति का खुलासा हुआ, जो उनकी घोषित आय से 209% अधिक है। इस प्रकरण ने न केवल सरकारी तंत्र की साख पर सवाल खड़े किए, बल्कि यह भी दिखाया कि भ्रष्टाचार का जाल किस तरह फैलता है और किस कदर समाज जड़ें जमा चुका है।

एसीबी ने राजस्थान और उत्तर प्रदेश में स्थित संजय शर्मा के 10 ठिकानों पर छापेमारी की। जांच के दौरान कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। इसमें 6.18 करोड़ रुपए की संपत्ति, इसमें बैंक खातों, प्रॉपर्टी डॉक्यूमेंट्स, सोने–चांदी के गहनों, शेयरों और लॉकरों में जमा रकम है। शर्मा ने संपत्तियां अपने रिश्तेदारों और परिचितों के नाम पर खरीदीं, फिर उन्हें कम कीमत पर अपने या पत्नी के नाम ट्रांसफर करवाया। परिवार के यूरोप और अमेरिका दौरे पर लाखों रुपए खर्च किए गए। बड़ा सवाल यह है कि यात्राओं का खर्च शर्मा ने उठाया या कोई और?

संजय शर्मा के खिलाफ करीब सवा साल पहले आय से अधिक संपत्ति की शिकायत दर्ज हुई थी। तब से एसीबी ने उनकी गतिविधियों पर नजर रखी हुई थी। रेड के दौरान पता चला कि शर्मा ने पद का दुरुपयोग कर न केवल संपत्ति जुटाई, बल्कि इसे छुपाने के लिए अपने नजदीकी लोगों के नाम का इस्तेमाल किया।

जयपुर के वैशाली नगर स्थित उनके घर और छोटे भाई के घर से महंगे गहने और नकदी। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में 25 जमीन और जॉइंट अकाउंट का पता चला। एसकेजे ज्वेलर्स के यहां बड़े निवेश और सोने की खरीद–बिक्री का खुलासा हुआ।

होमगार्ड सिरसा व जींद का जिला कमांडर रघुबीर सिंह रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

सिरसा,24 जनवरी (एजेंसियां)। एसीबी की हिसार टीम ने 24 जनवरी 2025 को आरोपी रघुबीर सिंह, जिला कमांडर सिरसा को शिकायतकर्ता कृष्ण, निवासी गांव गंगोली, थाना पिल्लूखेडा, जिला जींद से 15,000/–रुपए बतौर रिश्वत राशि के साथ रंगे हाथों गिरफतार किया। शिकायतकर्ता कृष्ण निवासी गांव गंगोली थाना पिल्लूखेडा जिला जींद ने एसीबी को दी गई अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि वह वर्ष 2005 में होमगार्ड विभाग में गृहरक्षी नियुक्त हुआ था। 1 मई, 2023 को आरोपी रघुबीर सिह, जिला कमांडर, होमगार्ड, जिला जींद द्वारा उसकी डयूटी गुरूग्राम लगाई थी। उसके द्वारा 31 जुलाई 2023 तक गुरूग्राम में डयुटी की गई। इसके बाद उसको डयूटी से उतार दिया गया। इसके उपरान्त वह डयूटी दोबारा ज्वाईन करने के आरोपी रघुबीर सिंह, जिला कमांडर होमगार्ड को उनके कार्यालय में जाकर मिला। जिस पर आरोपी द्वारा उसको दोबारा डयूटी पर लगाने की एवज में 1,00,000/–रूपए बतौर रिश्वत की मांग की और आरोपी द्वारा आज 24 जनवरी 2025 को उससे केवल 15,000/–रुपए की मांग की है।

इस शिकायत पर एसीबी हिसार टीम द्वारा शिकायकर्ता कृष्ण निवासी गांव गंगोली, थाना पिल्लूखेडा, जिला जींद द्वारा आरोपी रघुबीर सिंह, जिला कमांडर, होम गार्ड सिरसा/जींद द्वारा मांगी गई 15,000/–रूपए बतौर रिश्वत राशि लेते हुए बेगू रोड, प्रीत नगर, सिरसा से रंगे हाथों गिरफतार किया गया।

जब कर्नाटक व हिमाचल प्रदेश में इसी ईवीएम से कांग्रेस की सरकार बनती है तब यह क्यों नहीं बोलते : अनिल विज

अम्बाला,24 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि ये जो पीटे हुए, हारे हुए राजनेता हैं ये उनके लिए एक भूत बन गई है। ये इनके लिए एक बहाना भी बन गया है। उन्होंने बताया कि ईवीएम से देश में इलेक्शन हो रहे हैं। केंद्र में सरकार बनी है, हरियाणा में सरकार बनी है, महाराष्ट्र में सरकार बनी है और दिल्ली में भी सरकार बनेगी और मैं इनसे चाहता हूं कि जब कर्नाटक में इसी ईवीएम से कांग्रेस की सरकार बनती है तब क्यों नहीं बोलते, हिमाचल में बनती है कांग्रेस की सरकार तब क्यों नहीं बोलते।

विज आज मीडिया कर्मियों द्वारा शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के ईवीएम को लेकर उठाए गए सवाल, के संबंध में गए प्रश्न का उत्तर दे रहे थे।उन्होंने कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार इसी ईवीएम से बनती है तब क्यों नहीं बोलते और हरियाणा में कांग्रेस के विधायक ईवीएम से जीतते हैं और तुम ईवीएम का विरोध करते हो तो अपने विधायकों का त्यागपत्र क्यों दिखाते हो।

वहीं, आप सांसद संजय सिंह के बयान कि दिल्ली चुनाव में भाजपा का सफाया होगा पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री अनिल विज ने कहा कि सपने लेने का हर आदमी को अधिकार है। लेकिन सपने और हकीकत में जमीन आसमान का अंतर होता है।

5 सालों में योग्यता के आधार पर 2 लाख युवाओं को दी जाएगी सरकारी नौकरियां : सैनी

चंडीगढ़,24 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार आगामी 5 सालों में योग्यता के आधार पर प्रदेश के युवाओं को 2 लाख सरकारी नौकरियां देगी। इस सरकार ने पिछले 10 सालों में 1 लाख 71 हजार युवाओं को सरकारी नौकरियां दी है। इस सरकार ने युवाओं को सरकारी नौकरियां देने के साथ–साथ रोजगार स्थापित करने के लिए विभिन्न योजनाओं को अमलीजामा पहनाने का काम किया है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शुक्रवार को आईजीएन कॉलेज धनौरा लाडवा (कुरुक्षेत्र) के स्वर्ण जयंती समारोह में बोल रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने कॉलेज की तरफ से आयोजित हवन यज्ञ में आहुति डाली और शिक्षण के संस्थापक स्वर्गीय ओम प्रकाश गर्ग की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। इसके बाद मुख्यमंत्री ने कॉलेज के प्रांगण में पौधार–ोपण किया। मुख्यमंत्री ने कालेज की स्वर्ण जयंती की स्मारिका का विमोचन किया। इस स्वर्ण जयंती समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शिक्षण संस्थान को 21 लाख रुपए अनुदान राशि देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने संस्थान के 51 वर्ष पूरे होने पर शिक्षकों, विद्यार्थियों और प्रबंधकों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में युवाओं को शिक्षित करने के लिए वर्ष 1974 में आईजीएन कॉलेज की स्थापना की गई। इस 50 साल के सफर में शिक्षण संस्थान ने हजारों विद्यार्थियों को अच्छा नागरिक बनाने और उन्हें हुनरमंद बनाने का काम किया है। विकसित हरियाणा के लक्ष्य को पूरा करने के लिए आईजीएन कॉलेज जैसे शिक्षण संस्थान का अहम योगदान रहेगा। प्रदेश व देश को प्रगति के पथ पर आगे ले जाने में संस्थानों का सबसे महत्वपूर्ण योगदान है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू किया है। इस शिक्षा पद्धति को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की तरफ से लागू कर दिया गया है। इस शिक्षा नीति से विद्यार्थी ही छत के नीचे केजी से लेकर पीजी कक्षाओं तक अपनी शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे, इतना ही नहीं स्कूल से विश्वविद्यालय तक विद्यार्थियों को कुशल बनाने का भी काम किया जाएगा। प्रदेश सरकार ने युवाओं को उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए 79 राजकीय कॉलेज खोलने का काम किया। से 32 कॉलेज बेटियों के लिए ही बनाए गए है। अब प्रदेश में हर 20 किलोमीटर के दायरे में राजकीय कालेज स्थापित किया जा चुका है। इसके अलावा 13 नए विश्वविद्यालय स्थापित किए गए है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने बिना खर्ची बिना पर्ची के युवाओं को 1 71 हजार सरकारी नौकरियां दी और आने वाले 5 सालों में युवाओं को 2 लाख और सरकारी नौकरियां दी जाएगी। सरकार की तरफ से विदेशों में नौकरियां व शिक्षा लेने के लिए युवाओं के सहयोग के लिए विदेश सहयोग विभाग स्थापित किया है और कॉलेजों में ही 35 हजार के नि:शुल्क पासपोर्ट भी बनाए गए है। प्रदेश के युवाओं ने खेलों के साथ–साथ हर क्षेत्र में हरियाणा का नाम पूरे विश्व में रोशन करने का काम किया है। लेफ्टिनेंट जनरल एसके सैनी ने बताया कि इस कालेज ने अब 50 सालों की ऐतिहासिक यात्रा पूरी कर ली है। लाडवा हल्का का एकमात्र कॉलेज है। जिसमें आर्ट, कॉमर्स, साइंस की शिक्षा के साथ–साथ अब कॉलेज में पीजी की कक्षाएं भी शुरू हो चुकी है। इस कॉलेज के निर्माण में धनौरा पंचायत का अहम योगदान है। इस पंचायत ने कॉलेज के निर्माण के लिए 36 एकड़ भूमि दान में है।

फैमिली आईडी अपडेट : हरियाणा सरकार का नया कदम

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने अपने नागरिकों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से फैमिली (परिवार पहचान पत्र) में बड़ा अपडेट जारी किया है। यह अपडेट खास तौर पर गृहणियों और बेरोजगार युवाओं को ध्यान में रखकर किया गया है। फैमिली आईडी हरियाणा सरकार की एक अनूठी पहल है, जिसके जरिए सभी सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र नागरिकों तक पहुंचाया जाता है।

हरियाणा सरकार फैमिली आईडी में अब गृहणियों और बेरोजगार युवाओं के लिए एक खास ऑप्शन जोड़ने का फैसला किया है। फैमिली आईडी में गृहणियों की स्थिति स्पष्ट रूप से दर्ज होगी, ताकि वे विभिन्न सरकारी योजनाओं और सब्सिडी, जैसे गैस सिलेंडर, राशन कार्ड और अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें।इसके उन्हें स्वरोजगार योजनाओं में प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। यह कदम हरियाणा की महिलाओं को सशक्त बनाने और उनकी आर्थिक स्थिति को सुधारने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है।

पूर्व विधायक अनंत सिंह ने बाढ़ कोर्ट में किया आत्मसमर्पण

गिरफ्तारी की तैयारी में थी पुलिस

पटना (एजेंसियां)। मोकामा गोलीकांड में पूर्व विधायक व बाहुबली अनंत सिंह ने सरेंडर कर दिया है। पटना पुलिस उनकी गिरफ्तारी की तैयारी में थी। इसके लिए सुबह से ही तैयारी चल रही थी। कई थानों की फोर्स भी अनंत सिंह के गांव में जाने वाली थी। लेकिन, उन्होंने सबकों चौकाते हुए बाढ़ कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। कोर्ट के बाहर बाहुबली के समर्थकों की भीड़ उमड़ चुकी है। बताया जा रहा है कि मोकामा गोलीकांड में पटना पुलिस ने पूर्व विधायक अनंत सिंह पर आर्म्स एक्ट समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। इतना ही नहीं अनंत सिंह पर पुलिस कर्मियों से धक्का-मुक्की करने, अभद्र व्यवहार, सरकारी

काम में बाधा पहुंचाने जैसे आरोप लगाए गए हैं। इस मामले के बाद विपक्ष पर नीतीश सरकार पर सवाल उठा रही थी।

बता दें कि बाहुबली अनंत सिंह से पहले मोकामा गोलीकांड में आरोप सोनू सिंह ने पुलिस दबिश पर सरेंडर कर दिया है। मोकामा गोलीकांड के बाद से पटना पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। सोनू के ऊपर मुंशी के साथ मारपीट करने, उसके घर पर ताला जड़कर और गोलीबारी का आरोप है। शुक्रवार सुबह सोनू ने पंचमहला थाने में जाकर सरेंडर कर दिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। वहीं पटना पुलिस ने अनंत सिंह के समर्थक रोशन सिंह को भी गिरफ्तार किया है।

दरअसल, बुधवार को पंचमहला थाने के नौरंगा गांव में पूर्व विधायक के समर्थकों और मुखिया कुमारी उर्मिला सिन्हा के बेटे व गैंगस्टर सोनू-मोनू के बीच कई राउंड फायरिंग हुई। इस दौरान अनंत सिंह घटनास्थल से चंद कदम दूरी पर ही मौजूद थे। घटना के बाद इलाके में हड़कंप है। पुलिस लगातार कैंप कर रही है। ग्रामीए एसपी विक्रम सिहाग का कहना है कि हालात नियंत्रण में हैं। मौके पर ही पिस्टल और कट्टा बरामद किए गए थे। इस मामले में कुल तीन प्राथमिकी दर्ज की गई है। लोगों से पूछताछ चल रही है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पूर्व विधायक अनंत सिंह ने कहा कि बुधवार को 10 से 15 लोग मेरे पास न्याय की गुहार लगाने आए थे। मैंने पूछा आपलोग क्यों आए हैं? तो उन्होंने कहा कि मेरे घर में सोनू-मोनू ने ताला लगा दिया है। घर से भगा दिया और 10 हजार रुपये मांग रहे हैं। इसके बाद मैंने इनलोगों थाने जाकर डीएसपी साहब से मिलने की सलाह दी। यह लोग पुलिस के पास गए लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ तो मैं इनलोगों के साथ गया। इनके घरों का ताला खुलवा दिया। ग्रामीणों की अपील पर मैंने सोनू-मोनू के घर जाकर उन्हें समझाने की। लेकिन, दोनों मुझे देखते ही भागने लगे और फायरिंग करने लगे। इसी दौरान मेरे एक आदमी को गोली लग गई। इसके बाद मुझे बचाने आए लोगों के ओर से भी हवाई फायरिंग की गई। इसी दौरान सोनू-मोनू फरार हो गए। पुलिस से अपील है कि आम लोगों की सुरक्षा में अगर इतना समय लगाएंगे तो क्या होगा? लोगों का घर लूटा जा रहा है और आप लिखित शिकायत देने की बात कहते हैं। शिकायत पर अगर फौरन कार्रवाई होती तो आज यह नौबत नहीं आती। सोनू-मोनू के आतंक से इलाके के लोग परेशान हैं। दोनों लोगों के घर लूटते हैं। रंगदारी मांगते हैं। जनता में डर का माहौल है।

तेजस्वी यादव ने सीएम नीतीश को बताया अचेत, कहा-

बिहार के अपराधियों को मिल रहा सरकार का संरक्षण

दरभंगा (एजेंसियां)। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए एक बार फिर कहा कि वे अचेत हो गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि बिहार में अपराधी बेलगाम हो चुके हैं। वहीं, भ्रष्टाचार शिष्टाचार बन चुका है। बिहार में लगातार आपराधिक घटनाएं हो रही हैं। यह वही बिहार है, जहां 200 से ज्यादा राउंड गोलियां चलती हैं और दोनों पक्ष मीडिया को बुलाकर इंटरव्यू भी देते हैं और बिहार की पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। ऐसा पहली बार हो रहा है। इतना कुछ होने के बावजूद पुलिस सब कुछ चुपचाप देख रही है।

नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस घटना में शामिल अपराधियों के घर भी जाया करते हैं। इतना ही नहीं बल्कि केंद्रीय मंत्री के साथ भी इन लोगों का उठना-बैठना है। उनका लोग स्वागत किया करते हैं। बिहार में

रूह कंपाने वाली बातें अब मामूली बन चुकी हैं। पूरी तरीके से बिहार में अपराधियों को बोलबाला हो चुका है। पूरे बिहार में अपराध के अलावा भ्रष्टाचार का बोलबाला हो गया है। आप देखिए एक शिक्षा विभाग के डीईओ के घर से करोड़ों रुपये नकदी बरामद की गई है। बेलगाम हो चुके अपराधियों को बिहार की सरकार द्वारा संरक्षण दिया जा रहा है। इतने राउंड गोलियां चलने के बाद अभी तक प्राथमिकी तक दर्ज नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि अगर अभी हम लोगों की सरकार होती तो बिहार से लेकर दिल्ली तक हिलाते रहते ये लोग। कहते चलते देखो बिहार में जंगलराज और अभी कोई बोलने को भी तैयार नहीं है, क्योंकि अभी तो यहां मंगलराज राज चल रहा है। तेजस्वी ने कहा कि जो भी अपराधी हो उस पर कार्रवाई होनी चाहिए, चाहे वह कोई भी क्यों न हो।

गौरतलब है कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव कर्पूरी ठाकुर जयंती समारोह में शामिल होने मधुबनी जिला के फुलपरास जाने के दौरान दरभंगा में बीती रात से ही रुके थे। आज फुलपरास जाने से पहले पत्रकारों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और सरकार को घेरते हुए कहा बिहार में अपराधियों को सरकार के द्वारा संरक्षण दिया जा रहा है। जिस कारण अपराधी 200 राउंड की फायरिंग करने के बाद मीडिया को इंटरव्यू देते हैं और पुलिस प्राथमिकी तक दर्ज नहीं करती है।

लंबे जाम में फंसे ट्रक में लगी भीषण आग, ड्राइवर और खलासी जिंदा जले

सिर्फ कंकाल बचे

पटना (एजेंसियां)। भोजपुर जिले के आरा-बबुरा फोरलेन पर एक दर्दनाक हादसे में ट्रक चालक और खलासी की जिंदा जलकर मौत हो गई। यह घटना कोइलवर थाना क्षेत्र के इंग्लिशपुर गांव के पास देर रात करीब तीन बजे हुई। आग इतनी भीषण थी कि ट्रक में मौजूद दोनों लोगों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। घटना के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार, ट्रक बेतिया से बालू लादकर आरा की ओर आ रहा था। बबुरा-छपरा फोरलेन पर रात में ट्रकों की लंबी कतार जाम में फंसी हुई थी। ड्राइवर और खलासी अपने ट्रक में सो रहे थे। इसी दौरान ट्रक में अचानक आग लग गई। आग ने इतनी तेजी से ट्रक को अपनी चपेट में ले लिया कि दोनों व्यक्तियों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला।

जानकारी के मुताबिक, हादसे में ड्राइवर और खलासी की मौत हो गई। मृतक ड्राइवर की पहचान पिरो थाना क्षेत्र के भलकुआ गांव निवासी दिवंगत मुद्रिका सिंह के बेटे भीम सिंह के रूप में हुई है।

वहीं, खलासी कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के सैराया गांव निवासी शत्रु-ोहन महतो के बेटे विकास कुमार थे। दोनों की मौत के बाद उनके शवों के सिर्फ कंकाल बचे हैं।

घटना की सूचना मिलते ही कोइलवर थाना टीम और सदर डीएसपी रणजीत सिंह मौके पर पहुंचे। साथ ही, फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल की जांच शुरू कर दी। प्राथमिक जांच में यह संभावना जताई जा रही है कि ट्रक में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट हो सकती है।

घटना के बाद मृतक उपचालक विकास कुमार के भाई अरुण कुमार ने बताया कि उन्हें सुबह छह बजे गाड़ी मालिक से घटना की जानकारी मिली। मौके पर पहुंचने के बाद उन्होंने देखा कि ट्रक में आग लगी थी और दोनों की जलकर मौत हो चुकी थी। उन्होंने प्रशासन से मुआवजे की मांग करते हुए कहा कि जब तक मुआवजा नहीं मिलेगा, तब तक रोड जाम रहेगा।

वहीं, सदर डीएसपी रणजीत सिंह ने कहा कि घटना की जांच की जा रही है। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की संभावना है। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। प्रशासन ने मामले की जांच में तेजी लाने और पीड़ित परिवारों को जल्द से जल्द राहत पहुंचाने का आश्वासन दिया है।

चश्मदीदों के अनुसार, आग इतनी भीषण थी कि ऐसा लग रहा था जैसे ट्रक चिता की तरह जल रहा हो। मृतकों के परिवार इस हादसे से गहरे सदमे में हैं और सरकार से उचित मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

खास तरह से मनाई जा रही कर्पूरी ठाकुर की जयंती उपराष्ट्रपति और सीएम पहुंचे जननायक के गांव

पटना (एजेंसियां)। आज भारत रत्न व बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर की जयंती है। पटना और समस्तीपुर समेत कई जगहों पर जननायक कर्पूरी ठाकुर की 101 वीं जयंती पर समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए सभी प्रशासनिक तैयारी पूरी कर ली गई हैं। समस्तीपुर में कर्पूरी चर्चा का आयोजन हो रहा है। खास बात यह है कि इस चर्चा में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान, केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भगवत चौधरी, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश सिंह, राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम विजय सिन्हा और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी शामिल हुए। उपराष्ट्रपति और मुख्यमंत्री समेत सभी गणमान्य लोगों ने सबसे पहले कर्पूरी ठाकुर के पैतृक घर स्थित स्मृति भवन पर माल्यार्पण किया। इसके बाद धर्म प्रार्थना में शामिल हुए।

उपराष्ट्रपति ने रुद्राक्ष और चंदन के पेड़ लगाए। इस मौके

पर उन्होंने कर्पूरी ठाकुर की वैसी ही झोपड़ी का जायजा लिया जिस तरह की झोपड़ी में कर्पूरी ठाकुर का पूरा जीवन व्यतीत हुआ था। इस झोपड़ी को कर्पूरी ठाकुर की याद में उनकी पुत्री ने निर्माण कराया है। सभी लोग कर्पूरी परिचर्चा में शामिल हुए। उपराष्ट्रपति ने सभा पर संबोधित करते हुए कहा कि उतना विकास नहीं किया जितना विकास पिछले 10 सालों में हुआ है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काम की बड़ाई की। उन्होंने कहा कि वर्ष 1947 में जब भारत आजादी का शताब्दी दिवस समारोह मना रहा होगा उसे समय भारत विकसित देश बनेगा और उसका नंबर एक होगा और गुरु के रूप में भी जाना जाएगा। भारत तेजी से विकास कर रहा है।

इधर, जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न मिलने के बाद यह पहला मौका है जब उनकी जयंती समारोह मनाया जा रहा है। इस जयंती समारोह को यादगार बनाने के लिए कर्पूरी ठाकुर की उस झोपड़ी को पुनः वैसा ही लुक दिया गया है जैसी झोपड़ी में कर्पूरी ठाकुर ने अपना जीवन गुजारा था। इस झोपड़ी में वैसे ही खाट रखी गई है, जैसी खाट कर्पूरी ठाकुर सोया करते थे। झोपड़ी में सिलवट, आंटा पीसने वाला जांता, मिट्टी के चूल्हे भी रखे गए हैं। इतना ही नहीं रोशनी के डिबिया भी रखी गई है। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने बतलाया कि कोशिश रहेगी कि कालेज परिसर में उनकी पुत्री की इच्छा से बनायी गयी यह झोपड़ी यथावत रहे ताकि लोग जान सके कि कर्पूरी ठाकुर का जीवन किस तरह से सादगी भरा था।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, मंत्री विजय चौधरी के साथ कर्पूरी ग्राम पहुंचे। यहां उनके परिजनों से मुलाकात की। सीएम नीतीश कुमार ने पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को नमन किया और श्रद्धांजलि भी दी। इसके बाद उपराष्ट्रपति का भी स्वागत किया। इस दौरान लोगों की भीड़ लग गई।

भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर जी की 101वीं जयंती के अवसर पर बिहार विधान मंडल परिसर और देशरत्न मार्ग स्थित जननायक कर्पूरी ठाकुर स्मृति संग्रहालय में आयोजित राजकीय समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उनकी आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव, उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, स्वास्थ्य सह कृषि मंत्री मंगल पाण्डे, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेशी सिंह, परिवहन मंत्री शीला कुमारी, बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष नरेन्द्र नारायण यादव, विधायक अनिल कुमार, विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, पूर्व मंत्री श्याम रजक, राज्य नागरिक परिषद् के पूर्व महासचिव अरविंद कुमार, बिहार बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य शिवशंकर निषाद सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भी भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर जी की आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर सूचना एवं जन-संपर्क विभाग के कलाकारों द्वारा आरती पूजन, बिहार गीत एवं जननायक के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित गीतों का गायन किया गया।

मानव तस्करी के लिए ले जाए जा रहे पांच बच्चों को पुलिस ने कराया मुक्त, आरोपी गिरफ्तार

वैशाली (एजेंसियां)। वैशाली में ऑपरेशन आहट के तहत वरीय अधिकारी के निर्देशानुसार निरीक्षक प्रभारी साकेत कुमार के नेतृत्व में बचपन बचाओ आंदोलन के एपीओ अनुपम कुमारी तथा स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला संस्थान के अध्यक्ष सुधीर शुक्ला की टीम के साथ गुप्त सूचना के आधार पर मानव तस्करी की रोकथाम के लिए हाजीपुर रेलवे स्टेशन से गुजरने वाली ट्रेन में जांच के दौरान ट्रेन संख्या 12407 प्लेटफार्म नंबर 2 से मानव तस्करी के लिए लुधियाना ले जा रहे पांच बच्चों के साथ तीन तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया। कार्रवाई में उपनिरीक्षक नर सिंह यादव, राकेश कुमार, आरक्षी संतोष कुमार और आरक्षी शिशुपाल कुमार एवं बचपन बचाओ

आंदोलन के एपीओ अनुपम कुमारी व उनकी टीम तथा स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला संस्थान हाजीपुर के अध्यक्ष सुधीर शुक्ला व कोऑर्डिनेटर शालिनी भारती व उनकी टीम, चाइल्ड हेल्प लाइन की स्मिता कुमारी शामिल रहे।

साकेत कुमार ने बताया कि मुखबीर खास की सूचना पर मानव तस्करी की रोकथाम के क्रम में हाजीपुर जंक्शन से गुजरने वाली गाड़ियों में विशेष जांच अभियान चलाया गया। अभियान के क्रम में हाजीपुर जंक्शन से गुजरने वाली गाड़ी संख्या 12407 के प्लेटफार्म संख्या-2 पर आगमन उपरांत जांच करने के क्रम में उक्त गाड़ी के पीछे गार्ड ब्रेक की ओर साधारण कोच में कुछ डरे-सहमे बालक बैठे हुए पाए गए, जिन सभी बालकों से पूछताछ किया गया तो सभी बालकों ने बताया कि मुझे लुधियाना में सिलाई कंपनी में काम करने के लिए ले जाया जा रहा है। हम लोगों को मनीष कुमार, गोपाल कुमार तथा श्याम बाबू के द्वारा ले जाया जा रहा, जो कि इसी कोच में ही बैठा हुआ है। बालकों की निशानदेही पर उल्लिखित व्यक्ति को आवश्यक पूछताछ करने पर उक्त बच्चों को अपने साथ ले जाने की बात स्वीकार किया। परंतु कोई स्पष्ट संतोषजनक जवाब नहीं दिया। इसके उपरांत गाड़ी का ठहराव कम होने के कारण ट्रेन से उतार कर डिटेन किया गया। बालकों को भी उनके भविष्य के सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से ट्रेन से उतारा गया तथा रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट हाजीपुर पर लाया गया। डिटेन किए गए व्यक्तियों से उल्लिखित हम सभी बल सदस्य तथा गवाहों के समक्ष आवश्यक पूछताछ किया गया। उक्त बालकों को ले जाने वाले व्यक्तियों के द्वारा बताया गया कि उक्त बच्चों को लुधियाना में सिलाई फैक्ट्री में मजदूरी कराने हेतु लेकर जा रहा था, जिसकी एवज में प्रत्येक बच्चों को पांच से 10 हजार रुपये महीना दिया जाने के बारे में बताया।

बाद में आरपीएफ हाजीपुर के निरीक्षक साकेत कुमार के द्वारा सभी बालकों से नाम, पता पूछते हुए सत्यापन करते हुए समस्त कार्रवाई का नियमानुसार मोबाइल के माध्यम से फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी कर सभी बालकों एवं बालकों को ले जाने वाले बाल तस्कर उपरोक्त को जीआरपी हाजीपुर को सुसंगत कागजात के साथ सुपुर्द किया गया। जीआरपी हाजीपुर के द्वारा सभी मानव तस्करों के विरुद्ध मामला पंजीकृत सभी बालकों को चाइल्ड हेल्प लाइन हाजीपुर को सुपुर्द कर दिया गया।

सासंद पप्पू यादव ने जदयू-भाजपा पर जमकर कसे तंज

सीएम नीतीश कुमार को खत्म करना चाहती है बीजेपी

पूर्णिया (एजेंसियां)। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव गुरुवार की रात किशनगंज के ठाकुरगंज पहुंचे। जहां कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। वहीं, उन्होंने ठाकुरगंज के कई निजी क्लिनिक के डॉक्टरों से मुलाकात कर आयुष्मान कार्ड से मुफ्त इलाज मुहैया करवाने के लिए उनके कार्यों की सराहना की। इस दौरान उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड से स्थानीय लोगों को इलाज कराने में सहूलियत मिलेगी। वहीं, इस दौरान उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं के साथ क्षेत्र के कई मुद्दों पर चर्चा की। साथ ही इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और बीजेपी पर जमकर तंज कसे।

सांसद पप्पू यादव ने कहा कि किशनगंज कितना गरीब है, यह

मुख्यमंत्री जी को जानने की जरूरत है। हमारे यहां सबसे ज्यादा छोटे-छोटे जमीन वाले हैं। जिस तरह से अनानास की खेती हमारे यहां बढ़ी है, उसके लिए सब्सिडी मुहैया करवाई जाए। इस इलाके में उद्योग स्थापित करवाएं, क्योंकि सबसे ज्यादा किशनगंज से पलायन साउथ या पंजाब में होता है। सीमांचल सबसे गरीब है, हमारे पास न विकास है न ही अर्थ है। हम मुख्यमंत्री से ये चाहेंगे कि किशनगंज की प्रगति, महानंदा पर बांध और नदी के नवीकरण आदि पर वे ध्यान दें। यहां की चाय काफी प्रमुख है और यहां के चाय की खेती को आगे बढ़ाएं।

सांसद पप्पू यादव ने कहा कि आप उम्मीद करते हैं दिल्ली से बिहार के आदमी के बारे में? उन्हें क्या मतलब है, जात-पात से ऊपर सोचते नहीं हैं। जब भी दलित की बात आती है तो जदयू और भाजपा वाले भागते हैं और विशेष राज्य की उम्मीद केंद्र से आप कैसे कर सकते हैं। नीतीश कुमार को तो बीजेपी खत्म करना चाहती है। वह तो पीठ में खंजर घोंपने में लगी हुई है कि इस बार निपटा दो। बहुत शातिर लोग हैं यह बीजेपी वाले। उन्हें इस बात से परेशानी है कि बिहार में उनकी अकेली की सरकार कभी भी नहीं बन सकती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com